नई दिल्ली
रविवार, 26 अक्टूबर, 2025
कार्तिक मास शुक्ल पक्ष,
पंचमी वर्ष : 29, अंक : 192
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 31
न्यून. 18

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

11 सिडनी में गरजा 'रो-को' का बल्ला
168 रन की अटूट साझेदारी

30 अक्टूबर से 10 नवंबर 2025 तक इलाके में चलेगा भारत का संयुक्त त्रि-सैन्य 'त्रिशूल युद्धाभ्यास'

सरक्रीक में भारत के युद्धाभ्यास से घबराए पाकिस्तान ने जारी किया नोटिस टू एयरमैन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पश्चिमी-सीमा पर भारत और पाकिस्तान के बीच बनी हुई तल्खी अभी पूरी तरह से खत्म भी नहीं हुई थी कि अब एक बार फिर से दोनों देश इसी सरहदी क्षेत्र में आमने-सामने हैं।

दरअसल हाल ही में भारत ने यह घोषणा की थी कि उसकी तीनों सशस्त्र सेनाएं (सेना, वायुसेना और नौसेना) अपने प्रचंड जंगी बेड़े के साथ राजस्थान के जैसलमेर से गुजरात के सरक्रीक तक 'त्रिशूल-25' नामक संयुक्त युद्धाभ्यास करेंगी। जो 30 अक्टूबर से लेकर 10 नवंबर 2025 तक चलेगा। एहतियात के तौर पर इसे लेकर उसने नोटम (नोटिस टू एयरमैन) जारी किया था। जिससे डरे हुए पाकिस्तान ने भी नोटम जारी कर दिया है। जिसके जरिए उसने अपने मध्य और दक्षिणी हवाई क्षेत्र में कई हवाई मार्गों को प्रतिबंधित करते हुए सैन्य अभ्यास की तैयारियां शुरू कर दी हैं। यह जानकारी ओपन भू-रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ डेमियन साइमन ने सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से दी है।

सरक्रीक में बढ़ाया सैन्य ढांचा

जानकारों ने बताया कि पाकिस्तान ने बीते कुछ दिनों से सरक्रीक के इलाके में अपने सैन्य ढांचे को काफी विस्तार देते हुए मजबूत बनाया है। जो 7 से 10 मई 2025 को चलाए गए सैन्य अभियान के बाद एक प्रकार से भारत को दी जाने वाली खुली चुनौती के समान है। इस तथ्य का उल्लेख बीते समय में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अपने गुजरात दौरे में किया था। जिसमें दोनों ने पाकिस्तान को साफ शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर इलाके में उसने किसी प्रकार की कोई गुस्ताखी करने की हिमाकत की। तो उसे उसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। इन सबके बीच त्रिशूल युद्धाभ्यास को देखें तो उसके जरिए न केवल भारतीय सेना की मारक क्षमता में कई गुना का इजाफा देखने को मिलेगा। बल्कि इसके जरिए सैन्य-बल अपने विध्वंसक हथियारों की नवीनतम प्रौद्योगिकी, नवाचार और आत्मनिर्भरता को भी प्रदर्शित करेंगे।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अगले महीने से आसान हो जाएगा जीएसटी रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार 1 नवंबर, 2025 से जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) के लिए एक नई और आसान रजिस्ट्रेशन प्रणाली शुरू करने जा रही है। जिसके तहत नया आवेदन करने वालों को सिर्फ 3 वर्किंग दिनों के अंदर मंजूरी मिल जाएगी। सरकार के द्वारा लाए गए जीएसटी रिफॉर्म के तहत जीएसटी परिषद ने इसकी मंजूरी दी है।

फ्लाइट से उड़ान भरते ही हुई थी पक्षी से टक्कर

नागपुर। पक्षी टकराने के कारण एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई 466) में खराबी आ गई थी। हालांकि, चालक दल की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। यह फ्लाइट 24 अक्टूबर को नागपुर से दिल्ली जा रही थी। नागपुर से टेकऑफ के बाद एयर इंडिया के विमान से पक्षी की टक्कर हुई।

नार्लीकर को मरणोपांत विज्ञान रत्न पुरस्कार

नई दिल्ली। प्रसिद्ध खगोल भौतिक विज्ञानी प्रो. जयंत विष्णु नार्लीकर को विज्ञान रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया। यह देश का शीर्ष विज्ञान पुरस्कार है। सरकार ने इसके साथ ही 2025 के लिए 8 विज्ञान श्री पुरस्कारों और 14 विज्ञान युवा पुरस्कार विजेताओं की भी घोषणा की है। उनका इसी वर्ष 20 मई को 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

यूएन में हुई एक खुली बहस में भारत के राजदूत पी. हरीश का पाकिस्तान को करारा जवाब

जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न था, है और हमेशा रहेगा, पाक अपने गिरेबान में झांके

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

क्या करें पाकिस्तान है कि मानता ही नहीं, बार-बार भारत के हाथों मुंह की खाता है। लेकिन फिर भी कश्मीर का झूठा राग अलापना नहीं छोड़ता। ताजा मामला बीते शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में हुई एक खुली बहस ('यूएन ऑर्गेनाइजेशनः लुकिंग इनटू फ्यूचर') से जुड़ा हुआ है।

जहां भारत के स्थायी प्रतिनिधि और वरिष्ठ राजदूत पर्वथानेनी हरीश ने न केवल पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई। बल्कि दो टूक अंदाज में उसे ये भी स्पष्ट कर दिया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और हमेशा रहेगा। पाकिस्तान को भारत पर कुछ भी टिप्पणी करने से पहले अपने आप को देखना चाहिए यानी उसे खुद अपने अनाधिकृत कब्जे वाले इलाकों (पीओके समेत) में मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन की स्थिति पर नजर दौड़ानी चाहिए। अपने संबोधन में भारतीय राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र में जल्द सुधारों की भारत की पुरानी मांग को भी मजबूती के साथ उठाया और कहा कि वर्ष 1945 की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं की बुनियाद पर बना संयुक्त राष्ट्र, 2025 की चुनौतियों का समाधान निकालने के लिए सक्षम नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के लोगों को हैं पूरे अधिकार

हरीश ने भारत और पाकिस्तान में लोकतंत्र की तुलना करते हुए कहा कि एक तरफ हमारा भारत है। जहां की आम-जनता को अपने मौलिक अधिकारों का इस्तेमाल करने की पूरी आजादी है। वो पूरी आजादी और सहूलियत के साथ ऐसा कर भी रहे हैं। इस पूरी प्रक्रिया की बुनियाद हमारे देश में मौजूद मजबूत लोकतांत्रिक प्रक्रिया और संविधान प्रदत तंत्र में समाहित है। वहीं, पाकिस्तान में लोकतंत्र पर कुछ न ही कहा जाए तो ही बेहतर है। पड़ोसी शत्रु देश के लिए इसके मायने केवल विदेशी हैं। वहां पर लोकतंत्र कमजोर है या फिर कहें कि शक्तिशाली सैन्य प्रभाव उस पर बहुतायत में बना रहा है। पाकिस्तान ने वर्ष- 1947 में अपनी स्थापना के बाद से लेकर आज तक करीब तीन दशक से अधिक समय तक सैन्य तानाशाही के शासन में बिताए हैं। भारत का जम्मू-कश्मीर को लेकर बना हुआ पुराना पक्ष आज भी जस का तस बरकरार है। जिसके तहत हमारा यही कहना है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा बना रहेगा।

पीओके में पाक सेना ने हद पार की

भारत के राजदूत ने पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां बीते कुछ समय से जारी विरोध-प्रदर्शनों से यह साफ हो जाता है कि किस तरह से पाकिस्तानी सेना ने वहां की आम-जनता के अधिकारों का बड़े पैमाने पर हनन किया है। उन्होंने पाक को नसीहत देते हुए कहा कि उसे अपनी सेना के अवैध कब्जे वाले तमाम इलाकों में हो रहे मानवाधिकारों के भीषण उल्लंघन पर रोक लगानी चाहिए। यह वो क्षेत्र हैं जहां के रहने वाले लोग खुलेआम पाकिस्तानी सेना के विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं। इसी अक्टूबर महीने में बड़े पैमाने पर हुए विरोध-प्रदर्शनों का गवाह बने पीओके में पाक सेना की ज्यादती और जुल्म की वजह से लगभग दर्जनभर लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए हैं।

यूएन को चाहिए वास्तविक सुधार

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को वास्तविक व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। क्योंकि हम दशकों पहले 1945 में तत्कालीन समय की हकीकत पर निर्मित किसी संस्थान से वर्तमान की चुनौतियों का उचित निपटारा करने की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) के देशों की आवाज को इस वैश्विक मंच की निर्णय लेने की क्षमता में स्थान मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने यूएन के सदस्य देशों को सतर्कता के साथ यह आग्रह किया कि उन्हें इस अंतरराष्ट्रीय मंच को बांटने वाली राजनीति और संकीर्ण उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

पाकिस्तान को एफएटीएफ की कड़ी फटकार...

ग्रे लिस्ट से बाहर आने से नहीं रुकेगी आतंकवाद को लेकर उसकी निगरानी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के वित्तपोषण पर पैनी नजर रखने वाली फाइनेंशियल एक्शन टास्क-फोर्स (एफएटीएफ) ने पाकिस्तान को सख्त लहजे में लताड़ लगाई है। जिसमें यह कहा है कि लगभग तीन साल पहले वर्ष 2022 में हमारी ग्रे लिस्ट से बाहर आने का ये मतलब कतई नहीं है कि अब आतंकवाद को लेकर की जाने वाली फंडिंग यानी मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर पाकिस्तान पर कोई निगरानी नहीं रखी जाएगी। इसे प्रक्रिया का अंत नहीं माना जाना चाहिए। यह जानकारी फ्रांस की राजधानी पेरिस में हुई तीन दिवसीय बैठक (22 से 24 अक्टूबर तक) के बाद आयोजित किए गए संवाददाता सम्मेलन में एफएटीएफ की अध्यक्ष एलिसा दे आंडा माद्राजो ने दी है। एफएटीएफ की यह टिप्पणी एक ऐसे समय में आई है जब भारत समेत दुनियाभर से आ रही रिपोर्ट इस बात की ओर इशारा कर रही हैं कि पाकिस्तान की धरती से आतंकवाद का कारोबार चलाने वाले आतंकियों के सामने ▸▸ शेष पेज 5 पर

एशिया-प्रशांत समूह रखता पाक पर निगरानी

गौरतलब है कि पाकिस्तान एफएटीएफ का सदस्य नहीं है। इसलिए इस पर निगरानी रखने की जिम्मेदारी एशिया-प्रशांत समूह के मातहत आती है। जिसमें भारत भी शामिल है। वहीं, एफएटीएफ के सदस्य देशों की बात करें तो उनकी कुल संख्या 40 है। 9 समितियां और 200 के करीब क्षेत्राधिकार समूह हैं। जिसमें भारत, अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली और कनाडा जैसे देश शामिल हैं। बैठक के बाद कार्य-योजना के तेजी के साथ किए गए उचित क्रियान्वयन की वजह से बुर्किना फासो, मोजाम्बिक, नाइजीरिया और दक्षिण-अफ्रीका को संस्था ने अपनी ग्रे सूची से बाहर कर दिया है।

अवैध गतिविधियों को लेकर सतर्कता बरतें

माद्राजो ने पाकिस्तान के साथ-साथ अन्य देशों को भी यह कहा कि उन्हें अवैध आर्थिक गतिविधियों से दो-दो हाथ करने के लिए हमेशा सतर्क और प्रतिबद्ध रहना चाहिए। फिर चाहे उन्हें एफएटीएफ की प्रतिबंधित ग्रे सूची से बाहर ही क्यों न कर दिया गया हो? उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि चाहे कोई देश ग्रे सूची से बाहर आ गया हो। लेकिन वो आज भी अपराधियों (आतंकवादियों) की गतिविधियों को लेकर पूरी तरह से सुरक्षित नहीं ▸▸ शेष पेज 5 पर

दर्शन व आरती के समय में बदलाव

रामलला के दोपहर में 1 घंटे बंद रहेंगे कपाट

सर्दी और बढ़ने पर रामलला को रजाई ओढ़ाई जाएगी व ऊनी वस्त्र पहनाए जाएंगे

एजेंसी ⏭ अयोध्या

शरद ऋतु के आगमन के साथ ही अयोध्या में रामलला के दर्शन अवधि में बदलाव कर दिया गया है। 23 अक्तूबर से श्रद्धालुओं को राम मंदिर में सुबह 7 बजे से रामलला के दर्शन हो रहे हैं। रात 9 बजे तक दर्शन का यह क्रम जारी रहता है। आरती के समय में भी बदलाव किया गया है। दोपहर में आरती व भोग के लिए एक घंटे तक मंदिर का पट बंद रहता है। राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र ने बताया कि ▸▸ शेष पेज 5 पर

यूएन महासभा के सत्र के लिए पीएमओ ने किया नामित

खजुराहो सांसद वीडी शर्मा करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

खजुराहो से सांसद विष्णुदत्त शर्मा को एक बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हें न्यूयॉर्क में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने उनके नाम को इस महत्वपूर्ण दौरे के लिए नामित किया है। वीडी शर्मा 27 से 31 अक्टूबर तक चलने वाले इस सत्र के दौरान वैश्विक मंच पर भारत का पक्ष रखेंगे। उनका यह दौरा पांच दिन का होगा। वह देश के उन 15 सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे, ▸▸ शेष पेज 5 पर

आज शाम से 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा

चार दिन का छठ महापर्व शुरू

नई दिल्ली। चार दिवसीय सूर्योपासना का महापर्व छठ का अनुष्ठान देश भर में शनिवार से नहाय-खाय के साथ आरंभ गया है। पहले दिन व्रतियों ने स्नान किए जाने के बाद नए वस्त्र धारण किए। इसके बाद मिट्टी के चूल्हे पर बने कद्दू और चना दाल की सब्जी एवं चावल का भोग लगाया और उसे स्वजनों के साथ प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। रविवार की शाम लोगों के घरों में खरना का प्रसाद बनेगा और इसके बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा। इसके ▸▸ शेष पेज 5 पर

मोरारी बापू और शुक्ल ने दिखाई हरी झंडी

चित्रकूट से शुरू हुई 'राम यात्रा' श्रीलंका होते हुए अयोध्या पहुंचेगी

यह विशेष ट्रेन चित्रकूट से रामेश्वरम तक जाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सतना

भगवान श्रीराम के वनगमन पथ पर आधारित ऐतिहासिक राम यात्रा का शुभारंभ शनिवार को सतना के चित्रकूट से हुआ। इस अवसर पर प्रसिद्ध संत मोरारी बापू और उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट धाम रेलवे स्टेशन से रवाना हुई यह विशेष ट्रेन चित्रकूट से रामेश्वरम तक जाएगी। इसके बाद राम यात्रा हवाई मार्ग से श्रीलंका पहुंचेगी और अंततः अयोध्या धाम में इसका समापन होगा। यह 11 दिवसीय यात्रा प्रभु श्रीराम के वनवास काल में तय किए गए मार्गों को पुनर्जीवित करने और उन पवित्र स्थलों को श्रद्धालुओं से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। यात्रा 4 नवंबर तक चलेगी।

बॉलीवुड के अभिनेता सतीश शाह ने 1970 के दशक के अंत में फिल्मों में कदम रखा था, उन्होंने 200 से अधिक फिल्मों में काम किया

शाह बीते कुछ समय से मीडिया से दूरी बनाए हुए थे

पहले शो में निभाए 56 किरदार, लाश के रोल से हुए मशहूर ...74 साल की उम्र में ली एक्टर सतीश शाह ने अंतिम सांस

स्कूल में सालाना फेस्टिवल के नाटक में एक्टर नहीं आया तो सतीश ने अभिनय किया, यहीं से शुरुआत

उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा और आने वाली पीढ़ियां उन्हें भारतीय कॉमेडी के अनमोल सितारे के रूप में याद रखेंगी

एजेंसी ⏭ मुंबई

बॉलीवुड के अभिनेता सतीश शाह का 74 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्हें फिल्म जाने भी दो यारों (1983), मैं हूं ना (2004), कल हो ना हो (2003) और फना (2006) जैसी फिल्मों में बेहतरीन किरदार निभाने के लिए जाना जाता था। कई फिल्मों में काम करने के बाद सतीश शाह ने साल 1984 में धारावाहिक ये जो जिंदगी है से टेलीविजन में डेब्यू किया था। इस शो में उन्होंने 56 तरह के किरदार निभाए थे। अपने हर किरदार से उन्होंने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। उनके यह किरदार आज भी याद किए जाते हैं। एक बार सतीश के स्कूल में ▸▸ शेष पेज 5 पर

उनकी किडनी फेल हो गई थी

शनिवार दोपहर को किडनी फेलियर के चलते उन्हें हिंदुजा अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने दोपहर ढाई बजे आखिरी सांस ली। सतीश शाह बीते कुछ समय से मीडिया से दूरी बनाए हुए थे। वो काफी समय से ना तो किसी पब्लिक इवेंट में नजर आए थे और न ही किसी फिल्म में। साल 2014 में उनकी आखिरी फिल्म हमशक्ल रिलीज हुई थी। सतीश शाह का जन्म 25 जून 1951 को मुंबई में हुआ था। बचपन से ही अभिनय की ओर उनका रुझान था। उन्होंने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे से अभिनय की शिक्षा ली। यहीं से ▸▸ शेष पेज 5 पर

पुलिस ने दो पिस्तौल, भरी हुई मैगजीन और चार खाली कारतूस किए बरामद

मुठभेड़ के बाद अवैध हथियारों की तस्करी करने वाला कोकू पहाड़ियां गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली के महरौली इलाके में बीती रात पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में अवैध हथियारों की आपूर्ति में कथित रूप से शामिल एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। आरोपी शख्स का नाम कनिष्क उर्फ कोकू पहाड़ियां उर्फ विशाल (27) बताया गया है।

पुलिस के अनुसार इलाके में एक अपराधी की गतिविधि की सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम ने लाडो सराय श्मशान घाट रोड के पास नाकाबंदी की थी। रात लगभग 3:15 बजे संदिग्ध व्यक्ति वहां पहुंचा और रोके जाने पर उसने पुलिस टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी। टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान आरोपी शख्स के पैर में गोली लगी। दिल्ली के मदनगीर निवासी कनिष्क उर्फ कोकू के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने उसके पास से दो पिस्तौल, भरी हुई मैगजीन और चार खाली कारतूस बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि हथियारों के स्रोत और अवैध हथियारों के व्यापार में शामिल उसके सहयोगियों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

नांगलोई में हुई मुठभेड़ : पकड़े गए तीन संदिग्ध बदमाश

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नांगलोई इलाके में शनिवार तड़के पुलिस के साथ हुई एक मुठभेड़ में तीन बदमाश घायल हो गए। इनकी गंभीर आपराधिक मामलों में संलिप्तता पाई गई है। पुलिस का कहना है कि इस सप्ताह की शुरुआत में इन बदमाशों ने नांगलोई में चोरी के एक असफल प्रयास के बाद भागते समय पुलिस पेट्रोलिंग टीम पर गोलीबारी की थी।

डीसीपी सचिन शर्मा के अनुसार नांगलोई पुलिस को सूचना मिली थी कि मोटरसाइकिल पर सवार हथियारबंद बदमाश इलाके में मौजूद हैं। इसके बाद शनिवार तड़के करीब 3.35 बजे पुलिस ने प्रेम नगर चौराहे के पास संदिग्धों को देखा। पुलिस ने उन्हें जांच के लिए रुकने का इशारा किया, तो तीनों ने भागने की कोशिश की, लेकिन उनकी मोटरसाइकिल फिसल गई। उन्होंने पुलिस टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई। डीसीपी ने बताया कि गोलीबारी के दौरान आरोपियों के पैरों में गोली लगी, जबकि सब-इंस्पेक्टर योगेंद्र और हेड कांस्टेबल विकास कुमार बाल-बाल बच गए, क्योंकि गोलियां उनकी बुलेटप्रूफ जैकेट में लगीं। गाजियाबाद के लोनी निवासी फिरोज उर्फ साजिद (32), मोहम्मद कामरान उर्फ शाहरुख उर्फ मोहम्मद शरीफ (38) और ओसाफ अली (48) को मुठभेड़ के बाद पकड़ लिया गया। पुलिस ने बताया कि घायल आरोपियों को मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। बदमाशों के पास से एक देसी पिस्तौल, .32 बोर की दो पिस्तौल, चार कारतूस और चार खोखे बरामद किए गये हैं। हथियारों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

जांच में पता चला कि 22 अक्टूबर को इन्हीं तीनों बदमाशों ने मंगोलपुरी फ्लाईओवर के पास पुलिस पेट्रोलिंग टीम पर कथित तौर पर गोलीबारी की थी। तीनों को एक संदिग्ध कार में रोका गया था जब वे नांगलोई में एक हार्डवेयर की दुकान में सेंधमारी के प्रयास के बाद भाग रहे थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों का लंबा आपराधिक इतिहास है, जिसमें डकैती, फिरौती के लिए अपहरण और शस्त्र अधिनियम के तहत अपराध शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि 2017 में डकैती के बाद भागते समय, फिरोज ने कथित तौर पर पुलिस पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई थी। अधिकारी ने बताया कि फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) और क्राइम टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है और जांच जारी है।

झगड़े में पड़ोसी की गला दबाकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ रोहिणी जिले के कंझावला इलाके की घटना

रोहिणी जिले के कंझावला थाना अंतर्गत शनिवार सुबह करीब 10 बजे झगड़े के दौरान एक शख्स ने पड़ोसी की गला दबाकर हत्या कर दी। मृतक का नाम दुलार हलदर (36) बताया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि दुलार हलदर पुत्र नारायण हलदर का पड़ोसी ने गला दबा दिया है। वह मर गया है। आरोपी का नाम अजय है। इसके बाद 10:05 बजे एक और पीसीआर कॉल मिली जिसमें बताया गया कि एक व्यक्ति को गला घोंटकर मार दिया गया है। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि मृतक दुलार हलदर निवासी जेजे कॉलोनी, सावदा, स्थायी निवासी जिला फरक्का, पश्चिम बंगाल है। वह पेशे से ऑटो ड्राइवर था। उसका अपने पड़ोसी अजय से झगड़ा हुआ था। सुबह जब दुलार अपने घर के बाहर अपना ऑटो साफ कर रहा था, तो उसने कथित तौर पर अजय की पत्नी को गाली दी। इससे दोनों के बीच हाथापाई हुई और अजय ने कथित तौर पर दुलार का गला घोंट दिया। इससे वह बेहोश हो गया और उसकी हालत गंभीर हो गई। बाद में उसे सिग्नस हॉस्पिटल, रामा विहार ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के शव को आगे की कार्यवाही के लिए संजय गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल, मंगोलपुरी ले जाया जा रहा है। क्राइम टीम और एफएसएल टीम को सूचित कर मौके पर बुलाया गया है। इस संबंध में कंझावला थाने में धारा 105 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। आरोपी अजय (32) पुत्र शिव कुमार निवासी जेजे कॉलोनी, सावदा झंडेवालान में एक प्राइवेट कंपनी में अकाउंटेंट के तौर पर काम करता है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। शुरुआती पूछताछ में पता चला कि उसका पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। उससे आगे पूछताछ की जा रही है।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

पत्र संख्या. 128-डब्लू/280/निविदा सूचना/25-26/डब्लू- I (NIT-30/25-26) दिनांक:24.10.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल अभियंता/प्रथम, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई–टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	DLI-UMB खंड पर TSR (P) 30.00 किमी SQRS के साथ
अनुमानित लागत	रु. 5,46,22,658.36/-
धरोहर राशि	रु. 4,23,100/- (यह नेट बैंकिंग या केवल भुगतान gat way के रूप में होना चाहिए। नोट: एफ.डी.आर या डिमांड ड्राफ्ट के रूप में ई.एम.डी स्वीकार नहीं की जाएगी। (रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2015/सीई-1/सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016) के अनुसार आईआरईपीएस. पर आमंत्रित निविदा के लिए।
समापन अवधि	12 महीने
ई–निविदा खोलने और प्रस्तुत करने के लिए दिनांक और समय	18.11.2025 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत करने तथा निविदा खुलने का समय दिनांक 18.11.2025 को 15:00 बजे।
निविदा की वेब साइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
इस कार्य के लिए सामान प्रकार के कार्य है	CTR/TRR/TFR/TTR ट्रैक की raising, गहरी स्क्रीनिंग, ट्रैक की distressing, ट्रैक रखरखाव मशीनों जैसे टेम्पिंग मशीन/बैलास्ट, स्क्रीनिंग/रेगुलेटिंग मशीनों के लिए पूर्व और पोस्ट कार्य, टी-28 से TTR कार्य

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3315/25

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य यांत्रिक अभियंता, कार्यालय, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, सोनीपत, उत्तर रेलवे, निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या	19-RCNK-OPN-VB-VW-2025		
कार्य का नाम और कार्य स्थान	"सप्लाई एंड एप्लीकेशन ऑफ विलायल रेपिंग फॉर स्क्रेच प्रोटेक्शन इन वंदे भारत रेक डुयरिंग स्ड्युल मेंटिनेंस ऐट आरसीएनके/एसएनपी (एज पर स्क्रॉप ऑफ वर्क)"		
अनुमानित लागत	₹82,60,085.35 जीएसटी @ 18% सहित		
बयाना राशि	₹1,65,200/-	निविदा फॉर्म का मूल्य	शून्य
कार्य अवधि	स्वीकृति पत्र जारी होने से छः महीने तक		
निविदा प्रपत्र जमा करने की तथा खुलने की तिथि व समय	दिनांक 10.11.2025 को 15:00 बजे तक खुलने का समय 15:15 बजे।		
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा IREPS साइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है		

यदि हिन्दी व अंग्रेजी के नोटिस में कोई विरोधाभास है, तो अंग्रेजी का नोटिस ही मान्य होगा।

पत्र सं.: 19-RCNK-OPN-VB-VW-2025 दिनांक 25.10.2025 3326/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपत्ति विवाद में एक व्यक्ति पर लोहे की रॉड से हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सरिता विहार में दो व्यक्तियों ने एक व्यक्ति पर लोहे की रॉड से कथित तौर पर हमला किया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि आरोपियों में से एक को शक था कि पीड़ित ने डीडीए अधिकारियों को उसके अवैध निर्माण की सूचना दी थी, जिसे बाद में ध्वस्त कर दिया गया था। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ है।

पुलिस को शुक्रवार अपराह्न 1.04 बजे अपोलो अस्पताल से हमले में घायल शख्स के भर्ती किये जाने की सूचना मिली। एक टीम अस्पताल पहुंची और प्रारंभिक जांच में पीड़ित की पहचान आली गांव निवासी रघुराज सिंह के रूप में हुई है। वह एमसीडी स्कूल में बहुउद्देशीय कर्मचारी के रूप में कार्यरत हैं। उनके दोनों पैरों में गंभीर चोटें थी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि घटना शुक्रवार दोपहर के आसपास हुई जब सिंह अपनी कार से स्कूल जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि जैसे ही वह मथुरा रोड पर आली एक्सटेंशन के पास पहुंचे बाइक सवार दो बदमाशों ने उनकी कार रोक ली। शीशा तोड़ दिया और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। मुख्य

आरोपी की पहचान आली गांव के ही मोहित उर्फ पोली के रूप में हुई है, जबकि उसके साथी की अभी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने कहा कि यह हमला संपत्ति को लेकर हुए आपसी विवाद का नतीजा लग रहा है।

डीसीपी दक्षिण-पूर्व जिला हेमंत तिवारी ने बताया कि करीब दो साल पहले मोहित ने आली एक्सटेंशन में एक भूखंड खरीदा था और उस पर निर्माण कार्य करवाया था। पिछले महीने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने उस इलाके में तोड़फोड़ अभियान चलाया था। उन्होंने कहा कि आरोपी को शक था कि रघुराज ने डीडीए में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

चांदनी चौक क्षेत्र में सीलिंग करना उचित नहीं : रेखा

उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव एवं निगमायुक्त को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्य सचिव एवं निगमायुक्त सर्वोच्च न्यायालय को बताएं कि 1962 के पहले दिल्ली मास्टर प्लान से ही चाँदनी चौक एक स्वीकृत व्यापारिक क्षेत्र है और दिल्ली मास्टर प्लान 2021 के अनुसार यह के अधिकांश बाजार एवं गलियां पूरी तरह कामर्शियल या मिक्स लैंड उपयोग पंजीकृत हैं अतः यहां सीलिंग करना उचित नहीं है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में चांदनी चौक की कुछ दुकानों की सीलिंग संबंधी मामले में मुख्य सचिव एवं निगमायुक्त को निर्देश दिए। प्रदेश भाजपा कार्यालय से मिली

जानकारी के अनुसार चांदनी चौक में हुई सीलिंग के मुद्दे को लेकर चांदनी चौक क्षेत्र से सांसद प्रवीन खंडेलवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री दिल्ली रेखा गुप्ता से शनिवार को मिला। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चांदनी चौक ही नहीं पूरी दिल्ली के व्यापारियों को आश्वस्त किया है कि ना सिर्फ दिल्ली नगर निगम बल्कि दिल्ली सरकार एवं केंद्र सरकार भी सर्वोच्च न्यायालय में व्यापारियों के हित में जरूरत पड़ने पर जायेगी।

निगम व दिल्ली सरकार भी कोर्ट में रखे व्यापारियों का पक्ष

सांसद खंडेलवाल एवं प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि चांदनी चौक एक पूर्ण व्यापारिक क्षेत्र है और एक व्यक्ति विशेष के कारण एक दुखद स्थिति बनी है जिसमें सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर कुछ दुकानों की सीलिंग हुई हैं। उन्होंने अनुरोध किया कि दिल्ली नगर निगम के साथ ही दिल्ली सरकार भी व्यापारियों का पक्ष रखे और न्यायालय को बताये कि यह एक मास्टर प्लान के अंतर्गत कानूनी व्यापारिक क्षेत्र है। प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली हिन्दुस्तानी मर्केंटाइल एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश सचदेवा, महासचिव श्रीभगवान बंसल, दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर, चांदनी चौक भाजपा अध्यक्ष अरविंद गर्ग, भाजपा नेता गोपाल गर्ग, व्यापारी नेता सुभाष गोयल एवं अभिषेक गणेरिवाल आदि शामिल थे।

सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की स्थायी सदस्यता के लिए 31 तक फीस जमा करने की अंतिम तिथि

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की स्थायी सदस्यता के नतीजे पहले ही जारी कर दिए गए थे। अभी तक जिन सफल आवेदकों ने अपनी फीस जमा नहीं कराई है वह अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 तक जमा करा दें। इस बारे में डीडीए ने बताया कि सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की स्थायी सदस्यता के सफल आवेदकों की सूची जारी कर दी गई थी। कोई भी आवेदक अथवा आम व्यक्ति इस सूची को डीडीए की अधिकृत वेबसाइट पर जाकर देख सकता है। डीडीए के अनुसार सफल आवेदकों को तय फीस की राशि 31 अक्टूबर 2025 तक जमा करानी अनिवार्य होगी। जबकि शेष सीटें प्रतीक्षा सूची में शामिल आवेदकों को उनको ईमेल के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

दिल्ली दिवस पर राजधानी को मिलेगा अपना आधिकारिक लोगो : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली राज्य (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली) को अपना अधिकारिक लोगो एक नवंबर दिल्ली दिवस पर मिलेगा। इस बात की जानकारी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को दी है। उन्होंने कहा कि पहली बार बनाया जा रहा दिल्ली सरकार का यह लोगो राजधानी की विशिष्ट पहचान को एक नए प्रतीक के रूप में स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री का कहना है कि यह लोगो दिल्ली के आधुनिक, पारदर्शी और जनकल्याणकारी शासन को दर्शाएगा। इस लोगो में दिल्ली की संस्कृति और विकास का सामंजस्य भी पारिभाषित होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि अभी तक दिल्ली का कोई आधिकारिक लोगो ही नहीं है। देश के अधिकतर राज्यों का अपना लोगो है, जो उस राज्य की पहचान है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी विनिता, पत्नी:** श्री हरि, **पता:** मकान नं. 166–ए–1, साई एन्क्लेव, BSES पोल नंबर NJF ZJ24 के पास, श्याम विहार, नजफगढ़, नई दिल्ली **CT Case No. 891/2019, U/s: 135 Indian Electricity Act, पुलिस थाना छावला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विनिता,** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विनिता,** फरार हो गयी है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **विनिता, CT Case No. 891/2019, U/s: 135 Indian Electricity Act, पुलिस थाना छावला, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.11.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री हरलीन सिंह
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश,
दक्षिण पश्चिम, कमरा नं. 609,
द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/14421/DW/2025
(Court Matter)

डीटीसी बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत

नई दिल्ली। दयालपुर में शनिवार सुबह डीटीसी मेट्रो फीडर बस की

टक्कर से 55 वर्षीय मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना सुबह करीब 10 बजे पुलिस को मिली। हादसा मुख्य बृजपुरी रोड पर हुआ। पुलिस मौके पर पहुंची तो मुस्तफाबाद निवासी असगर अली को मृत पाया। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेज दिया गया है। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का दौरा किया। पुलिस के अनुसार फीडर बस के चालक को गिरफ्तार करने के बाद बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

16 मशीनों को दिया जा चुका है ऑर्डर : सीएम

अत्याधुनिक मिनी रीसाइक्लर मशीनों से होगी अब सीवरों की सफाई : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में सीवर लाइनों की सफाई का कार्य अब अत्याधुनिक मिनी रिसाइक्लर मशीनों से भी किया जाएगा। ये नई मिनी रिसाइक्लर मशीनें संकरी सड़कों और गलियों में भी आसानी से प्रवेश कर सकेंगी और सीवर लाइनों से गाद निकालने के अलावा उसकी सफाई भी कर सकेगी।

इस बात की जानकारी दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा स्थित वैशाली में अत्याधुनिक मिनी रिसाइक्लर मशीन का लोकार्पण करने के दौरान कही। इस दौरान उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने

राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के लिए फिलहाल 16 नई स्मॉल रीसाइक्लर मशीनें मंगाई हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि उनकी सरकार पर्यावरण संरक्षण और शहरी बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बताया कि ये अत्याधुनिक पोर्टेबल मशीनें सीवर लाइनों की सफाई, गाद निष्कासन, जेटिंग और सक्शन जैसी आधुनिक तकनीकों से लैस है। इस मशीन के उपयोग से सीवर सफाई कार्य अब अधिक प्रभावी, स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की 16 मशीनों को ऑर्डर दिया जा चुका है। जरूरत के हिसाब से और मशीनों भी खरीदी जाएंगी। ये मशीनें विशेष रूप से सर्दियों के मौसम में बढ़ने वाली सीवर ब्लॉकेज समस्याओं के त्वरित समाधान में बेहद उपयोगी साबित होंगी। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद, जनप्रतिनिधि, दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

सीएम ने सीवर लाइन और रोड निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैशाली क्षेत्र की जनता लंबे समय से सड़कों, नालों और सीवर से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रही थी, जिनका अब स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज क्षेत्र में दो करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सीवर लाइन और वॉल-टू-वॉल आरएमसी रोड निर्माण कार्य का शुभारंभ भी किया गया है। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद क्षेत्रवासियों को जलभराव, सीवर जाम और टूटी सड़कों जैसी समस्याओं से स्थायी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि दिल्ली सरकार ने हाल ही में बिजली रखरखाव (मेंटेनेंस) के लिए भी एक अत्याधुनिक मशीन खरीदी है, जो बिना बिजली काटे और लाइन बाधित किए चलती लाइन पर ही मरम्मत कार्य करने में सक्षम है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.PC. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शब्बीर उर्फ राजू,** उम्र 37 वर्ष, पुत्र नाथू, निवासी मकान संख्या ए-1/10, गली नंबर 04, राजीव नगर, भलस्वा डेयरी, दिल्ली, स्थायी पता: ग्राम बबराला, बदायूं, उत्तर प्रदेश ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 167/2019 धारा 25/54/59 शस्त्र अधिनियम थाना वजीराबाद, उत्तर जिला, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **शब्बीर उर्फ राजू** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **शब्बीर उर्फ राजू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.PC. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 167/2019 धारा 25/54/59 शस्त्र अधिनियम थाना वजीराबाद, उत्तर जिला, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **शब्बीर उर्फ राजू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **11.12.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: सुश्री भारती बेनीवाल,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-12 (केन्द्रीय),
कमरा नं. 264, द्वितीय तल,
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली।

DP/14353/N/2025

प्रवेश ने अपने सरकारी आवास में बनाया छठ घाट, श्रद्धालुओं को किया आमंत्रित

सजने लगे घाट, व्रतधारियों ने नहाय खाय के साथ शुरू किया छठ पूजा उत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

छठ पर्व पर घाट सजने लगे है और चहल पहल बढ़ गई है। चार दिवसीय छठ पर्व की शुरुआत शनिवार को नहाय खाय के साथ हुई। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब वर्मा ने अपने सरकारी आवास में ही छठ घाट का निर्माण किया है। प्रवेश ने अपने सरकारी निवास 20 विंडसर प्लेस, जनपथ रोड के लॉन को खोदकर छठ घाट बनाया है। उन्होंने कहा कि मेरे आवास के आस पास रहने वाले श्रद्धालुओं का स्वागत है। उनकी सुविधा के लिए बनाए गए छठ घाट पर सभी सुविधाएं मौजूद है, उन्हें यहां कोई दिक्कत नहीं होगी।

करीब 36 घंटे के निर्जला उपवास की शुरूआत नहाए खाए से ही होती है। इसलिए पहले दिन शनिवार को व्रतधारियों ने नहाए खाए के अवसर पर सुबह के समय पवित्र गंगा जल या यमुना नदी के पानी से स्नान आदि कर तैयारियां शुरू कर दी। नहाय खाय के दिन व्रती केवल शुद्ध और सात्विक भोजन करते हैं। जिसमें विशेष रूप से भोजन में कद्दू, लौकी की सब्जी, चने की दाल और चावल को शामिल किया। जबकि नमक के स्थान पर सेंधा नमक का इस्तेमाल किया गया। जबकि नहाय-खाय वाले दिन खाने में प्याज और लहसुन का प्रयोग वर्जित रहा। डूबते व उगते सूर्य की आराधना से जुड़े इस पर्व में भक्ति की शक्ति देखने को मिलती है। रविवार को दूसरे दिन खरना होगा।

बढ़ने लगी चहल पहल, साज सज्जा का कार्य अंतिम चरण में

दिल्ली के बड़े घाटों में शामिल आईटीओ घाट, भलस्वा झील घाट, बुराड़ी घाट, जगतपुर घाट, बदरपुर, द्वारका, पोचनपुर, नजफगढ़, नरेला, द्वारका, रोहिणी आदि जगहों पर बन घाटों पर रौनक शुरू हो गई है। साज सज्जा के कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुके है। घाट तक पहुंच मार्ग व पंडालों के अदर बाहर रंग बिंरगी रोशनी, विभिन्न छोटे बड़े नेताओं के शुभकामनाओं वाले पोस्टर होंडिंग टंग चुके है। सरकारी तैयारियों के साथ साथ कुछ ऐसे भी आयोजन है जिन्हें समाज खुद कर रहा है। जबकि डीडीए, दिल्ली सरकार, नगर निगम सहित अन्य सरकारी निकाय कई दिनो से तैयारियों में जुटे थे। दिल्ली सरकार का दावा है कि राजधानी में करीब 1300 घाटों पर छठ पर्व का आयोजन किया जा रहा है।

'रेखा सरकार ने बंद घाट को फिर किया शुरू'

नई दिल्ली। दिल्ली में केजरीवाल सरकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्वों में बाधा डालती थी लेकिन भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार जन जन के पर्वों को उत्सव उत्साह दे रही है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को दिल्ली की पूर्व केजरीवाल सरकार पर निशाना साधते हुए और भाजपा सरकार को लेकर यह बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि पूर्वी दिल्ली के अनेक पूर्वांचल वासी बिहार जागरण मंच के संरक्षक एवं एनडीएमसी सदस्य दिनेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में मुझसे मिले और जानकारी दी गई कि 2020 में अरविंद केजरीवाल सरकार ने यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन से पंटून पुल से नीचे जा कर छठ पूजा घाट को बंद करवाया दिया था। संज्ञान में जानकारी आने के बाद उसे फिर से शुरू करवा दिया गया है। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष सचदेवा सहित विधायक अभय वर्मा, पार्षद संदीप कपूर, बिहार जागरण मंच के सदस्यों ने घाट स्वच्छता श्रमदान किया। वहीं, दिनेश प्रताप सिंह ने कहा है कि दिल्ली भाजपा अध्यक्ष एवं दिल्ली सरकार द्वारा यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन के पास यह छठ घाट पुनः चालू करवाने पर पूर्वी दिल्ली के इस क्षेत्र में बसा पूर्वांचल समाज एवं बिहार जागरण मंच उनके आभारी हैं।

यमुना में फिकल कोलीफॉर्म के स्तर में 90 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज : प्रवेश

नई दिल्ली। सिर्फ सात महीनों में यमुना में फिकल कोलीफॉर्म के स्तर में 90 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। इस बात की जानकारी शनिवार को दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने प्रैसवार्ता में दी है। प्रैसवार्ता में जल मंत्री प्रवेश ने कहा कि दिल्ली सरकार के एकीकृत प्रयासों से यमुना की सफाई में ठोस और मापने योग्य परिणाम सामने आने लगे हैं। सिर्फ सात महीनों में यमुना में फिकल कोलीफॉर्म (मानव मल प्रदूषण) के स्तर में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है, जो हाल के वर्षों में नदी के प्रदूषण में सबसे तेज सुधार है। उन्होंने कहा कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की तुलना में 2025 में यमुना के फिकल कोलीफॉर्म स्तर में 90 प्रतिशत तक की कमी आई है। इनमें से चार स्थान अब अनुमेय सीमा (2,500 एमपीएन/100 एमएल) के भीतर या उसके बेहद करीब पहुंच चुके हैं। इतने कम समय में यह उपलब्धि पहले कभी हासिल नहीं की गई थी। मंत्री साहिब सिंह ने कहा पिछली सरकार ने 10 साल तक सिर्फ घोषणाएं कीं, हमने 7 महीनों में नतीजे दिए हैं। तीन साल में यमुना को स्वच्छ बनाने का जो संकल्प लिया था, उसमें आज चार स्थान ऐसे हैं जहां पानी की गुणवत्ता अनुमेय सीमा तक पहुंच चुकी है।

सामुदायिक सद्भाव का भी प्रतीक है छठ महापर्व : महापौर

नई दिल्ली। 'छठ महापर्व केवल धार्मिक आस्था का नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विविधता, सामाजिक एकता और सामुदायिक सद्भाव का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में इस वर्ष छठ पर्व के आयोजन के लिए अभूतपूर्व तैयारियाँ की जा रही हैं।' दिल्ली के महापौर सरदार राजा इक़बाल सिंह ने शनिवार को शालीमार बाग़, प्रेम बाड़ी पुल, हैदरपुर और पीतमपुरा क्षेत्रों के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण के दौरान यह संबोधन दिया। उन्होंने बताया कि सभी पार्षद अपने-अपने वार्डों में छठ घाटों की तैयारियों का स्वयं निरीक्षण कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण मिले। निरीक्षण के दौरान निगम की शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा, क्षेत्रीय उपायुक्त संदीप कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बिना पंजीकृत निर्माण स्थलों पर लगेगा एक से पांच लाख तक का जुर्माना : सिरसा

पर्यावरण मंत्री ने गैर पंजीकृत निर्माण स्थलों को नोटिस जारी कर तत्काल काम रोकने और पंजीकरण कराने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में बिना पंजीकृत निर्माण स्थलों पर दिल्ल सरकार ने कड़ी कार्रवाई करते हुए उन पर 1 से 5 लाख तक का जुर्माना लगाने को निर्णय लिया है। इस बात की जानकारी दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को एक समीक्षा बैठक के बाद दी है। इस बैठक में मंत्री सिरसा ने गैर पंजीकृत निर्माण स्थालों को नोटिस जारी कर तत्काल काम रोकने और पंजीकरण कराने के निर्देश विभाग को दिए हैं।

गौरतलब है कि प्रदूषण को लेकर शनिवार को पर्यावरण मंत्री सिरसा ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के कार्यालय का दौरा कर वरिष्ठ अधिकारियों, फील्ड अफसरों और इंजीनियर्स के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें निर्माण गतिविधियों से उत्पन्न धूल प्रदूषण की निगरानी और कार्रवाई की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान सिरसा ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमने जमीनी स्तर पर एक व्यापक अभियान शुरू किया है। बिना पंजीकरण के चल रही निर्माण गतिविधियों की सघन मॉनिटरिंग की जा रही है। सभी परियोजनाओं को डीपीसीसी के 'डस्ट पोर्टल' पर पंजीकृत करना अनिवार्य है। वहीं सिरसा ने कार्यालय से संबंधित कामों और फाइलों का ब्यौरा लिया तथा कुछ तकनीकी खामियों पर तुरंत सुधार के निर्देश दिए। साथ ही डस्ट पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को और सरल बनाने के भी निर्देश दिए। सभी विभागों को फील्ड स्तर पर काम में तेजी लाने, कचरा प्रबंधन मजबूत करने और प्रदूषण फैलाने वालों पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

दुष्कर्म के मामले में आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। नाबालिक लड़की के साथ दुष्कर्म के मामले में थाना एनआईटी की टीम ने आरोपी राज को गिरफ्तार किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 25 अक्टूबर को थाना एनआईटी में दी अपनी शिकायत में 15 वर्षीय नाबालिक लड़की ने बताया कि उसकी राज नाम के व्यक्ति से उसकी जानकारी थी वह व्यक्ति उसे शादी करने का झांसा देकर एक होटल में ले और उसके साथ गलत काम किया।

335 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी पकड़ाया

फरीदाबाद। क्राईम ब्रांच बॉर्डर की टीम ने कार्रवाही करते हुए 335 ग्राम गांजा सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 18 अक्टूबर को अपराध शाखा बॉर्डर की टीम ने अपने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर कार्रवाही करते हुए सचिन निवासी सेक्टर 56 फरीदाबाद को 335 ग्राम गांजा सहित काबू किया है। जिसके विरुद्ध थाना सेक्टर-58 फरीदाबाद में एनडीपीएस की धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया।

सौतेले पिता ने बेटे की हत्या की, गिरफ्तार

फरीदाबाद। सौतेले बाप द्वारा बेटे का अपहरण कर हत्या करने के मामले में पुलिस चौकी अग्रसेन चौक ने हत्यारोपी बाप को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बल्लभगढ वासी एक महिला ने पुलिस चौकी अग्रसैन चौक में दी अपनी शिकायत में बताया कि करीब एक साल पहले उसने प्रशांत नाम के व्यक्ति से दूसरी शादी की थी तथा पहली शादी से उसे एक लडका है जिसकी उम्र तीन साल है। 19 अक्टूबर को पति प्रशांत उसके लडके को लेकर कहीं चला गया। जिस शिकायत पर थाना शहर बल्लभगढ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

न्यू दिल्ली मैराथन का टाइटल स्पॉन्सर होगा कॉग्निज़ेंट

एशिया की प्रमुख लंबी दूरी की दौड़ों में से एक है यह मैराथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

खास बातें
- मैराथन का आयोजन 22 फरवरी 2026 को किया जाएगा
- न्यू दिल्ली मैराथन भारत की प्रमाणित राष्ट्रीय मैराथन
- प्रेरणा और ऊर्जा के साथ-साथ समाज के कल्याण में उनके सकारात्मक योगदान का प्रतीक

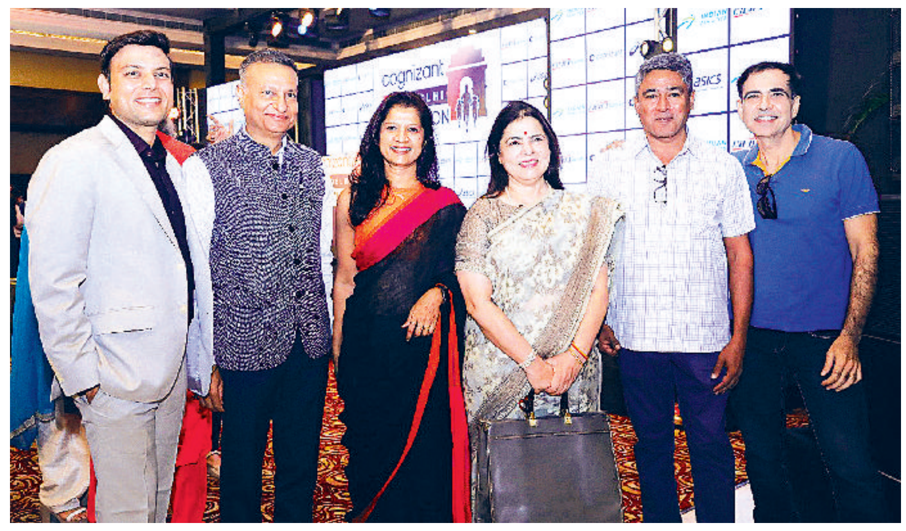

कॉग्निज़ेंट आगामी न्यू दिल्ली मैराथन के संस्करण का मुख्य प्रायोजक (टाइटल स्पॉन्सर) होगा। यह मैराथन भारत की प्रमुख एआईएमएस -प्रमाणित राष्ट्रीय मैराथन है और एशिया की सबसे भरोसेमंद लंबी दूरी की दौड़ों में से एक मानी जाती है। मैराथन का आयोजन 22 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

यह घोषणा राजेश वरियर, अध्यक्ष ग्लोबल ऑपरेशंस एवं चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, कॉग्निज़ेंट इंडिया और नगराज अडिगा, चेयरमैन और प्रबंध निदेशक एनईबी स्पोर्टस ने पत्रकारों के समक्ष की। इस अवसर पर सुश्री मीनाक्षी लेखी, पूर्व राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय), भी मौजूद रही।

राजेश वरियर ने कहा कि हमें यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि वर्ष 2026 से हम न्यू दिल्ली मैराथन के टाइटल स्पॉन्सर होंगे। कॉग्निजेंट ऐसे विविध और समावेशी खेलों का समर्थन करता है जो हमारे कर्मचारियों, ग्राहकों और जिन समुदायों की हम सेवा करते हैं, उनसे गहरे जुड़े हुए हैं। मैराथन सीमाओं और संस्कृतियों से ऊपर उठकर अटूट मानवीय भावना का जश्न मनाती है। वैश्विक स्तर पर, कॉग्निजेंट की खेल प्रायोजन पहल में गोल्फ, रेसिंग और क्रिकेट शामिल हैं, जो खेलों से मिलने वाली प्रेरणा और ऊर्जा के साथ-साथ समाज के कल्याण में उनके सकारात्मक योगदान का प्रतीक हैं। यह आयोजन नागरिकों, खिलाड़ियों और संस्थानों को एकजुट कर फिटनेस और सामुदायिक भावना के साझा उत्सव का माध्यम बन गया है।

इस मैराथन ने हर संस्करण में भारत और विदेशों से 30,000 से अधिक धावकों को आकर्षित किया है, जिनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट, कॉर्पोरेट टीमों, रनिंग ग्रुप्स और रक्षा बलों के कर्मी शामिल रहे हैं। वहीं नागराज अडिगा ने कहा कि कॉग्निज़ेंट न्यू दिल्ली मैराथन के टाइटल स्पॉन्सर के रूप में हमारे साथ जुड़ रहा है। उनका यह सहयोग इस आयोजन को और भी मजबूती और विश्वसनीयता प्रदान करता है, जबकि हम फिटनेस और सामाजिक जिम्मेदारी की संस्कृति को प्रोत्साहित करना जारी रखते हैं। हम मिलकर धावकों और व्यापक समुदाय के लिए एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

न्यू दिल्ली मैराथन भारत की प्रमाणित राष्ट्रीय मैराथन है, जिसे एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त है। अब तक इसके 10 सफल संस्करण आयोजित हो चुके हैं। यह मैराथन भारत के सबसे सम्मानित और प्रतीक्षित दौड़ आयोजनों में से एक है, जो फिटनेस, एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना का प्रतीक है।

भाजपा जिला फरीदाबाद की संगठनात्मक बैठक संपन्न

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर रन फॉर यूनिटी और युवाओं के लिए विशेष प्रतियोगिताओं एवं पदयात्रा का होगा आयोजन

पंकज रामपाल ने संगठन को मजबूत करने के दिए निर्देश

जिले के सभी 877 बूथों पर सुनी जाएगी मन की बात, प्रसारण सुबह 11 बजे से होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारतीय जनता पार्टी जिला फरीदाबाद द्वारा जिला कार्यालय अटल कमल पर जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल की अध्यक्षता में आयोजित महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों, जनसंपर्क अभियान और संगठन विस्तार को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सेवा, संगठन और समर्पण की पार्टी है कार्यकर्ता संगठन को और अधिक मजबूत और सक्रिय बनाने के लिए पूरी निष्ठा और मेहनत से कार्य करें। उन्होंने मंडल अध्यक्षों को जनसंपर्क और जन संवाद के माध्यम से संगठन विस्तार को गति देने और केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन.जन तक पहुंचाने के दिशा निर्देश दिए। रामपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्र-निर्माण सोच को घर-घर तक पहुंचाना हमारा संकल्प है। इसी क्रम में इस महीने के अंतिम रविवार 26 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे प्रसारित होने वाली मन की बात को जिले के सभी 877 बूथों पर सामूहिक रूप से सुना जाएगा।

रामपाल ने आगे कहा कि 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती पर रन फॉर यूनिटी का भव्य आयोजन किया जाएगा। भाजपा कार्यकर्ता आमजन को भी इसमें सहभागी बनने के लिए प्रेरित करेंगे। युवाओं की सहभागिता को मजबूत करते हुए 19 से 28 वर्ष के युवाओं के लिए विशेष युवा पदयात्रा एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। जिसका पंजीकरण पोर्टल के माध्यम से किया जायेगा।

यह सभी कार्यक्रम एवं पदयात्रा राष्ट्रभक्ति, सेवा और संगठन के मूल्यों को युवा पीढ़ी में स्थापित करने का माध्यम बनेंगे। बैठक में आत्मनिर्भर भारत संकल्प पत्र अभियान पर भी विस्तृत चर्चा हुई और विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए आत्मनिर्भर भारत संकल्प पत्र जन मानस से भरवाए जाएंगे। जिला अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि प्रत्येक कार्यकर्ता हर घर स्वदेशी अभियान को जन-जन तक पहुंचाए व घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों पर हर घर स्वदेशी एवं गर्व से कहो स्वदेशी के स्टिकर लगाए जाएंगे और लोगों को स्वदेशी उत्पादों का उपयोग बढ़ाने हेतु प्रेरित किया जाएगा। इस बैठक में जिला महामंत्री चौधरी प्रवीण गर्ग, जिला उपाध्यक्ष हरेन्द्र भडाना, पंकज सिंगला, सीमा भारद्वाज, भारती भाकुनी, मुकेश शर्मा, जिला सचिव तरनजीत सिंह भाटिया, गिर्राज त्यागी, मनीष छोंकर, अनुराधा डिगवाल, पुनीता झा, सुनील कुमार, जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, कार्यालय सचिव राज मदान, जिला प्रवक्ता आभास अग्रवाल, अरुणिमा सिंह, शिवम रत्न, मंडलों के अध्यक्ष एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेज बहाव या गहरी जगहों पर न जाएं

छठ महापर्व के लिए सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन को लेकर परामर्श

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

आगामी छठ महापर्व के अवसर पर जनसुरक्षा, श्रद्धालुओं की सुविधा एवं दुर्घटनारहित आयोजन सुनिश्चित करने के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गाजियाबाद एडवाइजरी कर दी है। यह एडवाइजरीअपर जिलाधिकारी प्रशासन वित्त एवम जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जारी की गई है। केवल निर्धारित एवं सुरक्षित घाटों पर ही पूजा करें। घाटों पर उतरते समय फिसलन व पानी की गहराई का ध्यान रखें। अपने परिवार, बच्चों एवं बुजुर्गों को अकेला न छोड़ें। पुलिस, गोताखोर, स्वयंसेवक दल व प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत 112 या स्थानीय नियंत्रण कक्ष को सूचित करें।

क्या न करें: नशे की हालत या थकान में पानी में न उतरें। अंधेरे या अनधिकृत घाटों पर पूजा न करें। धक्का-मुक्की, सेल्फी या शोरगुल से बचें। तेज़ बहाव या गहरी जगहों पर न जाएँ। क्या करें: घाटों पर प्रवेश एवं निकास मार्ग अलग-अलग रखें। पुलिस, होमगार्ड एवं स्वयंसेवक दल द्वारा निरंतर निगरानी की जाए। घाटों पर पर्याप्त प्रकाश, बैरिकेडिंग एवं रस्सी की व्यवस्था रहे। एम्बुलेंस, चिकित्सा दल व फायर सर्विस तत्पर रहें। लाउडस्पीकर से जनसंदेश व दिशा-निर्देश लगातार प्रसारित किए जाएँ। क्या न करें: एक समय में अत्यधिक भीड़ को घाट पर एकत्र न होने दें। आतिशबाज़ी, अस्थायी स्टॉल या बाधा उत्पन्न करने वाले आयोजन की अनुमति न दें।

स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य : बी आर भाटिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सी.दास फाउंडेशन और फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से संचालित स्वच्छ एवं हरित फरीदाबाद अभियान के तहत शनिवार को सोहना मोड़ सेक्टर-55 टी-पॉइंट से लेकर सेक्टर-23 मोड़ तक सड़क के बीच बने डिवाइडर पर सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान डिवाइडर पर फैली गंदगी व झाड़ियों को हटा कर वहां लगे पेड़ पौधों की निराई-गुड़ाई की गई। अभियान के दौरान ग्रीन बेल्ट से काफी मात्रा में कचरा निकाला गया। टीम के सदस्यों ने पौधों की सेहत को बेहतर रखने के लिए उनमें खाद और पानी भी डाला। सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा न फैलाने के लिए जागरूक किया गया। सी दास ग्रुप के चेयरमैन बी.आर. भाटिया के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान को गति दे रही टीम ने इसी प्रकार साप्ताहिक स्तर पर क्षेत्र में सफाई व पौधरोपण की गतिविधियों को जारी रखने का संकल्प लिया।

शिवकुमार मर्डर मामले में पुलिस का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

जुआ हारने पर दोस्तों को दी थी गाली इसलिए बेल्ट से हमला कर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

शिवकुमार की हत्या उसी के दोस्तों ने सिर्फ इस लिए बेल्टों से पीटकर कर दी थी, चूंकि उसने जुआ हारने पर दोस्तों को ही गालियां दी थी। पुलिस ने शनिवार को मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि अमरोहा निवासी शिवकुमार की पिछले दिनों बेल्ट से हमला कर हत्या कर दी गई थी। उसके भाई चेतराम ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए घटना के अनावरण हेतु टीमों का गठन किया गया। सभी टीमों के अथक प्रयास, लोकल इनपुट, सीसीटीवी कैमरे व मुखबिर की सूचना के आधार पर आज को नेहरुनगर फ्लाईओवर के नीचे चौकी क्षेत्र कविनगर से देशपाल पनिवासी ग्राम पोरारा की मढ़ैया थाना रेहरा जिला अमरोहाव धर्मवीर उर्फ धर्मी निवासी ग्राम रायपुर खादर थाना चाँदपुर जिला बिजनौर

, को गिरफ्तार किया गया। आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार देशपाल ने पुलिस पूछताछ में बताया कि हम दोनो व शिव कुमार पुत्र चेतराम निवासी ग्राम बुरावली थाना रेहरा जिला अमरोहा साथ में मजदूरी करते थे तथा मजदूरी करने के बाद रात को नासिरपुर फाटक के पास ही जगह देखकर सो जाते थे।

जहा पर अन्य काफी मजदूर भी रात को सोते है दिनांक 13अक्टूबर को मजदूरी करने के बाद हम दोनो व शिव कुमार नें शाम के पांच- छः बजे मजदूरी से आने के बाद, सात आठ बजे नासिरपुर फाटक से शनि मंदिर कविनगर की तरफ जाने वाली सड़क किनारे खोखे के पास बैठकर पहले शराब पी तथा फिर हम तीनो जुआ खेलने लगे । जुए में शिव कुमार तीन सौ रुपए हार गया था। जिस पर शिव कुमार ने हम लोगो को बहन की गाली दे दी यह बात हम दोनो को चुभ गई मैने अपनी पैंट की बेल्ट निकालकर शिव कुमार को बुरी तरह से पीटना शुरु कर दिया तथा धर्मवीर ने वहीं पास में पड़ा डंडा उठाकर शिव कुमार को पीटना शुरु कर दिया।

जब शिव कुमार ने हिलना डुलना बंद कर दिया तो हम भी शराब के नशे में वही सो गए। जब हम दोनो की आंख खुली तथा शिव कुमार को देखा तो शिव कुमार की गर्दन लटकी थी तथा शिव कुमार मर चुका था ।जिसके बाद हम दोनो वहां से भाग गये तथा उस दिन से अलग अलग जगह बदलकर रह रहे थे । जिस बेल्ट व डंडे से हम दोनो ने शिव कुमार की हत्या की थी वह बेल्ट व डंडा हमने खोखे के पीछे ही फेंक दिये थे।

क्राईम ब्रांच सेक्टर 56 की कार्रवाई

गोकशी मामले में 2 और आरोपी अरेस्ट, दो पहले काबू किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

गोकशी के मामले में क्राईम ब्रांच सेक्टर-56 की टीम ने दो और आरोपियों को काबू किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही जेल भेज चुके है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 8 सितंबर को क्राईम ब्रांच सेक्टर 56 की टीम को अगस्त के दौरान गुप्त सूत्रों से सूचना मिली कि कुछ लोगों द्वारा गांव बिजोपुर के खेतो में गोकसी की जा रही है। जिस पर तुरंत कार्रवाही करते हुए पुलिस टीम ने मौका से आरोपी साजिद निवासी जखोपुर फरीदाबाद को गिरफ्तार किया था व अन्य तीन पुलिस को देख वहां से भाग गये थे।

जिनके खिलाफ थाना सेक्टर-58 में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। साजिद बताया था कि वह साबिर, मुस्तकीम व आसिफ के साथ मिलकर गांव बिजोपुर के खेतो में गोकशी कर रहे थे। मामले में कार्रवाई करते हुए क्राईम ब्रांच सेक्टर 56 की टीम ने साबिर व मुस्तकीम निवासी गांव जखोपुर फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है।

क्राईम ब्रांच सेक्टर 56 की टीम ने मामले में आगे कार्रवाही करते हुए साबिर व मुस्तकीम को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी भाई हैं तथा मीट बेचने का काम करते हैं।

चाकू मारकर युवक की हत्या के मामले में 24 घंटे के अंदर मुख्य आरोपी सहित 4 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

बड़खल मेट्रो स्टेशन के पास चाकू मारकर युवक की हत्या करने के मामले में 4 आरोपियों को अपराध शाखा सेंट्रल की टीम ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 24 अक्टूबर की सुबह पुलिस चौकी सेक्टर 19 में सूचना प्राप्त हुई थी कि बड़खल मेट्रो स्टेशन के पास एक व्यक्ति का शव मिला है।

मौका पर पुलिस टीम पहुंची, मृतक की पहचान करी मुल्लावास कोसी कलां उत्तर प्रदेश वासी मारूफ उम्र 27 वर्ष के रूप में हुई। मामले के संबंध में मृतक के भाई

समीर ने अपनी शिकायत में बताया कि मारूफ 23 अक्टूबर को दिन के समय घर से निकला था, उसके भाई की किसी ने तेजधार हथियार से चोट मार कर हत्या कर दी है।

जिस शिकायत पर थाना ओल्ड फरीदाबाद में हत्या से संबंधित धारा में मामला दर्ज किया गया।

उन्होंने आगे बताया कि मामले की गंभीरता के मद्देनजर अनुसंधान अपराध शाखा सेंट्रल को सौंपा गया। जिस पर अपराध शाखा सेंट्रल की टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए 24 घंटे के अंदर-अंदर 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें नितिन नेगी निवासी गोर सीउर उत्तराखंड हाल भूपानी, वंश उर्फ वंशु निवासी मेन मार्केट ओल्ड फरीदाबाद, करण सरकार निवासी मोहन नगर पलवल हाल भूड कॉलोनी फरीदाबाद तथा मनीष निवासी मोदी नगर रेलवे स्टेशन गाजियाबाद हाल बस्ती ओल्ड फरीदाबाद का नाम शामिल है। पूछताछ में सामने आया कि मुख्य आरोपी नितिन नेगी की एक महिला के साथ दोस्ती थी, उस महिला को मृतक मारूफ भी जानता था।

9 नवंबर को कुरुक्षेत्र में होगी कर्मचारियों की रैली

महापुकार रैली में भाग लेगें हजारों कर्मचारी: नरेश कुमार शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सफाई के काम में ठेकेदारी प्रथा को समाप्त करने, सभी पार्ट टाइम, दैनिक वेतन भोगी, पालिका रोल व ठेकाप्रथा में लगे सभी सफाई व सीवर कर्मचारियो की नौकरी पक्का करवाने एवं शोषण, छंटनी और पक्की भर्ती करने की मांग को लेकर अब प्रदेश के सभी सरकारी, अर्ध सरकारी, निगम, बोर्ड, कॉरपोरेशन, यूनिवर्सिटी, श्राइन बोर्ड, पंचायत तथा पालिका, परिषदों, नगर निगमो के सीवर व सफाई कर्मचारी एकतावाद होने शुरू हो गए हैं। ऑल सफाई कामगार संघर्ष समिति हरियाणा के बैनर तले 9 नवंबर को होने वाली सफाई कर्मचारियों की महापुकार रैली को सफल बनाने के लिए प्रदेश भर में दर्जनों सफाई कर्मचारी नेताओं की 4 टीमें सभी जिलों के कर्मचारियों में जनसंपर्क अभियान चलाकर कुरुक्षेत्र में होने वाली 9 नवंबर की महा पुकार रैली का निमंत्रण दे रही हैं। हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री तथा ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के सेक्टर 12 स्थित हुडा कार्यालय सहित अन्य विभागों में दर्जनों सभाएं आयोजित कर रैली को सफल बनाने की अपील की।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 Cr.P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया है अभियुक्त नाम: **उमेश कुमार, पुत्र: इजाजुल हक, निवासी: मकान नं. 326, लाल कुआँ, अजमेरी गेट, मोहल्ला नाहिरियान, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No.279/2010 U/S 392/411/34 & 174A IPC** के तहत एक मामला **थाना दरियागंज, मध्य जिला, नई दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **उमेश कुमार** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **उमेश कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा कि **FIR No.279/2010 U/S 392/411/34 & 174A IPC, थाना दरियागंज, मध्य जिला, नई दिल्ली** के अभियुक्त **उमेश कुमार** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **09.12.2025** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, डॉ. राज कुमार सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05,
कमरा नं.–241, मध्य जिला,
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/14312/CD/2025
(अदालती मामला)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी **वाजी अहमद, पुत्र:** चमन खान, **पता:** मकान नं. सी–274 / 275, स्ट्रीट नंबर 05, चौहान बांगर, **दिल्ली FIR No. 277/2019, U/s 186/353 IPC & 135E.Act, पुलिस थाना: जाफराबाद, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **वाजी अहमद,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **वाजी अहमद,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **वाजी अहमद, FIR No. 277/2019, U/s 186/353 IPC & 135E.Act, पुलिस थाना: जाफराबाद, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.12.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री आयुशी सक्सेना
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
कमरा नं. 07, द्वितीय तल शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/14134/NE/2025
(Court Matter)

खबर संक्षेप

मप्र से झारखंड लाए जाएंगे जंगली बाइसन

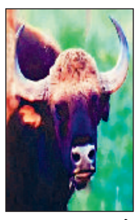

पलामू। झारखंड के पलामू टाइगर रिजर्व में 50 बाइसन मध्य प्रदेश से लाए जाएंगे। अधिकतर बाइसन मादा प्रजाति की होगी। पलामू टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने पूरे मामले में भारत सरकार से अनुमति मांगी है। पूरे झारखंड में सिर्फ पलामू टाइगर रिजर्व के बेतला नेशनल पार्क के बेतला और छिपादोहर के इलाके में बाइसन की मौजूदगी है। जनवरी महीने तक पलामू टाइगर रिजर्व के इलाके में बाइसन लाने की योजना है। मौजूद बाइसन को लेकर एक सर्वे किया गया था।

यूपी में 17 हजार पदों पर होंगी बंपर भर्तियां

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं के लिए बड़ी खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग यूपीएसएसएससी और उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड यूपीपीबीपीबी ने 8 से अधिक भर्तियों के लिए लिखित और टाइपिंग परीक्षाओं का डिटेल्ड शेड्यूल जारी कर दिया है। यह परीक्षाएं नवंबर 2025 से लेकर फरवरी 2026 तक आयोजित की जाएंगी।

चुनाव में लगे सुरक्षाबलों की बस पर हमला

पटना। बिहार के बेगूसराय में शुक्रवार देर शाम भीठ पुल के पास पुलिस टीम पर हमला हुआ, जिसमें पांच पुलिसकर्मी घायल हुए। पुलिस अवैध शराब कारोबारियों पर छापेमारी कर रही थी। इस हमले में करीब पांच पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। घटना उस समय हुई जब पुलिस ने शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गुप्त सूचना के आधार पर अवैध देसी शराब बनाने वालों पर छापेमारी की। पुलिस ने छापेमारी में दो लोगों को शराब बनाते हुए पकड़ा। जब पुलिस उन्हें लेकर लौट रही थी, तो उपद्रवियों ने पुलिस गाड़ी पर पथराव कर दिया।

पीएम मोदी भी रहेंगे उपस्थित

अयोध्या में 42 फीट ऊंचे खंभे पर लहराएगा 22 फीट लंबा केसरिया ध्वज

25 नवंबर को रामलला के मंदिर पर ध्वज स्थापना

योगी ने पीएम मोदी से भेंट कर उन्हें आमंत्रण दिया

ध्वज स्थापना के साथ ही राम मंदिर पूर्णता का प्रतीक होगा

प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या एक बार फिर भक्ति और भव्यता से जगमगाने जा रही है। जहां जनवरी में प्राण प्रतिष्ठा ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था, वहीं अब राम मंदिर में एक और ऐतिहासिक क्षण आने वाला है

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या एक बार फिर भक्ति और भव्यता से जगमगाने जा रही है। जहां जनवरी में प्राण प्रतिष्ठा ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था, वहीं अब राम मंदिर में एक और ऐतिहासिक क्षण आने वाला है।

25 नवंबर को रामलला के मंदिर पर ध्वज स्थापना समारोह होगा, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात कर उन्हें औपचारिक रूप से आमंत्रण दिया। यह ध्वजारोहण केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि 'राम मंदिर की पूर्णता का प्रतीक' माना जा रहा है।

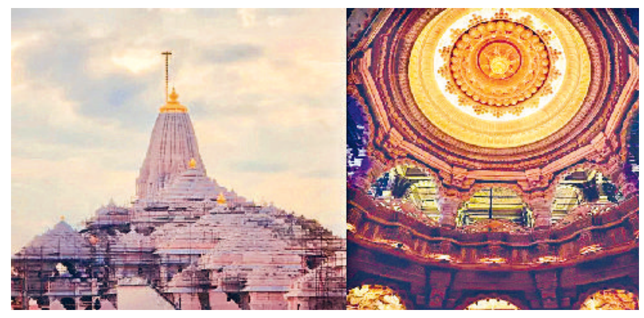

पांच दिन चलेगा धार्मिक अनुष्ठान

राम मंदिर के 161 फुट ऊंचे शिखर पर भगवा ध्वज फहराने से पहले 5 दिन तक विशेष पूजन और वैदिक अनुष्ठान होंगे। भगवा (केसरिया) रंग के इस ध्वज की लंबाई 22 फीट और चौड़ाई 11 फीट होगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने बताया कि यह ध्वज वाल्मीकि रामायण में वर्णित सूर्य, ओम और कोविदार वृक्ष के प्रतीकों से सुसज्जित होगा। यह पवित्र ध्वज 42 फुट ऊंचे खंभे पर लहराएगा, जो मंदिर के शिखर की शोभा को और बढ़ाएगा। ध्वज पर अंकित 'ओमकार' और 'सूर्य चिह्न' न केवल दिव्यता के प्रतीक हैं, बल्कि सनातन संस्कृति के शाश्वत संदेश को भी दर्शाते हैं।

अयोध्या में उमड़ेगा श्रद्धा और राजनीति का सैलाब

25 नवंबर को अयोध्या में न सिर्फ भक्तों की भीड़ उमड़ेगी, बल्कि देश के शीर्ष नेताओं का भी जमावड़ा रहेगा। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी इस मौके पर विकसित उत्तर प्रदेश अभियान की समीक्षा करेंगे और विश्व स्काउट एवं गाइड जम्बूरी के प्रतिभागियों को भी संबोधित करेंगे, जिसमें 35,000 से अधिक कैडेटों के शामिल होने की संभावना है। अयोध्या में इस आयोजन को धार्मिक गौरव और राष्ट्रीय एकता का उत्सव बताया जा रहा है। विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि, संत-महात्मा और ट्रस्ट के सदस्य मिलकर यह संदेश देंगे कि अयोध्या अब केवल श्रद्धा की भूमि नहीं, बल्कि विश्व को जोड़ने वाली सांस्कृतिक राजधानी बन चुकी है।

राम मंदिर अब पूर्ण हुआ

प्राण-प्रतिष्ठा के बाद ध्वज स्थापना को राम मंदिर की अंतिम आध्यात्मिक पूर्णता माना जा रहा है। जैसे मंदिर की ऊंचाई आकाश को छूती है, वैसे ही यह ध्वज भारत की आस्था, एकता और आत्मगौरव का प्रतीक बनकर विश्व में संदेश देगा कि अयोध्या से अब केवल राम का नाम नहीं, बल्कि शांति, शक्ति और संस्कृति का प्रकाश फैल रहा है।

मानवता और सहयोग की मिसाल

योगी आदित्यनाथ ने कहा- उत्सव का वास्तविक आनंद तभी है जब हम किसी पीड़ित की सहायता के लिए खड़े हों

मुख्यमंत्री ने बताया कि पंजाब के लिए भेजे जा रहे बीबी-327 प्रजाति के 1000 क्विंटल गेहूं बीज को करण शिवानी नाम से जाना जाता है। यह रोग-प्रतिरोधी, पोषणयुक्त और उच्च उत्पादकता वाली बायो-फोर्टीफाइड प्रजाति है, जो 155 दिनों में तैयार हो जाती है और 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उपज देने में सक्षम है।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास से पंजाब के बाढ़ प्रभावित किसानों की मदद के लिए 1000 क्विंटल गेहूं बीज सहायता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व केवल उत्सव का नहीं, बल्कि सेवा और सहयोग की भावना का प्रतीक है। जब कोई समाज किसी पीड़ित के साथ खड़ा होता है, तभी उत्सव का वास्तविक आनंद मिलता है, मुख्यमंत्री ने कहा।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार हर आपदा की घड़ी में ज़रूरतमंदों के साथ खड़ी रहती है। पंजाब के किसानों ने देश को अन्न आत्मनिर्भर बनाया है, आज जब वे संकट में हैं, तो उत्तर प्रदेश उनका सहयोग करेगा, उन्होंने कहा। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण—तीनों मोर्चों पर सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

पंजाब के लिए भेजे गए बीज से मिलेगी नई उम्मीद

मुख्यमंत्री ने बताया कि पंजाब के लिए भेजे जा रहे बीबी-327 प्रजाति के 1000 क्विंटल गेहूं बीज को करण शिवानी नाम से जाना जाता है। यह रोग-प्रतिरोधी, पोषणयुक्त और उच्च उत्पादकता वाली बायो-फोर्टीफाइड प्रजाति है, जो 155 दिनों में तैयार हो जाती है और 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उपज देने में सक्षम है। सीएम ने कहा कि यह बीज पंजाब के किसानों के लिए नई ऊर्जा और संबल का काम करेगा।

बीज निगम बना आत्मनिर्भरता का मॉडल

मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। निगम ने इस वर्ष 148 करोड़ रुपए का लाभांश अर्जित किया है और एक वर्ष में 37 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया है। उन्होंने कहा, यह प्रमाण है कि यदि संस्थान ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करें तो वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकते हैं, बल्कि किसानों को भी आत्मनिर्भर बना सकते हैं।

सीएम योगी ने गुरु हरगोविंद जी की जयंती पर पंजाब के लोगों को शुभकामनाएं दीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पंजाब, हिमाचल और उत्तराखंड में बाढ़ से तबाही हुई थी, तब भी यूपी सरकार ने राहत सामग्री और आर्थिक सहायता भेजी थी. हम किसी भी राज्य के नागरिकों को अकेला नहीं छोड़ेंगे। यह भारतीयता की भावना है, उन्होंने कहा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरु हरगोविंद जी महाराज की जयंती पर पंजाब के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गुरु हरगोविंद जी का जीवन सेवा, त्याग और मानवता की प्रेरणा देता है।

लखनऊ में बनेगा चौधरी चरण सिंह सीड पार्क

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जल्द ही लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की स्मृति में सीड पार्क की स्थापना होगी। इसके साथ ही प्रदेश में पांच अन्य नए सीड पार्कों के निर्माण की प्रक्रिया भी तेज की जा रही है। उन्होंने कहा कि समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता किसानों की लागत घटाती है और उत्पादन बढ़ाती है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के पास देश की मात्र 11% कृषि योग्य भूमि है, लेकिन वह भारत के कुल खाद्यान्न उत्पादन में 21% योगदान देता है। यह हमारे किसानों की मेहनत और सरकार की नीतिगत दक्षता का परिणाम है, सीएम योगी ने कहा।

उद्घाटन और सुरक्षा तैयारियों को लेकर दिए निर्देश

सीएम योगी ने जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का जायजा लिया

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने डॉमेस्टिक टर्मिनल, उद्घाटन समारोह स्थल, सुरक्षा प्रबंधन, यातायात व्यवस्था और अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति का बारीकी से अवलोकन किया।

निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट के बोर्डरूम में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड और एयरपोर्ट निर्माण एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में परियोजना की प्रगति, आगामी कार्ययोजना और उद्घाटन समारोह की तैयारियों पर पावर प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई।

सीएम योगी ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रदेश के विकास का प्रतीक बनेगा, अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं। उद्घाटन समारोह की तैयारियों में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सौंदर्यीकरण, स्वच्छता और यात्री सुविधा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के लिए ठोस और समन्वित कार्ययोजना तैयार करने को कहा। एयरपोर्ट से जुड़ी सड़क और मेट्रो लिंक परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने नागरिक उड्डयन, सुरक्षा, विस्फोटक निरोधक दस्ता, नियंत्रण इकाई, उप स्टेशन और आधारभूत संरचना से संबंधित अद्यतन जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने हवाई अड्डे के संचालन से जुड़े सभी तकनीकी, सुरक्षा एवं प्रशासनिक पहलुओं की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीओओ किरण जैन ने एनआईए अनुज्ञा निर्गमन, यात्री सुरक्षा, रनवे, वायुसंचालन परीक्षण और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने हवाई अड्डे परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को पूर्ण रूप से सुदृढ़ और चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए तथा कहा कि किसी भी प्रकार की शिथिलता अस्वीकार्य होगी।

अयोध्या में अब देव दिवाली की तैयारी, काशी के घाट पर जलाए जाएंगे 25 लाख दिये

लखनऊ। अयोध्या दीपोत्सव के बाद पर्यटन विभाग पांच नवंबर को होने वाली काशी की देव दीपावली को भव्य बनाने में लग गया है। इस साल गंगा के दोनों तट 25 लाख दीपों की रोशनी से जगमग होंगे। तो थ्रीडी लेजर शो और पर्यावरण अनुकूल आतिशबाजी भी पर्यटकों व श्रद्धालुओं को आकर्षित करेंगे।

पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि विभाग का प्रयास है कि देवों की दिवाली में वाराणसी आने वाले हर आगंतुक को यादगार बनाया जाए। विभाग द्वारा 03 से 05 नवंबर तक चेत सिंह घाट और गंगा द्वार पर अत्याधुनिक थ्रीजी प्रोजेक्शन मैपिंग व लेजर शो का आयोजन किया जाएगा। इसमें गंगा, काशी, भगवान शिव और देव दीपावली की पावन कथा को 25 मिनट के अनुभव में पिरोया जाएगा। जिसमें 17 मिनट की प्रोजेक्शन मैपिंग और 08 मिनट का लेजर शो शामिल होगा।

उन्होंने बताया कि हिंदी में संवाद के माध्यम से इससे संबंधित कहानियां दिखाई व बताई जाएंगी। इस बार देव-दीपावली पर वाराणसी के 84 घाटों पर लगभग 25 लाख दिए जलाए जाएंगे। इसमें 10 लाख दीये राज्य सरकार की ओर से, बाकि दीप घाटों की स्थानीय समितियों द्वारा जलाए जाएंगे। इसी क्रम में लगभग डेढ़ किलोमीटर क्षेत्र में 10 मिनट तक फायर क्रैकर्स शो होगा। यह शो पर्यावरण अनुकूल आतिशबाजी, तकनीक और कंप्यूटर आधारित कोरियोग्राफी के साथ तैयार किया गया है। इस वर्ष देव दीपावली पर काशी में 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं व पर्यटकों के आने की संभावना है। इनकी सुरक्षा, यातायात को लेकर तैयारियां जा रही हैं।

पेज एक का शेष

ग्रे लिस्ट से ...

वित्तपोषण का कोई संकट नहीं है। इसमें भी खासतौर पर यह जानकारी सामने आई है कि जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन डिजिटल वॉलेट व धन एकत्रित करने के अन्य माध्यमों के जरिए अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने में लगा हुआ है।

कोई देश यूं ग्रे लिस्ट में होता शामिल: संस्था की अध्यक्ष ने कहा कि किसी देश को हमारे द्वारा तभी एफएटीएफ की ग्रे सूची में डाला जाता है। जब वो आतंकवाद के वित्तपोषण (मनी लॉन्ड्रिंग) को रोकने के लिए पूरी तरह से कदम उठाने यानी जरूरी उपाय करने में असफल साबित होता है। इसके अलावा उसके द्वारा इस कवायद के दौरान उठाए गए कदमों में भी बड़ी कमियां होनी चाहिए। एक बार उक्त सूची से बाहर निकलने के बाद संबंधित देश को एफएटीएफ को इस बात की तसल्ली करानी पड़ती है कि वो लगातार आतंकी वित्तपोषण को रोकने के लिए सटीक कदम उठा रहा है। साल 2022 में जब पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर किया गया था। तब उसके बाद उस पर भी संस्था की पूर्व जैसी ही कड़ी निगरानी बनी हुई थी।

आतंकियों को नहीं मिलनी चाहिए मदद: एफएटीएफ की अध्यक्ष ने कहा कि हमारी संस्था का एकमात्र उद्देश्य यही है कि दुनिया में कहीं पर भी आतंकवाद और उसे बढ़ावा देने वाले आतंकियों तक धन की पहुंच को हर हाल में रोकना है। हम चाहते हैं कि सभी देशों द्वारा क्रियान्वयन की प्रक्रिया को जमीनी स्तर पर मजबूती के साथ लागू किया जाए।

अवैध गतिविधियों को ....

हुआ है। इसलिए उसे भविष्य में ऐसी तमाम गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए अपनी निगरानी बनाए रखनी चाहिए। माद्राजो के कहा कि मेरी यह अपील सभी देशों पर लागू है। हम उम्मीद करते हैं कि सभी देश आतंकवाद से जुड़े वित्तपोषण को रोकने के लिए मजबूत तंत्र बनाएंगे। जिससे इनकी आपराधिक गतिविधियों पर भी नकेल कसी जा सकेगी।

रामलला के दोपहर...

शरद ऋतु शुरू हो रही है। ऐसे में रामलला के दर्शन अवधि में कुछ बदलाव किया गया है। रामलला की मंगला आरती जो अब तक सुबह 4 बजे होती थी, अब वह 4:30 बजे होती है। साथ ही रामलला की श्रृंगार आरती सुबह 6 बजे के बजाए 6:30 बजे हो रही है। दर्शन अब सुबह 6:30 बजे के बजाए सुबह 7 बजे से शुरू होता है। दोपहर 12 बजे रामलला को भोग अर्पित किया जाता है। इस दौरान दोपहर 12 से 1 बजे तक दर्शन बंद रहता है। रामलला की संध्या आरती शाम 7 बजे ही होती है। इसके बाद श्रद्धालुओं को रात 9 बजे तक दर्शन प्राप्त होंगे। रात 9:30 बजे शयन आरती के साथ ही मंदिर बंद कर दिया जाता है। शरद ऋतु के चलते रामलला के राग-भोग में भी बदलाव किया गया है। रामलला को ठंड न लगे इसलिए उन्हें सुबह गुनगुने पानी से स्नान कराया जा रहा है। भोग में ड्राई फ्रूट्स की मात्रा बढ़ा दी है। सर्दी और बढ़ने पर रामलला को रजाई ओढ़ाई जाएगी व ऊनी वस्त्र पहनाए जाएंगे।

खजुराहो सांसद वीडी...

जिन्हें इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए चुना गया है। इस दौरे की खास बात यह है कि विष्णुदत्त शर्मा 15 सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल में मध्य प्रदेश से शामिल होने वाले एकमात्र सांसद हैं। यह पहला मौका नहीं है जब भारतीय सांसद यूएन के कार्यक्रमों में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भारत समय-समय पर अपने सांसदों और प्रतिनिधियों को वैश्विक मंचों पर भेजता रहा है ताकि अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूती दी जा सके और वैश्विक नीति-निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाई जा सके।

चार दिन का...

अगले दिन सोमवार को व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे और मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिए जाने के बाद चार दिवसीय अनुष्ठान संपन्न हो जाएगा।

पहले शो में ...

सालाना फेस्टिवल में नाटक किया जाना था। इसमें एक्टर की कमी थी। ऐसे में सतीश के अध्यापक ने उनका नाम दे दिया। सतीश अपने अध्यापक को इसके लिए मना नहीं कर पाए। उन्होंने नाटक के लिए डायलॉग याद कर लिया लेकिन जब वह किसी के सामने इसे बोलते तो वह भूल जाते थे। इसके बाद अध्यापक ने उन्हें बताया कि किसी को देखो मत बस एक्टिंग करो। इसके बाद सतीश ने बेहतरीन अदाकारी की। बाद में उन्होंने पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट में दाखिला लिया। सतीश शाह को साल 1983 में फिल्म जाने भी दो यारों में कुछ सीन करने थे, इसके बाद उन्हें पूरी फिल्म में लाश बने रहना था। फिल्म में उन्होंने लाश बनकर इतनी अच्छी अदाकारी की क

उनकी किडनी फेल ....

उनके करियर की नींव पड़ी। सतीश शाह ने 1970 के दशक के अंत में फिल्मों में कदम रखा था। उन्होंने 200 से अधिक फिल्मों में काम किया, जिनमें कई सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। सतीश शाह अपने पीछे अपनी पत्नी डिजाइनर मधु शाह और अपार प्रशंसकों की यादें छोड़ गए। उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा और आने वाली पीढ़ियां उन्हें भारतीय कॉमेडी के अनमोल सितारे के रूप में याद रखेंगी। 'जाने भी दो यारों' फिल्म के बाद सतीश शाह की कामयाबी के रास्ते खुले।

तलाश में जुटी पुलिस

मासूम से हैवानियत, दुष्कर्म के बाद शौचालय में फेंका, आरोपी फरार

एजेंसी ▶▶ कानपुर

कानपुर में घाटमपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार को देर रात दादी के साथ घर के बाहर सो रही पांच साल की बच्ची से हैवानियत की गई। उसके साथ दुष्कर्म करने के बाद आरोपी बाहर शौचालय में फेंक कर भाग गया। सुबह उसका चाचा लघुशंका करने गया, तब उसे जानकारी हुई। चाचा ने पुलिस को सूचना देकर उसे सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से उसे कानपुर रेफर किया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। अर्ध बेहोशी और दर्द से कराह रही मासूम अंधेरा होने

के चलते पहचान नहीं सकी है। पूछताछ में बस यही कहती रही कि चोर आया था। इसके अलावा कुछ भी नहीं बता पा रही है। बच्ची द्वारा अंधेरे में आरोपी को पहचान न पाने से पुलिस आरोपी की खोजबीन में जुटी। मासूम की मां पिता व तीन साल के भाई को लेकर भैया दूज में मायके गई हुई थी। उसे दादी व चाचा के पास छोड़ गए थे।

बेटी-दामाद घायल, हाईवे पर लगा जाम

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को मारी टक्कर, महिला को कुचला, मौत

एजेंसी ▶▶ कानपुर

कानपुर के घाटमपुर में तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार को टक्कर मारते हुए कुचल दिया। हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। वहीं बेटी और दामाद गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पतारा सीएचसी से कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने कानपुर-सागर हाईवे पर जाम लगा दिया। पुलिस द्वारा परिजनो को समझाने पर जाम खुला। इस दौरान लगभग दस किलोमीटर वाहनों की कतारें लग गई। रेउना थाना क्षेत्र के जुरैया गांव निवासी शैलेंद्र मिश्रा (32) हमीरपुर जिले के उर्दना मौदहा निवासी अपनी सास रश्मि तिवारी (50) पत्नी स्व. गया पाल और साली अदिति तिवारी को शनिवार सुबह बाइक से लेकर कानपुर अस्पताल जा रहा था। जैसे ही वह थाना क्षेत्र के कानपुर-सागर हाइवे पर स्थित टेनापुर मोड के पास पहुंचे। तभी तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार को टक्कर मारते हुए रश्मि को कुचल दिया। हादसे में महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, दोनो गंभीर घायल हो गए। तहरीर के आधार पर होगी अग्रिम कार्रवाई

पलामू एसपी ने बताई साजिश और हत्या की कहानी

पांच लाख रुपए में ली थी हत्या की सुपारी लेकिन खुद ही बन गया गया शिकार

पलामू पुलिस ने हसन अली हत्याकांड का खुलासा किया, जिसमें सुपारी किलिंग का मामला सामने आया। हसन अली ने एकराम कुरैशी की हत्या की सुपारी ली थी, जिसके लिए उसे एडवांस भी मिला था। लेकिन, एकराम को इसकी भनक लग गई और उसने हसन अली की हत्या करवा दी। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और मामले की जांच जारी है।

एजेंसी ▶▶ रांची (पलामू)

पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर इलाके में 19 अक्टूबर को वाल पुट्टी मिस्त्री हसन अली की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अब इस हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

तीनों आरोपित इजहार खान, सद्दाम अंसारी व मुबारक अंसारी शाहपुर के ही रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस ने इनके पास से एक देसी पिस्तौल और एक कट्टा बरामद किया है। एसपी रीष्मा रमेशन ने शनिवार को अपने कार्यालय कक्ष में पत्रकारों को बताया कि हसन अली की हत्या के पीछे एक चौंकाने वाली कहानी छिपी थी।

एडवांस में भुगतान कर दी गई थी सुपारी की आधी रकम

हसन अली ने एकराम कुरैशी की हत्या की सुपारी ली थी। सुपारी मेदिनीनगर और चैनपुर इलाके के एक नामी व्यक्ति ने दी थी। पांच लाख रुपए की सुपारी दी गई थी, इसमें से 2.5 लाख रुपए एडवांस मिले थे। शेष रकम हत्या के बाद दी जानी थी। एसपी ने बताया कि जब एकराम के रिश्तेदारों को इसकी जानकारी मिली, तो उन्होंने यह खबर एकराम तक पहुंचाई। एकराम ने अपने लोगों के साथ हसन अली का पता लगाया। घटना वाले दिन हसन अली को जबरन कार में बिठाया गया और फिर गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि इजहार, मुबारक और सद्दाम गोलीबारी में शामिल थे, एकराम कुरैशी भी घटना स्थल पर मौजूद था। पुलिस ने इस मामले की गहराई से जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन किया है, जिसमें चैनपुर थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा, उपनिरीक्षक बाबूलाल दुबे, रंजीत बिलुंग और अनिल विद्यार्थी शामिल हैं।

उड़ने के लिए तैयार फ्लाइंग कार

आसमान में उड़ते हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर को तो हम सबने देखा है। अब बस कुछ ही वर्षों में आस-पास की दूरियों को तय करने के लिए फ्लाइंग कारें भी उड़ती हुई दिखने लगेंगी। कई विदेशी कंपनियां इस दिशा में पूरी तरह रेडी हो चुकी हैं तो अपने देश में भी इस बारे में जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। भविष्य के नए हवाई सफर पर एक नजर।

टीकैब कंपनी चीन की ई20 एयरटैक्सी

कवर स्टोरी / एन. के. अरोड़ा

उड़ने वाली कारें यानी फ्लाइंग कार या रोडेबल एयरक्राफ्ट यानी ऐसी गाड़ियां, जो सड़कों पर चल भी सकें और जरूरत पड़ने पर उड़ान भी भर सकें। अब ये केवल हॉलीवुड की फिल्मों का हिस्सा भर नहीं हैं बल्कि ये हकीकत है। हां, यह बात अलग है कि अभी इसका उपयोग लोगों ने शुरू नहीं किया है। अभी ये कारें सीमित स्तर पर प्रोटोटाइप, परीक्षण, नियामक मंजूरी और टेस्ट फ्लाइट के दौर से गुजर रही हैं। अभी सड़क पर दौड़ने और उड़ान भरने वाली ये कारें, आम लोगों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। लेकिन चीन, जापान, अमेरिका और यूरोप के कई देशों में ये कारें जल्द से जल्द आम लोगों के घरों के गैराज में दिखने लगेंगी।

कई स्तरों पर हो रही तैयारी: साल 2025 के अंत तक दुनिया भर में कई कंपनियां ऐसी इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक ऑफ एंड लैंडिंग (वीटीओएल) कारों को पूरी तरह तैयार कर लेंगी, क्योंकि इन कंपनियों की फ्लाइंग कारों की प्रगति महत्वपूर्ण चरणों में है। कुछ देशों और कंपनियों ने तो अपनी कारों की सूची भी सोशल मीडिया पर जारी कर दी है। इस समय दुनिया भर के अलग-अलग देशों में करीब 250 ऐसी कंपनियां हैं, जो उड़ने वाली कारों यानी फ्लाइंग टैक्सियों या वीटीओएल परियोजनाओं पर काम कर रही हैं। कई प्रोटोटाइप पहले ही हवा में उड़ान भर चुके हैं, कुछ मानव पायलट के साथ और कुछ बिना इंसानी ड्राइवर के। उदाहरण के लिए टर्की में सीजेरी का प्रोटोटाइप और जापान में स्काई डाइव का प्रोटोटाइप हवा में उड़ान भर चुका है। कई कंपनियां एयर टैक्सी शुरू करने की बिल्कुल व्यावहारिक योजनाएं बना चुकी हैं, तो कुछ देशों ने सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। कहने का मतलब उड़न कारें

जॉबी एविएशन, अमेरिका की ईवीटॉल

यानी, जमीन और हवा दोनों पर चलने वाली कारें भले अभी दुनिया में आम लोगों के इस्तेमाल में आना शुरू न हुई हों, पर इनके एक साथ पूरी दुनिया में इतनी बड़ी संख्या में प्रोजेक्ट काम कर रहे हैं कि दिन-रात इनके बारे में बातें होना स्वाभाविक है। इनके उज्ज्वल भविष्य को देखते हुए दुनिया के बड़े-बड़े उद्योगपति इन कारों पर भारी निवेश भी कर रहे हैं।

स्काई ड्राइव, जापान की एयरटैक्सी

कई कंपनिया हैं एक्टिव: आज दुनिया के जिन देशों में प्रमुख कंपनियां ऐसी फ्लाइंग कारें बनाने में जुटी हुई हैं, उनमें संयुक्त राज्य अमेरिका में जॉबी एविएशन ने एफएए से एयर करियर प्रमाणपत्र हासिल किया है और डेल्टा एयरलाइंस के साथ साझेदारी की है। इसी तरह आर्चर एविएशन ने भी यूनाइटेड एयरलाइंस से 10 मिलियन डॉलर प्राप्त किया है। इसी तरह जेस्टन वन नामक एक व्यक्तिगत उड़न वाहन भी अमेरिका में विकसित किया गया है, जिसकी कीमत 1 लाख 28 हजार डॉलर है और जिसे उड़ाने के लिए किसी पायलट लाइसेंस की जरूरत नहीं है। जबकि चीन की एक्सपेंग एयरोहॉट दुनिया की पहली ऐसी कंपनी है, जिसने बिना पायलट के यात्री उड़ानों के लिए नियामक स्वीकृति प्राप्त कर ली है। इसने लैंड एयरक्राफ्ट करियर नामक मॉड्यूलर कार विकसित की है, जिसमें एक फोल्डेबल ईवीटीओएल है। टीकैब टैग कंपनी ने ई-20 नामक मानवयुक्त ईवीटीओएल विकसित की है। इसी तरह ब्राजील ने ईव एयर मोबिलिटी, जापान की स्काई ड्राइव और जर्मनी की लिलियम बोलोकॉप्टर कंपनियों ने भी अपनी-अपनी उड़न कारें विकसित कर ली हैं और इन सबकी हवा में उड़ने और जमीन में जरूरत पड़ने पर चलने वाली ये कारें परीक्षण और अपग्रेडेशन की प्रक्रिया से गुजर रही हैं। इन दिनों इसी काल्पनिक सच को हकीकत में बदलने के लिए विकसित देशों में दर्जनों उड़न कारें अपनी बुनियादी उड़ाने भर रही हैं या दूसरे शब्दों में ट्रेंड हो रही हैं।

ऐसे आई सुर्खियों में: फ्लाइंग कारों की चर्चा अचानक इसलिए बढ़ी है, क्योंकि पिछले दिनों दो उड़ने वाली कारें एक फ्लाइंग शो के दौरान हवा में ही टकरा गईं और एक बड़ा हादसा हो गया। यह अलग बात है कि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई। दरअसल, चीन के जिलिन में बीते 16 सितंबर 2025 की दोपहर को चल रहे चांगचुन एयर शो के दौरान एक्सपेंग एयरोहॉट की दो वीटीओएल आपस में टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस टक्कर से एक यात्री घायल हो गया, जिसे जानलेवा चोट नहीं लगी। लेकिन इस दुर्घटना की वजह से रातों-रात पूरी दुनिया की आटोमोबाइल इंडस्ट्री में वीटीओएल कारों के किस्से पूरी तरह से छा गए और हर किसी को पता लग गया कि उड़ने वाली कारें अब विज्ञान कथा भर नहीं हैं, वास्तविक जिंदगी का हिस्सा बनने की कगार पर हैं। निकट भविष्य में इनका उपयोग शहरी परिवहन, आपातकालीन सेवाओं और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में बहुत कॉमन हो जाएगा।

सुरक्षा है बड़ा मुद्दा: जिस तरह इन दिनों चीन में हुई हवाई दुर्घटना के कारण दो एयर टैक्सियों के आपस में भिड़ जाने पर खूब चर्चा हो रही है, उससे उड़ने वाली कारों यानी ईवीटीओएल की तकनीकी सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। माना जाता है कि ऐसी काल्पनिक कारों का यह पहला मिड एयर कॉलिशन है। लेकिन यह अकेला कारण भी नहीं है, जिसकी वजह से इन उड़न कारों की बातें हो रही हैं। दरअसल, अब नए मॉडल के नई लाइफस्टाइल को सपोर्ट करने वाले शहरों के बसाए जाने की बात भी हो रही है। इन्हीं नए शहरों की जरूरतों को ध्यान में रखकर अर्बन एयर मोबिलिटी पर जबर्दस्त चर्चा हो रही है, क्योंकि भविष्य के शहरों में लोगों के पास इतना समय नहीं होगा कि वे ट्रैफिक में घंटों फंसे रह सकें। इसलिए ऐसी कारों की जरूरत जबर्दस्त ढंग से पैदा होने वाली है, जो हवा में उड़कर मिनटों में एक जगह से दूसरी जगह कई किलोमीटर दूर पहुंच सकती हैं।

सिर्फ सुरक्षा का ही नहीं, वास्तव में इन वाहनों की उड़ान और लैंडिंग की अनुमति भी एक बड़ी समस्या होगी, जिस पर इन दिनों सिस्टेमैटिक ढंग से प्लानिंग हो रही है। लोगों की उत्सुकता है कि एयर ट्रैफिक रेगुलेशन, पायलट ट्रेनिंग, बैटरी रिलायबिलिटी, इस तरह की सभी समस्याएं एक-एक करके हल हों ताकि उड़ने वाली कारें अब फिक्शन न रह जाएं।

बहरहाल, विशेषज्ञ कहते हैं कि इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सन 2030 तक दुनिया के अनेक बड़े शहरों के आसमान में हवा में उड़ान भरने वाली कारें दिखने लगेंगी। *

एक्सपेंग एयरोहॉट ईवीटॉल, चीन

भारत में भी जल्द उड़ेंगी एयरटैक्सी

केवल विदेशों में ही नहीं अपने देश भारत में भी ईवीटॉल विकसित करने में कुछ कंपनियां सक्रिय हैं। डीजीसीए ने पंजाब की एक कंपनी के एयरटैक्सी मॉडल को डिजाइन अप्रूवल सर्टिफिकेट भी दे दिया है। एयरटैक्सी के टेकऑफ और लैंडिंग के लिए वर्टिपोर्ट बनाने की प्लानिंग पर भी काम किया जा रहा है। बेंगलुरु की एक कंपनी भी इस दिशा में एक्टिव है। सब कुछ प्लानिंग के अनुसार फाइनल होने पर वर्ष 2028 तक दिल्ली-एनसीआर में एयर टैक्सी का परिचालन शुरू हो सकता है। इसके बाद कोलकाता, मुंबई जैसे अन्य मेट्रो शहरों में भी एयरटैक्सी चलने की संभावना है।

अवेयरनेस / संध्या सिंह

इन दिनों लगभग रोज ही साइबर फ्रॉड की अनेक घटनाएं घटित हो रही हैं। साइबर क्रिमिनल्स नए-नए तरीकों से लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। ऐसे में जरा सी लापरवाही आपका भारी आर्थिक नुकसान करा सकती है। इसलिए साइबर वर्ल्ड में हमेशा एलर्ट रहें।

खूब हो रहा साइबर फ्रॉड ना बरतें कोई लापरवाही

आजकल सोशल मीडिया पर साइबर तस्करी, साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, डीपफेक में काफी बढ़ोत्तरी हो रही है। ऐसी धोखाधड़ी अब आम हो गई है।

सोशल मीडिया पर फ्रॉड नेटवर्क: हाल के दिनों में लोगों को व्हाट्सएप पर नकली ई-चालान मिलना, नकली बिजली, पानी, गैस, केबल के बिल मिलने जैसी चीजें आम हो गई हैं, जिनमें व्हाट्सएप पर मैसेज भेजा जाता है और उसमें यह वॉर्निंग दी जाती है कि यदि समय पर बिल का भुगतान नहीं किया गया, तो उनका कनेक्शन काट दिया जाएगा। हड़बड़ी में लोग अकसर व्हाट्सएप में आए उस बिल पर क्लिक कर देते हैं और कुछ समय बाद उन्हें पता चलता है कि उनके खाते से काफी पैसे निकाल लिए गए हैं। यहां तक कि फेसबुक पर भी बहुत रोचक कहानियां बनाकर उन्हें डाल दिया जाता है और जब लोग उन्हें पढ़कर आगे की कहानी जानने के लिए दिए गए लिंक पर क्लिक करते हैं, तो उस लिंक पर कई बार एडल्ट साइट्स से उनका सामना होता है या गलत लिंक पर क्लिक करने के कारण वे साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं।

हो रहा भारी नुकसान: साइबर क्राइम अब एक ऐसी समस्या के रूप में सामने आ रहा है, जो हमारा पैसा और मन की शांति दोनों को खत्म कर रहा है। साइबर अपराध पर 254वीं संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट ने इस बात का खुलासा किया है कि साइबर ठगी के जरिए 31,500 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। इस साल साइबर अपराधी एक साथ कई मोर्चों पर सक्रिय हैं। संसदीय रिपोर्ट भी इस बात की पुष्टि करती है कि साइबर अपराधी एक साथ कई हथकंडे आजमा रहे हैं। लोग यह समझते हैं कि इनसे बचने के उपाय, अत्यधिक कुशल हैकर्स का काम है, लेकिन इससे आम लोगों को यह समझना होगा कि उनको नेविगेट करने की क्षमता हम सबमें होनी जरूरी है।

बीते जुलाई माह में गुरुग्राम पुलिस द्वारा एक ऐसे कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया गया, जहां जालसाज वीआईपी नंबर्स और पुलिस स्टेशन की पृष्ठभूमि का एआई द्वारा उपयोग करके वीडियो कॉल पर कानून अधिकारी के रूप में पेश आते थे, जो लोगों को उनके नाम पर एक पैकेट में अवैध वस्तुएं होने का हवाला देकर उन्हें गिरफ्तार कर लेने के लिए डराते थे और उन्हें यह धमकी देते थे कि यदि वह तुरंत अपनी जमानत या वैरीफिकेशन के लिए एक निश्चित राशि का भुगतान नहीं करते, तो उन्हें कानूनी कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है। पुलिस द्वारा छापे में स्क्रीन स्क्रिप्ट और जाली आईडी मिली, इसके बाद कई गिरफ्तारियां हुईं, जिनका लिंक दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के नेटवर्क से था, जो सीधे भारतीयों को अपना निशाना बना रहे थे।

जागरूकता है जरूरी: यह सही है कि आज के दौर में साइबर अपराध इतने जटिल हो गए हैं और लोगों को ठगी का शिकार बनाने के उनके तरीके इतने दबे छिपे होते हैं कि आम लोगों में जागरूकता का अभाव होने के कारण वे सहजता से इसका शिकार हो जाते हैं। मसलन, अगर आपको कोई पुलिस अधिकारी होने का दावा करने वाले का कॉल आता है तो उनसे यह पूछा जा सकता है कि वीडियो कॉल के जरिए भला गिरफ्तारी कैसे हो सकती है? इस तरह की समझदारी और अवेयरनेस से फ्रॉड से बच सकते हैं।

बिना डरे रहें सजग: इन जटिल साइबर अपराधों के खिलाफ सुरक्षा के समाधान या तरीके इतने कठिन नहीं है, जितने हम समझते हैं। हमें हर चीज पर सवाल उठाना सीखना होगा और जीरो ट्रस्ट नीति अपनानी होगी। एक बार जब हम ऐसे मामले में जीरो ट्रस्ट नीति अपनाने लगते हैं तो साइबर सुरक्षा आसान हो जाती है। किसी भी लिंक अटैचमेंट या मैसेज पर जाने से पहले बिना सोचे-समझे क्लिक नहीं करना चाहिए, क्योंकि साइबर जगत में हर अंजान को जांचने-परखने की नीति अपनाएं। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले सोचें, विचार करें। वेडिंग इंविटेशन या ई-चालान की पीडीएफ/जेपीईजी फाइल होनी चाहिए, न कि एपीकेएस। एपीकेएस पर क्लिक करने का ही मतलब है आप हैकर को क्लिक कर रहे हैं। किसी को भी अपना ओटीपी या यूपीआई पिन या स्क्रीन शेयर न करें। क्योंकि कानून आपको इन्हें साझा करने के लिए नहीं कह सकता। ऑड यूआरएलएस, नए हैंडल्स, मिस मैच्ड लोगो, भ्रम पैदा करने वाली ईमेल आईडी पर क्लिक न करें। अगर आपके खाते से पैसों की ठगी हो जाती है तो 1930 नंबर पर कॉल करें और अपने बैंक को तुरंत फोन करके इसके बारे में सूचित करें। कुल मिलाकर ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए बिना डरे एलर्ट रहना जरूरी है। *

कविता / आरती आस्था

छोड़ना

मां छोड़ देती है
सब कुछ
अपने बच्चे के लिए।
वही बच्चा होकर बड़ा
छोड़ देता है
मां को
अपने प्रेम के लिए।
छोड़ते हैं दोनों ही
अपने-अपने प्रेम के लिए।
पर लगाना अनुमान
है लगभग असंभव
किसका छोड़ना
और किसका छूट जाना
होता है
ज्यादा पीड़ादायक।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

लचकलाल को भी मिले नोबेल पुरस्कार

हर साल अक्टूबर के महीने में नोबेल पुरस्कार का हल्ला रहता है। इस बार भी हल्ला रहा। लचकलाल फिर नोबेल पुरस्कार के लिए बेचैन हुए। वह नोबेल पुरस्कार चाहते हैं, भ्रष्टाचार के मामले में। उनका कहना है, इस क्षेत्र में उनसे अच्छा और श्रेष्ठ कार्य किसी ने नहीं किया है, ना ही कोई कर सकता है। इस क्षेत्र में उन्होंने जितने नवाचार किए हैं, उतने तो अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश ने अपना माल बेचने के लिए विश्व शांति के क्षेत्र में भी नहीं किए होंगे।

लचकलाल का यह कहना है कि भ्रष्टाचार में गोपनीयता के मामले में उन्हें नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। वह कैसे-कैसे टेबल के नीचे से सेवा शुल्क लेकर जनसेवा करते रहे हैं, वो रिकॉर्ड बने हैं। लचकलाल भ्रष्टाचार में यूपीआई की भी सुविधा ले रहे हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार को ऑन लाइन कर दिया है। उनकी टेबल पर घूस ऑन लाइन भी ली जाती है-जल्द यह तख्ती भी लग सकती है। लचकलाल को लगता है, वे अपनी भ्रष्टाचार की सेवाओं से विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। भ्रष्टाचार को उन्होंने अब शासकीय शिष्टाचार मान लिया है। इस प्रतिभा के पीछे उन्होंने ऐसी दिव्य दृष्टि पाई है कि एक बार में ही वह अच्छे से अच्छे ईमानदार अधिकारी को देखते ही समझ जाते हैं, यह अधिकारी अपनी सेवा कितने में प्रदान करेगा? इसकी सेवा का लाभ कैसे लेना है? इसकी निष्ठा का कितना दाम लगाना है? लचकलाल यह सब अपनी भ्रष्टाचारी दिव्य दृष्टि से कुछ ही दिनों में ताड़ लेते हैं कि साहब टेबल के कितने ऊपर और टेबल के नीचे कितने तक धंसे हैं? लचकलाल ने अपनी इस दिव्य दृष्टि और कला के सहारे बहुत से नवागत अधिकारियों, कर्मचारियों को भी भ्रष्टाचार के मामले में प्रशिक्षित किया है। कोई कितना ही ईमानदार व्यक्ति शासकीय सेवा में 'सेवा परमोधर्मः' की भावना से आए, लेकिन उनकी दिव्य दृष्टि उसे भ्रष्टाचार की कला बहुत ही जल्दी सीखा देती है। इस कला को सीखने के बाद वह नवागत अधिकारी भ्रष्टाचार के दूध में पताशे(बताशे) की तरह घुल जाता है। लचकलाल भ्रष्टाचार की चाशनी बनाने में उसी तरह से दक्ष हैं, जैसे इन दिनों मिस्टर ट्रंप विश्व शांति की चाशनी बनाने के लिए अपनी वैश्विक चम्मच हिला रहे हैं। वह बात अलग है कि चाशनी बन नहीं रही है। इस बार भी तथाकथित विश्व शांतिदूत नोबेल पुरस्कार के लिए चम्मच हिलाते ही रह गए।

खैर! मिस्टर लचकलाल अपने अभियान में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उन्हें भ्रष्टाचार की चाशनी बनाने और उसमें से जलेबी निकालने से कोई नहीं रोक सकता है। उनके पास भ्रष्टाचार के मामले में भ्रष्टों का जनाधार है। वे अपनी इस कला से लोकतंत्र की सेवा करना चाहते हैं। उन्हें लगता है कि इस कला से राष्ट्र निर्माण भी आसानी से किया जा सकता है। कम बजट में सड़कों, पुलों, सरकारी भवनों और सेवाओं का कार्य पूरा हो जाता है। भ्रष्टाचार उनके लिए सरकारी कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा है। उसके बगैर अधिकारियों को कार्य करने में मजा नहीं आता और सरकारों को सरकार चलाने में मजा नहीं आता। लचकलाल की मानें तो वह जनता और सरकार के बीच भ्रष्टाचार, पुल का काम करते हैं। भ्रष्टाचार के लाभ और विशेषताओं पर लचकलाल बड़े-बड़े लेक्चर दे सकते हैं। उनका कहना है कि पहले भी बहुत से मंत्री और जनप्रतिनिधि भ्रष्टाचार में लिप्त रहते हुए प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थानों तक में लेक्चर फटकार चुके हैं तो वह क्यों नहीं बौद्धिक संस्थानों में लेक्चर दे सकते हैं! उन्हें लगता है कि वह भ्रष्टाचार विषय के मामले में बुद्धिजीवी बन गए हैं। अब आखिर उन्हें क्यों नहीं इस क्षेत्र में सेवा, शोध और नवाचार के लिए नोबेल पुरस्कार मिले! *

> भ्रष्टाचार के लाभ और विशेषताओं पर लचकलाल बड़े-बड़े लेक्चर दे सकते हैं। उनका कहना है कि पहले भी बहुत से मंत्री और जनप्रतिनिधि, भ्रष्टाचार में लिप्त रहते हुए प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान तक में लेक्चर फटकार चुके हैं तो वह भी क्यों नहीं प्रसिद्ध बौद्धिक संस्थानों में लेक्चर दे सकते हैं!

लघुकथा / अलका जैन 'आराधना'

प्रेरणा

आईआईटी में सेलेक्शन न होने से हताश रौनक, रेल की पटरियों के किनारे चला जा रहा था। एक पल के लिए उसके मन में खुद को खत्म करने का ख्याल आ रहा था। अचानक मम्मी के शब्द उसके कानों में गूंजने लगे, 'रेल की पटरियां रेल को गंतव्य तक पहुंचाती हैं। बेटा, इनसे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा लेनी चाहिए... क्योंकि वास्तव में चलना ही जिंदगी है।'

रौनक के चेहरे पर मुस्कान आ गई। वह सोच रहा था कि आईआईटी में सेलेक्शन ना होना तो एक पड़ाव भर है, जीवन में और भी बहुत कुछ है करने के लिए। अब वह मुस्कुराते हुए घर वापसी का फैसला कर चुका था। घर पहुंचा तो मम्मी-पापा बेसब्री से उसका ही इंतजार कर रहे थे। दोनों ने एक-साथ उसके कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'तुम्हारा पसंदीदा मूंग की दाल का हलवा बनाया है, इसे खाओ और नई राह पर आगे बढ़ने की शुरुआत करो। जिंदगी किसी मोड़ पर खत्म नहीं होती, नई शुरुआत कहीं से भी की जा सकती है।'

रौनक अपने मम्मी-पापा के पैरों में झुक गया। उसे लग रहा था कि रेल की पटरियों ने उसे जीवन से पलायन की नहीं जीवन को गले लगाने की प्रेरणा दे दी। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेमानुभूति में भीगी कविताएं

प्रेम एक ऐसा विषय है, जिस पर असंख्य कविताएं और कहानियां लिखी जाती रही हैं लेकिन कोई भी रचना इसके बारे में स्थायी या अंतिम सच साबित नहीं हो पाती। दरअसल, यह इंसानी मनोजगत में उपजने वाली भावनाओं से निर्मित ऐसी दुनिया होती है, जिसे हर इंसान अलग तरीके से अनुभूत करता है। सविता सिंह के नए कविता संग्रह 'प्रेम भी एक यातना है' की कविताएं प्रेम के ऐसे ही अनदेखे, अबूझ क्षितिज से हमारा परिचय कराती हैं। यहां उनकी व्यक्तिगत अनुभूतियां बड़ी कोमलता के साथ प्रकृति और समष्टि में समाहित हो जाती हैं। इसी बिंदु पर उनकी कविताओं के व्यापक अर्थ हमारे सामने उद्घाटित होते हैं। प्रेम के जीवन में पदार्पण का मनोहारी बिंब इन पंक्तियों में देख सकते हैं, *'पूरा-पूरा दिन संगीत सा बजता रहता है आजकल/ बेजान दोपहरें भरी रहती हैं तितलियों के रंगों से/ मधुमक्खियों के पंखों से उपजती धुनों से।'* (प्रेम) इसी तरह एक अन्य कविता 'प्रेमरत' की ये पंक्तियां शरीर के स्तर से बहुत गहन मन-आत्मा के किसी तल पर घटित हो रही अनुभूतियों को व्यक्त करती हैं, *'अभी हमारे पास कहने को क्या था/हम तो भाषा में थे ही नहीं/हमारे पास महज अव्यक्त आवाजें थीं कुछ/ शब्द दूर थे हमसे।'* कह सकते हैं, आज के अमानवीय होते जा रहे हिंसा से आक्रांत युग में ये कविताएं, हमारे भीतर कुछ बेहतर बचे रहने की उम्मीद कायम रखने का संबल देती हैं। *

पुस्तक: प्रेम भी एक यातना है (कविता संग्रह), **लेखिका:** सविता सिंह, **मूल्य:** 199 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल पेपरबैक्स, नई दिल्ली

सीएस बोले- सुविचारित आर्थिक योजना से सशक्त होंगे बड़े शहर, अनियंत्रित शहरी विकास पर भी कंट्रोल पाया जा सकेगा

भोपाल में ग्रोथ हब का शुभारंभ विकास के साथ रणनीति तैयार करने पर हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश की आर्थिक प्रगति को नई दिशा देने के उद्देश्य से मंत्रालय में बैठक हुई। बैठक में ग्रोथ हब पहल का शुभारंभ किया गया। नीति आयोग और मध्य प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयास से इंदौर एवं भोपाल क्षेत्रों के लिए व्यापक और लॉन्ग टर्म आर्थिक विकास रणनीति तैयार करने की दिशा में इसे बड़ा प्रयास बताया गया। इस अवसर पर नीति आयोग के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रिंसिपल इकोनॉमिक एडवाइजर एना रॉय ने किया। मुख्य सचिव जैन ने कहा कि सुविचारित आर्थिक योजना से न केवल इन क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था सशक्त होगी, बल्कि अनियंत्रित शहरी विकास पर भी नियंत्रण पाया जा सकेगा। एना रॉय ने बताया कि इंदौर और भोपाल आर्थिक क्षेत्रों के लिए समग्र आर्थिक मास्टर प्लान अगले वित्त वर्ष के प्रारंभ तक तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है और नीति आयोग इस दिशा में राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग देगा। ग्रोथ हब पहल के प्रथम चरण में इंदौर आर्थिक क्षेत्र (इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, खरगोन, रतलाम, शाजापुर, खंडवा) और भोपाल आर्थिक क्षेत्र (भोपाल, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम) पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इन क्षेत्रों के लिए आर्थिक प्रोफाइल, प्राथमिक परियोजना सूची और क्रियान्वयन रोडमैप तैयार किया जाएगा। दूसरे चरण में जबलपुर, सतना-रीवा, सागर और ग्वालियर क्षेत्रों को भी शामिल किया जाएगा।

खास बातें

- भोपाल और इंदौर के आर्थिक क्षेत्रों के लिए समग्र आर्थिक मास्टर प्लान अगले वित्त वर्ष के प्रारंभ तक तैयार करने का लक्ष्य
- दूसरे चरण में जबलपुर, सतना-रीवा, सागर और ग्वालियर क्षेत्रों को भी शामिल किया जाएगा

बेहतर ईज ऑफ लिविंग तय की जाएगी

यह पहल विकसित मध्यप्रदेश के दृष्टिकोण से नागरिकों को सुखद जीवन, रोजगार अवसर और सांस्कृतिक गौरव देने की दिशा में कार्यरत है। कार्यक्रम के माध्यम से परियोजना-आधारित क्रियान्वयन, नीति सरलीकरण, भूमि आपूर्ति, एकीकृत संरचना और निवेश प्रोत्साहन के जरिए राज्य में उच्च वृद्धि, गुणवत्तापूर्ण आजीविका और बेहतर ईज ऑफ लिविंग तय की जाएगी।

टीम में सिर्फ दो पदाधिकारियों की उम्र 60 साल से ज्यादा

हेमंत की टीम में वरिष्ठों युवाओं का समन्वय

दिनेश निगम 'त्यागी' ▶▶ भोपाल

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल द्वारा लगभग सवा तीन माह बाद घोषित प्रदेश कार्यकारिणी को लेकर 'कहीं खुशी-कहीं गम' के हालात हैं। टीम पहले की तुलना में युवा है। वरिष्ठों और युवाओं के बीच समन्वय बनाने की कोशिश की गई है। टीम के सिर्फ दो पदाधिकारी प्रभुराम चौधरी और रणवीर सिंह रावत ही 60 से ज्यादा उम्र के बताए जा रहे हैं। शेष पदाधिकारियों में आधे की उम्र 50 से ज्यादा और आधे की 50 से कम है। अर्थात संतुलन के लिए फिफ्टी- फिफ्टी का फार्मूला अपनाया गया है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के खास समर्थक टीम में नहीं लिए गए, लेकिन उनकी टीम के एक दर्जन से ज्यादा पदाधिकारियों को फिर जगह मिली है।

हितानंद की सलाह को मिला ज्यादा महत्व

भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में हर प्रमुख नेता के समर्थकों को जगह मिली है, लेकिन संगठन महामंत्री हितानंद की सलाह को सबसे ज्यादा महत्व मिला है। टीम में आरएसएस के कोटे से शैलेंद्र बरुआ, श्याम महाजन, नंदिता पाठक, सुरेंद्र शर्मा और जसपाल चावड़ा को जगह मिली है। इनमें बरुआ, महाजन और चावड़ा संगठन मंत्री रह चुके हैं। इनके अलावा कांतिदेव सिंह, गौरव रणदिवे और लोकेंद्र पाराशर को भी हितानंद के ही कोटे का माना जा रहा है। दूसरे नंबर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 3 समर्थक प्रभुलाल जाटव, राहुल कोठारी और आशीष अग्रवाल पदाधिकारी बने हैं।

पहली बार ही बना दिए गए महामंत्री, उपाध्यक्ष

भाजपा का सामान्य नियम है कि किसी नेता को सीधे प्रदेश महामंत्री और उपाध्यक्ष का दायित्व नहीं सौंपा जाता। इस बार इस नियम का भी पालन नहीं किया गया। टीम में कई ऐसे नेताओं को इन पदों को दायित्व मिल गया, जो निचले पदों पर नहीं रहे, जबकि रजनीश अग्रवाल जैसे नेता संगठन में लगातार रहने के बावजूद मंत्री ही बने रहे गए। अग्रवाल के पास हमेशा संगठन के प्रमुख दायित्व रहते हैं। यह स्थित तीन अन्य मंत्रियों सहित कुछ अन्य नेताओं की भी है।

खबर संक्षेप

27 से 31 अक्टूबर तक 'शिकायत निवारण सप्ताह'

भोपाल। राज्य के सामान्य भविष्य निधि अभिदाताओं की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से कार्यालय महालेखाकार द्वितीय, मध्यप्रदेश, ग्वालियर में 27 से 31 अक्टूबर तक 'शिकायत निवारण सप्ताह' आयोजित किया जा रहा है। यह पहल महालेखाकार कार्यालय की ओर से अभिदाताओं की समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझाने और सेवा वितरण में पारदर्शिता एवं दक्षता लाने के उद्देश्य से की जा रही है। अभियान के दौरान जीपीएफ अभिदाताओं को शिकायतें सीधे महा लेखाकार कार्यालय, ग्वालियर में प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। अधिकारी अभिदाताओं की शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करवा सकेंगे।

पेंशनरों को महंगाई राहत में वृद्धि

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा एक जून 2005 के बाद सेवानिवृत्त सभी पेंशनरों/परिवार पेंशनरों एवं 80 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु के पेंशनरों को मप्र शासन के वित्त विभाग के अनुरूप एक सितंबर 2025 से छठवें वेतनमान के अनुसार 252 प्रतिशत एवं सातवें वेतनमान के अनुसार 55 प्रतिशत महंगाई राहत देने के आदेश जारी कर दिए हैं। सेवानिवृत्त पेंशनर और परिवार पेंशनर को छटवें वेतनमान के अनुसार एक सितंबर 2025 से छह प्रतिशत की वृद्धि एवं सातवें वेतनमान के अनुसार दो प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

बिजली कंपनीः वाट्सएप चैटबोट सुविधा प्रारंभ की

भोपाल। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की सूचना प्रौद्योगिकी टीम की ओर से उपभोक्ता सुविधा के लिए वाट्सएप चैटबोट व्यवस्था प्रारंभ की है। प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के समक्ष इस नई व अत्याधुनिक व्यवस्था का प्रस्तुतिकरण व अनौपचारिक शुभारंभ हुआ। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपभोक्ताओं को अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर से वाट्सएप से 7312426395 पर Hi लिखना होगा। इसके बाद हिंदी अंग्रेजी भाषा के विकल्प का चयन करना होगा।

नक्सलियों ने दो ग्रामीणों को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

नक्सलियों ने एक बार फिर दहशत फैलाने की कोशिश करते हुए खूनी वारदात को अंजाम दिया है। उसूर इलाके में बीती रात दो ग्रामीणों की निर्मम हत्या कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, बीती रात जिले के उसूर थाना क्षेत्र के ग्राम नेलाकांकेर में नक्सलियों ने दो ग्रामीणों पर धारदार हथियार से हमला कर उनकी निर्ममता से हत्या कर दी। मृतकों की पहचान रवि कटटम और तिरूपति सोढी के रूप में हुई है। इधर नक्सलियों के द्वारा धारदार हथियार से मारकर हत्या करने की सूचना उसूर थाना को मिली है। सूचना पर थाना उसूर द्वारा घटना की तस्दीक की जा रही है।

आयुक्त ने टीकमगढ़ नगरपालिका के 4 कर्मचारियों को किया निलंबित

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने टीकमगढ़ नगरपालिका परिषद के 4 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित कर्मचारियों के संबंध में टीकमगढ़ विधायक यादवेन्द्र सिंह ने शिकायत की थी। नगरीय प्रशासन संचालनालय की ओर से कार्यपालन यंत्री सागर को विधायक की शिकायत की जांच के निर्देश दिए गए थे। प्राप्त जांच प्रतिवेदन में 4 कर्मचारियों को दोषी पाया गया। दोषी कर्मचारियों की ओर से अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन में घोर लापरवाही, उदासीनता और अनुशासनहीनता पाई गई। निलंबित कर्मचारियों में टीकमगढ़ नगरपालिका परिषद के तत्कालीन उपयंत्री विजय सोनी और बीके चतुर्वेदी, तत्कालीन मुख्य नगरपालिका अधिकारी गीता मांझी तथा सहायक ग्रेड-3 सूर्या नायक दोषी पाए गए।

अभियान के तहत जन सुरक्षा शिविर का आयोजन किया

नई दिल्ली। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली उत्तर एवं नई दिल्ली द्वारा 24 अक्टूबर 2025 को वित्तीय समावेशन अभियान के तहत जन सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम दिलशाद गार्डन क्षेत्र में उप अंचल प्रमुख श्री अरुण कुमार (महाप्रबंधक) एवं क्षेत्र प्रमुख श्री राजकुमार (दिल्ली उत्तर) एवं श्री हरि औम वत्स (नई दिल्ली) के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री एस.एस. परिहार (जिलाधिकारी शाहदरा, दिल्ली) एवं गणमान्य अथितियों में श्री राजीव रंजन (उप जिलाधिकारी शाहदरा, दिल्ली) श्री अजय गुप्ता (उप सचिव-डीएफ़एस) एवं श्री हरि शंकर (मुख्य जिला प्रबन्धक-शाहदरा, दिल्ली) उपस्थित रहें। कैंप में 250 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में वित्तीय समावेशन हेतु ग्राहकों को विविध योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया जिसमें जनसुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना को नुक्कड़ नाटक के जरिए प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही खाताधारकों के मृत्यु दावा निपटान भी किए गए। मुख्य अतिथि श्री एस.एस. परिहार द्वारा पीएमएसबीवाई व पीएमजेबीवाई के नामांकन प्रमाण पत्र एवं मुद्रा ऋण अनुमोदन पत्र भी प्रदान किए गए।

पूर्व दिशा की ओर जाने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ–2025

छठ पूजा त्यौहार के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से दिनांक 26.10.2025 एवं 27.10.2025 को पूर्व दिशा की ओर निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
दिनांक 26.10.2025 (रविवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची						
02254	नई दिल्ली (वंदे भारत)	08:35	पटना जं.	21:30	वाता. कुर्सीयान, एग्ज. कुर्सीयान	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर और आरा
04450	नई दिल्ली	15:10	दरभंगा	16:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
04454	नई दिल्ली	20:00	मानसी	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगू सराय एवं खगड़िया जं.
04456	नई दिल्ली	22:40	धनबाद	02:20	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, आलमनगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, भदोही, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो
04458	आनन्द विहार (ट.)	13:40	भागलपुर	14:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा जं., हाथीदा जं., बडहिया, लक्खीसराय जं., किउल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर एवं सुल्तानगंज
04016	आनन्द विहार (ट.)	15:30	सीतामढ़ी	15:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., गोरखपुर, कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनिया
04452	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा जं.	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., जंघई जं., वाराणसी जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, धनबाद जं., आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंदेल जं.,
04094	हजरत निजामुद्दीन	11:00	पटना जं.	05:00	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र	21:30	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04098	नई दिल्ली	09:30	हसनपुर रोड	12:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, बुढ़वल, गोंडा, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जं.
02878	आनन्द विहार (ट.)	04:00	रांची	05:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, नबीनगर रोड, जपला, गढ़वा रोड जं., डाल्टनगंज, लातेहार, तोरी, बरका काना एवं मुरी
04090	आनन्द विहार (ट.)	14:25	पटना जं.	11:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, बलिया, सहतवार, सुरेमनपुर, छपरा एवं पाटलिपुत्र
02392	आनन्द विहार (ट.)	23:20	पटना जं.	17:20	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयन. एवं सामा.	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
02418	दिल्ली जं.	09:30	प्रयागराज जं.	19:40	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ जंक्शन, टुंडला जंक्शन, इटावा, गोविंदपुरी एवं फ़तेहपुर
05220	आनन्द विहार (ट.)	12:00	मुजफ्फरपुर जं.	09:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयन. एवं सामा.	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर एवं हाजीपुर
03698	दिल्ली जं.	08:55	गया	00:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
05580	आनन्द विहार (ट.)	05:15	पूर्णिया कोर्ट	13:45	3 टियर वाता.	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढी, जनकपुर रोड, शिशो हॉल्ट, सकरी जं., झंझारपुर जं., घोघरडीहा, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल, गढ़ बरुआरी, सहरसा जं., दौरम मधेपुरा, मुरलीगंज एवं बनमनखी जं.
05284	आनन्द विहार (ट.)	07:00	मुजफ्फरपुर जं.	04:50	3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जंक्शन, बस्ती, गोरखपुर, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी एवं मोतीपुर
03310	दिल्ली जं.	11:45	धनबाद	13:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी	टूंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो
04404	शकूरबस्ती	15:15	पटना जं.	13:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04406	शकूरबस्ती	20:15	सहरसा जं.	05:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., समस्तीपुर जं., दलसिंह सराय, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं. एवं मानसी जं.
04410	शकूरबस्ती	13:00	झंझारपुर जं.	18:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं. गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं. नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., सीतामढी एवं शिशो हाल्ट
04148	नई दिल्ली	09:45	प्रयागराज	20:20	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़, टूंडला, इटावा, कानपुर सेंट्रल एवं फतेहपुर
दिनांक 27.10.2025 (सोमवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची						
02252	नई दिल्ली (वंदे भारत)	08:35	पटना जं.	21:30	वाता. कुर्सीयान	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04204	नई दिल्ली	20:20	लखनऊ	06:35	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयन. एवं सामा.	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर एवं हरदोई
04450	नई दिल्ली	15:10	दरभंगा	16:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
04454	नई दिल्ली	20:00	मानसी	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगू सराय एवं खगड़िया जं.
04456	नई दिल्ली	22:40	धनबाद	02:20	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, आलम नगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, भदोही, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो
04458	आनन्द विहार (ट.)	13:40	भागलपुर	14:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा जं., हाथीदा जं., बडहिया, लक्खीसराय जं., किउल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर एवं सुल्तानगंज
04016	आनन्द विहार (ट.)	15:30	सीतामढ़ी	15:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., गोरखपुर, कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनिया
04452	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा जं.	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., जंघई जं., वाराणसी जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, धनबाद जं., आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंदेल जं.,
04094	हजरत निजामुद्दीन	11:00	पटना जं.	05:00	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र	21:30	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04098	नई दिल्ली	09:30	हसनपुर रोड	12:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, बुढ़वल, गोंडा, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जं.
04090	आनन्द विहार (ट.)	14:25	पटना जं.	11:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, बलिया, सहतवार, सुरेमनपुर, छपरा एवं पाटलिपुत्र
03256	आनन्द विहार (ट.)	23:30	पटना जं.	18:35	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
03258	आनन्द विहार (ट.)	05:00	दानापुर	20:45	3 टियर वाता. इकोनॉमी	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
02398	आनन्द विहार (ट.)	08:20	गया	00:30	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
03640	दिल्ली जं.	19:00	गया	11:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
04124	हजरत निजामुद्दीन	15:45	प्रयागराज जं.	09:10	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कोसी कलां, मथुरा जं., आगरा कैंट, धौलपुर, ग्वालियर जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, मऊ रानीपुर, हरपालपुर, कुलपहाड़, महोबा, बांदा जं., अतर्रा, चित्रकूट धाम, मानिकपुर जं., डभौरा एवं शंकरगढ़

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील पदार्थ जैसे कि पटाखे, पेट्रोल, गैस सिलेण्डर, केरोसिन, इत्यादि कदापि लेकर सफर न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य जानकारी जैसे कि सीट उपलब्धता और समय–सारणी आदि के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहको की सेवा मे मुस्कान के साथ

पर हमें फॉलो करें

देश बिहार विधानसभा के चुनाव को बहुत ही अधिक आतुरता और जिज्ञासा के साथ देख रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव का परिणाम वस्तुतः सन् 2027 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए निर्णायक तौर पर मार्ग प्रशस्त कर सकता है। जो भी राष्ट्रीय चुनाव गठबंधन इस चुनाव को जीतेगा, संभवतया वही, राजनीतिक गठबंधन लोकसभा के आगामी चुनाव के लिए राष्ट्रीय स्तर अपने पक्ष में एक सकारात्मक वातावरण को तैयार कर सकता है। अतः राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन और महागठबंधन ने पूरी ताकत बिहार विधानसभा के चुनाव में झोंक दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए अभियान ने बिहार चुनाव को तेजतर स्तर पर पहुंचा दिया है। नीतीश कुमार भी चुनाव को धार दे रहे हैं। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को अंतिम मतदाता तक पहुंचाने में तो कामयाब रहे हैं, लेकिन वोट कितने मिलेंगे ये कहना अभी जल्दबाजी होगी। राहुल गांधी तेजस्वी को आगे करके चुनाव पर वोट चोरी का रंग चढ़ाने में लगे हैं। मुकेश सहनी राजनीतिक सौदेबाजी करके उपमुख्यमंत्री पद के दावेदार तो हो गए, लेकिन महागठबंधन को इससे फायदा होगा या नुकसान इसी का आंकलन करता *आजकल* का यह खास अंक...

सियासत की राह तय करेगा बिहार चुनाव

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

सियासी मामलों के जानकार

आजकल समस्त देश बिहार विधानसभा के चुनाव को बहुत ही अधिक आतुरता और जिज्ञासा के साथ देख रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव का परिणाम वस्तुतः सन् 2027 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए निर्णायक तौर पर मार्ग प्रशस्त कर सकता है। जो भी राष्ट्रीय चुनाव गठबंधन इस चुनाव को जीतेगा, संभवतया वही राजनीतिक गठबंधन लोकसभा के आगामी चुनाव के लिए राष्ट्रीय स्तर अपने पक्ष में एक सकारात्मक वातावरण को तैयार कर सकता है। अतः राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने और महागठबंधन ने पूरी ताकत बिहार विधानसभा के चुनाव में झोंक दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए चुनाव अभियान के द्वारा बिहार विधानसभा के चुनाव को तेजतर स्तर पर पहुंचा दिया गया है। सबसे पहले नरेंद्र मोदी ने बिहार के समाजवादी जननायक कर्पूरी ठाकुर के गांव जाकर एनडीए के चुनाव प्रचार अभियान का आगाज किया और 45 मिनट की अपनी तकरीर में 17 दफा बिहार के राजद दौर के जंगल राज़ का उल्लेख किया। महागठबंधन द्वारा तेजस्वी यादव को बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया। बिहार में महागठबंधन का नेतृत्व संभालते ही तेजस्वी यादव ने बकायदा ऐलान कर दिया कि अगर महागठबंधन सत्तासीन हुआ तो पहली कैबिनेट बैठक में ही दस लाख सरकारी नौकरियों की मंजूरी प्रदान कर देंगे। वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फरमाया है कि तेजस्वी यादव एक असंभव चुनावी वादा कर रहे हैं और युवाजनों को एक झूठा सपना दिखा रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में इस दफा नौजवानों के वोट निर्णनायक सिद्ध होने जा रहे हैं। नेपाल की जेनजी आंदोलन से प्रेरित होकर बिहार के युवाजन एक नए तेवर में राजनीति को निहार रहे हैं और इसको बदलने के लिए कमर कस रहे हैं। बिहार में बेरोज़गार युवाओं की संख्या संभवतः देश में सबसे अधिक है। इस दफा बिहार चुनाव में जातिगत समीकरण कुछ परिवर्तित हो सकते हैं। उनको उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने का पैगाम वस्तुतः महागठबंधन के समर्थकों के मध्य नकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है जिससे महागठबंधन को भारी क्षति हो सकती है।

युवाओं के वोट होंगे निर्णायक

उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव में इस दफा नौजवानों के वोट निर्णनायक सिद्ध होने जा रहे हैं। नेपाल की जेनजी आंदोलन से प्रेरित होकर बिहार के युवाजन एक नए तेवर में राजनीति को निहार रहे हैं और इसको बदलने के लिए कमर कस रहे हैं। बिहार में बेरोज़गार युवाओं की संख्या संभवतः देश में सबसे अधिक है। देशभर में तकरीबन 20 प्रतिशत नौजवान बेरोजगारी से संत्रस्त हैं। 2024 में महागठबंधन का परित्याग करके नीतीश कुमार पुनः एनडीए गठबंधन में शामिल हो गए। सत्य है कि नीतीश कुमार बिहार की राजनीति में अब पहले जैसे चमकते हुए राजनीतिक सितारे नहीं रह गए हैं।

नीतीश का उत्तराधिकारी कौन

नीतीश कुमार कुछ अस्वस्थ हैं और पहले जैसा राजनीतिक तेवर उनके अंदर कदाचित नहीं बचा हैं। उनका उत्तराधिकारी कौन बनेगा अभी नहीं कहा जा सकता। नीतीश कुमार के राजनीतिक रणनीतिकार रहे, प्रशांत किशोर अपनी राजनीतिक पार्टी का गठन करके, बिहार विधानसभा चुनाव के मैदान में उतरे हैं। प्रशांत किशोर की अपनी पार्टी का नाम है जन सुराज पार्टी। पार्टी के चुनाव अभियान के अध्यक्ष हैं सुधीर शर्मा और प्रशांत किशोर अपनी पार्टी के स्टार प्रचारक हैं। प्रशांत किशोर स्वयं चुनाव मैदान में नहीं उतरे हैं, किंतु उनकी पार्टी ने सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारें हैं। प्रशांत किशोर ने विगत तीन वर्षों में संपूर्ण बिहार का सघन दौरा किया है और यह दावा पेश किया कि वह बिहार की राजनीति की दशा और दिशा दोनों ही बदल कर ही दम लेंगे। प्रारम्भ में अनेक प्रोफेशनल्स और बौद्धिक जनगण प्रशांत किशोर के साथ जुड़ गए थे। किंतु अनेक योग्य कार्यकर्ताओं के स्थान पर अनेक अयोग्य किंतु धनवानों को जन सुराज पार्टी का टिकट दिए जाने से प्रशांत किशोर की राजनीतिक साख किसी हद तक गिर गई है।

संकीर्ण जातिवादी राजनीति

फिर भी उम्मीद शेष है कि प्रशांत किशोर का कड़ा परिश्रम और राजनीति में उनकी नैतिक सोच का किंचित निर्णायक का प्रभाव बिहार की संकीर्ण जातिवादी राजनीति पर इस चुनाव में शायद दिखाई दे जाए। प्रशांत किशोर अपनी चुनाव सभाओं में शिक्षा, स्वाथ्य, बेरोजगारी, आर्थिक विकास आदि बुनियादी सवालों को उठा रहे हैं। अन्यथा आजकल जातिवादी समीकरणों के दलदल में धंसा हुआ बिहार विधानसभा का चुनाव बिहार को ना जाने किस भटकी हुई राह पर ले जा रहा है। एक ऐतिहासिक दौर में बिहार समाजवादी जनसंघर्षों का जबरदस्त गढ़ रहा था। बिहार की राजनीति द्वारा कर्पूरी ठाकुर सरीखे अनेक कर्मठ, ईमानदार और दिग्गज समाजवादियों को जन्म देकर राष्ट्र के पटल पर एक बड़ी उम्मीद उत्पन्न की गई थी। बिहार के समाजवादी आंदोलन द्वारा और विशेषकर जेपी आंदोलन ने देश को एक नई दिशा प्रदान की थी और राष्ट्रीय स्तर पर संपूर्ण क्रांति की एक प्रबल उम्मीद जगाई थी। दुर्भाग्यवश जेपी की संपूर्ण क्रांति वस्तुतः एक संपूर्ण भ्रांति बनकर रह गई। 2003 के पश्चात बिहार चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (इंटेंसिव रिवीजन) का विशद कार्य प्रारम्भ किया गया। महागठबंधन ने इल्जाम आयद किया कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (इंटेंसिव रिवीजन) के नाम पर चुनाव आयोग द्वारा मनमाने तौर पर मतदाता सूची से बहुत बड़ी संख्या में वैलिड वोटरों के नाम हटा दिए गए। चुनाव आयोग ने न केवल नए मतदाताओं से दस्तावेज मांगे, वरन् 2003 से प्रत्येक चुनाव में मतदान कर रहे मतदाताओं से भी दस्तावेज मांगे गए। जून 2025 में जब इंटेंसिव रिवीज़न अर्थात गहन पुनरिक्षण प्रक्रिया शुरू होने से पहले बिहार में 7.89 करोड़ मतदाता थे। 30 सितंबर 2025 को चुनाव आयोग द्वारा अंतिम मतदाता सूची जारी की गई, जिसके मुताबिक मतदाता सूची में केवल 7.42 करोड़ मतदाता शेष रह गए हैं। चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची से लगभग 6 प्रतिशत मतदाता हटा दिए गए।

गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया बड़ा मुद्दा

महागठबंधन द्वारा गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को बड़ा चुनावी मुद्दा बना दिया गया। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के विरूद्ध राजनीतिक वोटर यात्रा निकाली। वोट चोरी महागठबंधन का एक विकट नारा बन गया है। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के शीर्ष नेतृत्व में एक नाम उभरकर आया मुकेश सहनी, जिसको महागठबंधन द्वारा उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया। मुकेश सहनी मल्लाह जाति का लीडर है। नीतीश कुमार ने अति पिछड़ा वर्ग को अपने साथ जोड़ने में कामयाबी हासिल की थी। इस दफा बिहार चुनाव में जातिगत समीकरण कुछ परिवर्तित हो सकते हैं। मुकेश सहनी राजनीतिक सौदेबाजी और मौकापरस्ती के माहिर खिलाड़ी रहे हैं। उनको उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने का पैगाम वस्तुतः महागठबंधन के समर्थकों के मध्य नकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है जिससे महागठबंधन को भारी क्षति हो सकती है।

देश में महागठबंधनों की बढ़ी महिमा

उठापटक

कांतिलाल मांडोत

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में विधानसभा चुनाव है। देश की आजादी के बाद कांग्रेस एक ऐसी पार्टी रही थी, जो अपने दम पर चुनाव लड़ती आ रही थी लेकिन 1977 के बाद से पार्टी का प्रभुत्व कई पार्टियों के महा गठजोड़ के बीच झूलता आ रहा है। मई 2014 के बाद से भारतीय जनता पार्टी इस हैसियत में पहुंच गई। वैसे ,राज्यों में तो गठबंधन का दौर काफी पहले 1967 में ही आ गया था। कांग्रेस का भ्रष्टाचार देश की आजादी के दो वर्ष के बाद शुरू हो गया था। कांग्रेस धीरे-धीरे राज्यों से कटती आ रही है। अचानक कांग्रेस का जनाधार खत्म नहीं हुआ है। जिस तरह से भ्रष्टाचार के दोषियों का नाम अखबार में उजागर होता था, उस दौर में मतदाता कांग्रेस से मुह मोड़ते गए। उतर के साथ राज्य और तमिलनाडु में गठबंधन सरकारों और वैचारिक रूप से व्यापक गठबन्धन का प्रयोग हुआ था। ये तमाम गठबंधन भले नाजुक,अस्थायी और परेशानी वाले रहे हो, मगर इनमें मतदाताओं का व्यापक प्रतिनिधित्व हुआ करता था। कांग्रेस अब हर राज्य में गठबंधन के साथ चुनाव लड़ रही है। यूपी में समाजवादी के साथ गठबंधन में रही कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा था। बिहार में राजद के साथ गठबंधन में भी गीले-शिकवे पैदा हो गए हैं। कांग्रेस की विचारधारा जनता के अनुरूप नहीं है। कांग्रेस अपने मन की करती है, उसी का नतीजा है कि कांग्रेस की कथनी-करनी में समानता नजर नहीं आती है। बिहार में जनसुराज पार्टी के 116 प्रत्याशियों का ऐलान की सूचना है, वहीं जातिगत समीकरण को केंद्र बिंदु रखा है। बिहार में धमाका होगा। पीएम मोदी जननायक कर्पूरी ठाकुर के गांव से विधानसभा चुनाव में प्रचार करेंगे। नीतीश और भाजपा के सीट बंटवारे कर दिए गए हैं और शांति के साथ चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को जवाबदेही सौंप दी गई है। उधर,कयास लगाया जा रहा है कि महागठबंधन खंड-खंड बंट चुका है। घटक दल अब एक दूसरे के खिलाफ हो चुके है। महागठबंधन नाम की कोई चीज अब शेष नहीं रही है। राजद के सुप्रीमो तेजस्वी एक तरफ खींच रहे है तो राहुल दूसरी तरफ खींच रहे हैं। तब महागठबंधन का क्या औचित्य है? दोनों दलों ने जिस तरह से एकता का दिखावा चुनाव के पहले किया गया था। वो बेनकाब हो चुका है। राजद और कांग्रेस दोनों पार्टियो की दिशा और दशा अलग है। आपसी विश्वास नही पनपा पाए दोनो दल पर मतदाता क्या भरोसा कर पाएगा ? 1977 में इंदिरा गांधी की निरंकुश इमरजेंसी और जेपी आंदोलन की परिणीति जनता पार्टी के स्वरूप में एक महागठबंधन में हुई, जिसमें वैचारिक रूप से विपरीत ध्रुव की पार्टियां शामिल थी।क ये गठबंधन मजबूरी में बनाये गए थे। चुनाव के बाद जीत की खुशी दोगुनी होती है, लेकिन बीच में विवाद खड़ा होता है तो मायूस हो जाते है। जनसंघ से लेकर वाम मोर्चे तक, जयप्रकाश नारायण कांग्रेस विरोधी विपक्ष के मसीहा बन गए। 1977 के इस प्रयोग के आधार पर विश्वनाथ प्रताप सिंह ने 1989 में राजीव गांधी की सरकार के खिलाफ गठबंधन बनाने का कामचलाऊ प्रयोग किया, जिसमें बीजेपी और वाम मोर्चे को सहयोग के रूप ने शामिल किया गया। अब का दौर अलग है। उसके बाद 1996 में दो अल्पमत संयुक्त मोर्चा सरकारों के प्रयोग हुए। एक एच-डी देवगौड़ा और दूसरा इंद्रकुमार गुजराल के नेतृत्व में सरकार बनी। अब तो देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा भी गठबंधन का तिलिस्म तोड़ने के लिए राजी नहीं है। एनडीए गठबंधन में आज भी यह नियम है कि भाजपा बहुमत में है तो भी एनडीए घटक दलों को नहीं छोड़ते हैं। यह नीति है। यह गठबंधन की अच्छाई का नमूना है। उस दौर में क्षेत्रीय और राज्यों के क्षत्रपों की महत्वाकांक्षाओं का उभार इतना हो चुका था कि चुनावी नजरिए से राष्ट्रीय पार्टियों के लिए उन्हें दल नजरअंदाज करना लगभग नामुमकिन हो गया। लिहाजा, दो प्रमुख राष्ट्रीय गठबन्धनों की नींव पड़ी। जो भारतीय राजनीति की नई हकीकत बन गए। कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूपीए गठबंधन और भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए पिछले कई वर्षों से क्षत्रिय दलों ने इन्ही में से किसी एक के साथ अपनी निष्ठाओं और अपने चुनावी भविष्य को बांध रखा है। कांग्रेस ने मोदी को हराने के लिए सभी घटक दलों से मिलकर इंडिया महागठबंधन बनाया गया। महागठबंधन में बिहार में राजद शामिल है। इनके नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है। एनडीए के नेता नरेंद्र मोदी सबसे लोकप्रिय नेता है लेकिन सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों में तीन सबसे लोकप्रिय नेता नीतिश कुमार रहे हैं और ममता और केजरीवाल आदि गैर एनडीए दलों से नाम चर्चित थे। नीतीश को छोड़कर ममता और केजरीवाल की साख में कुछ वृद्धि नहीं हुई है।

पीएम मोदी जननायक कर्पूरी ठाकुर के गांव से विधानसभा चुनाव में प्रचार करेंगे। नीतीश और भाजपा के सीट बंटवारे कर दिए गए हैं और शांति के साथ चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को जवाबदेही सौंप दी गई है।

अवैध प्रवासन अब नहीं रही बड़ी समस्या

निवारण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

राष्ट्रीय समस्याएं कई स्तर पर कई विकृत व विसंगत स्वरूपों में हल हुए बिना ही परिव्याप्त हैं। जब तक इन समस्याओं का युद्धस्तर पर, क्रांतिकारी ढंग से, सुनियोजित व सुशासकीय विधिपूर्वक समाधान नहीं हो जाता, तब तक मूल भारतीय निवासियों का जीवन कितनी ही आधुनिक प्रगतियों के उपरांत भी असंतुष्ट, अशांत व दुःखी बना रहेगा। ऐसी ही समस्याओं में से एक है देश में अवैध प्रवासन। औपचारिक रूप में स्वतंत्र होने के बाद से लेकर अब तक अवैध प्रवासन वर्ष-प्रतिवर्ष नई-नई चुनौतियों के साथ बढ़ता रहा है। केंद्र व राज्यों में स्थापित रहे पहले के शासन ने इस ओर समस्या की दृष्टि के साथ ध्यान ही नहीं दिया। इसके विपरीत ऐसे शासन ने अवैध रूप में भारत में रहे लोगों को अपने-अपने राजनीतिक दलों के लिए मतदाताओं के रूप में इस्तेमाल किया। सत्तारूढ़ होने के लिए ऐसे दलों का यह राजनीतिक अभ्यास आज भी यथावत है। चौदह वर्ष पूर्व केंद्र में सत्तासीन राजग के शासनकाल में यह दुष्प्रवृत्ति पहचानी गई। इसके निवारण हेतु राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक प्रयास किए गए। गत चौदह वर्षों से इस दिशा में सैद्धांतिक स्तर पर तो शासकीय-प्रशासकीय कार्य अवश्य हो रहे हैं, किंतु धरातल पर क्रांतिकारी व त्वरित कार्यों का निष्पादन नहीं हो पा रहा है। हालांकि केंद्रीय शासन ने अवैध प्रवासन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु गत मार्च के प्रथम सप्ताह में संसद में एक विधेयक पारित किया था, किंतु विधेयक का धरातली प्रभावपूर्ण क्रियान्वयन आज तक भी आरंभ नहीं हो सका है। गत अप्रैल में पहलगाम नरसंहार हुआ था। नरसंहार के दोषी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों को कठोर दंड देने के संकल्प के साथ ही भारतीय शासन ने पाकिस्तान के साथ व्यापार समेत अनेक स्तरीय संबंध समाप्त कर दिये थे। पाक नागरिकों को कुछ दिनों में भारत छोड़ने के लिए कह दिया गया था। परिणामस्वरूप देशभर में पाकिस्तान समेत अनेक अन्य सीमावर्ती देशों के अवैध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें भारत से बाहर निकालने का अभियान आरंभ हुआ था। समय बीतने पर पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों व आतंकवादियों को समाप्त करने के बाद प्रतिशोधवश किए गए पाक के दुस्साहस को ध्वस्त करने हेतु भारत-पाकिस्तान के मध्य दो अल्प समयावधियों के युद्ध भी हुए। शासकीय कार्यगत दिशादृष्टि अवैध प्रवास के रोकथाम तथा एक-एक अवैध व्यक्ति को देश से बाहर करने के लिए भी जाग्रत होना चाहिए। विकसित भारत के संकल्प को सुव्यवस्थित ढंग से साधने के लिए जिन-जिन समस्याओं का प्रमुखता के आधार पर निवारण होना चाहिए, उनमें अवैध प्रवास सबसे पहले हैं। अतः केंद्रीय शासन को इस दिशा में बिना रुके निरंतर ढंग से कार्य करने की आवश्यकता है।

विकसित भारत के संकल्प को सुव्यवस्थित ढंग से साधने के लिए जिन-जिन समस्याओं का प्रमुखता के आधार पर निवारण होना चाहिए, उनमें अवैध प्रवास सबसे पहले हैं।

यह भी जानें : अब तक ये रहे सीएम

मुख्यमंत्री	कार्यकाल	मुख्यमंत्री	कार्यकाल
श्रीकृष्ण सिन्हा	26 जनवरी 1950 - 31 जनवरी 1961	राम सुंदर दास	21 अप्रैल 1979- 17 फरवरी 1980
दीप नारायण सिंह	1 फरवरी 1961 - 18 फरवरी 1961	राष्ट्रपति शासन	17 फरवरी 1980 - 8 जून 1980
बिनोदानंद झा	18 फरवरी 1961 - 2 अक्टूबर 1963	जगन्नाथ मिश्रा	8 जून 1980 - 14 अगस्त 1983
केबी सहाय	2 अक्टूबर 1963 - 5 मार्च 1967	चंद्रशेखर सिंह	14 अगस्त 1983 - 12 मार्च 1985
महामाया प्रसाद सिन्हा	5 मार्च 1967 - 28 जनवरी 1968	बिंदेश्वरी दुबे	12 मार्च 1985 - 13 फरवरी 1988
सतीश प्रसाद सिंह	28 जनवरी 1968 - 1 फरवरी 1968	भागवत झा आज़ादी	14 फरवरी 1988 - 10 मार्च 1989
बी. पी. मंडल	1 फरवरी 1968 - 22 मार्च 1968	सत्येंद्र नारायण सिन्हा	11 मार्च 1989 - 6 दिसंबर 1989
भोला पासवान शास्त्री	22 मार्च 1968 - 29 जून 1968	जगन्नाथ मिश्रा	6 दिसंबर 1989 - 10 मार्च 1990
राष्ट्रपति शासन	29 जून 1968 - 26 फरवरी 1969	लालू प्रसाद यादव	10 मार्च 1990 - 28 मार्च 1995
हरिहर सिंह	26 फरवरी 1969 - 22 जून 1969	राष्ट्रपति शासन	28 मार्च 1995 - 4 अप्रैल 1995
भोला पासवान शास्त्री	22 जून 1969 - 4 जुलाई 1969	लालू प्रसाद यादव	4 अप्रैल 1995 - 25 जुलाई 1997
राष्ट्रपति शासन	6 जुलाई 1969 - 16 फरवरी 1970	राबड़ी देवी	25 जुलाई 1997 - 11 फरवरी 1999
दरोगा प्रसाद राय	16 फरवरी 1970 - 22 दिसंबर 1970	राष्ट्रपति शासन	11 फरवरी 1999 - 9 मार्च 1999
कर्पूरी ठाकुर	22 दिसंबर 1970 - 2 जून 1971	राबड़ी देवी	9 मार्च 1999 - 2 मार्च 2000
भोला पासवान शास्त्री	2 जून 1971 - 9 जनवरी 1972	नीतीश कुमार	2 मार्च 2000 - 10 मार्च 2000
राष्ट्रपति शासन	9 जनवरी 1972 - 19 मार्च 1972	राबड़ी देवी	11 मार्च 2000 - 6 मार्च 2005
केदार पांडेय	19 मार्च 1972 - 2 जुलाई 1973	राष्ट्रपति शासन	7 मार्च 2005 - 24 नवंबर 2005
अब्दुल गफूर	2 जुलाई 1973 - 11 अप्रैल 1975	नीतीश कुमार	24 नवंबर 2005 - 20 मई 2014
जगन्नाथ मिश्रा	11 अप्रैल 1975 - 30 अप्रैल 1977	जीतन राम मांझी	20 मई 2014 - 22 फरवरी 2015
राष्ट्रपति शासन	30 अप्रैल 1977 - 24 जून 1977	नीतीश कुमार	22 फरवरी 2015 - कार्यरत
कर्पूरी ठाकुर	24 जून 1977 - 21 अप्रैल 1979		

कार्टूनिस्ट की नजर में बिहार चुनाव...

कुल 223 विस सीटें

बिहार विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है। चुनाव आयोग ने इस बार मतदान दो चरणों में करवाने का फैसला किया है। पहले चरण में 121, जबकि दूसरे चरण में 122 सीटों पर मतदान होगा। इसमें 1314 उम्मीदवार मैदान में हैं। दूसरे और अंतिम चरण में 20 जिलों के 122 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1302 उम्मीदवार मैदान में हैं। बिहार में सामान्य की 203, एससी श्रेणी की 38, जबकि एसटी श्रेणी की 2 सीटें हैं। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर, जबकि दूसरे चरण में वोटिंग 11 नवंबर को होगी। नतीजों के लिए 14 नवंबर का इंतज़ार करना होगा। चुनाव आयोग के मुताबिक, बिहार में कुल 7.43 करोड़ मतदाता हैं। इनमें करीब 3.92 करोड़ पुरुष, 3.50 करोड़ महिला और 1,725 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। ये सभी आंकड़े 30 सितंबर 2025 तक के हैं।

चुनाव में मुख्य मुकाबला दो स्थापित गठबंधनों के बीच ही होगा

बिहार विस चुनाव

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

बिहार विधानसभा चुनाव की राजनीति स्वाभाविक ही चरम पर है । जब तक किसी चुनाव का परिणाम नहीं आता तब तक हर प्रकार के विश्लेषण और अनुमान आते रहते हैं, आते रहेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर आम विश्लेषण यह है कि भाजपा जदयू वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन या राजग और राजद, कांग्रेस , वामदल आदि के गठबंधन के बीच जबरदस्त टक्कर है और प्रशांत किशोर की नवगठित जन सुराज तीसरा स्थान पाने की स्थिति में है। एक विश्लेषण यह भी है कि जनसुराज पार्टी दोनों पक्षों को क्षति पहुंचा कर प्रभावी स्थान बना सकती है। प्रश्न है कि आखिर बिहार चुनाव में इस समय क्या संभावनायें दिखतीं हैं? 2020 विधानसभा चुनाव में दोनों मुख्य गठबंधनों के बीच केवल 12,768 वोटों का अंतर था। तब राजग को 37.26% (1,57,01,226) मत मिले थे जबकि महागठबंधन के खाते में 37.23% (1,56,88,458) मत गये। दोनों के बीच .03% मतों का मामूली अंतर था। इतने मामूली अंतर से राजग को 125 एवं राजद नेतृत्व वाले गठबंधन को 110 सीटें मिली थी। अन्य को आठ पर विजय हासिल हुई। इसके आधार पर पहला निष्कर्ष यही है कि अगर विरोधी गठबंधन को थोड़े मत और आ जाते तो नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग की सरकार नहीं बनती। इसका निष्कर्ष यह भी है कि पुनः 5 वर्ष के शासन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी सरकार को लेकर लोगों में कुछ न कुछ असंतोष होगा और इस सत्ता विरोधी रुझान का लाभ विरोधी गठबंधन को मिल सकता है।

पिछली बार बिहार की 243 सीटों वाली विधानसभा की 52 विधानसभा सीटों पर हार-जीत का अंतर भी 5 हजार से भी कम वोटों का था। लेकिन चुनाव का अंकगणित इतना सरल नहीं होता। पिछले चुनाव में चिराग पासवान की लोजपा अकेले 137 सीटों पर लड़ी थी और उसे 5.66 प्रतिशत यानी 23 लाख 83 हजार,457 मत मिले थे। इस बार चिराग पासवान गठबंधन में हैं और इन मतों को मिला दें तो दोनों के बीच बड़ा अंतर आ जाता है। तब 83 सीटों पर 10 हजार से भी कम से हार-जीत हुई थी। इन 83 सीटों में 28 पर राष्ट्रीय जनता दल और 10 पर कांग्रेस को जीत मिली थी। वास्तव में 2025 के विधानसभा चुनाव पूर्व का आकलन न 2020 और न 2015 के आधार पर हो सकता है। पिछले चुनाव में राजग गठबंधन में जीतनराम मांझी की हम और उपेंद्र कुशवाहा की रालोमो भी नहीं थी। इसी तरह मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी या वीआईपी राजग में थी जो इस बार दूसरे गठबंधन में है। अब महागठबंधन में कुल आठ दल हो गए हैं। इस समय चुनाव पूर्व राजग के पास 131 सीटें हैं, जिसमें भाजपा के पास 80, जद (यू) -45 और हम (एस) को 4 सीट है । इनके अलावा दो निर्दलीय विधायकों ने भी राजग को समर्थन दिया था। महागठबंधन के पास 111 सीटें हैं, जिनमें राजद को 77, कांग्रेस को 19, सीपीआई (एमएल) को 11, सीपीआई (एम) 2 और सीपीआई के पास 2 सीट हैं। इस बार इसमें वीआईपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और पशुपति पारस की लोजपा भी आ गई है। इस तरह विरोधी गठबंधन में 8 दल हो गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिस तरह भाजपा को छोड़ राजद और राजद छोड़ भाजपा से हाथ मिलाया उनसे उनकी साख और विश्वसनीयता काफी क्षीण हुई। बीच के काल में गुस्सा, तिलमिलाहट और वक्तव्यों में काफी असंतुलन उनकी पहचान बन रहा था। किंतु पिछले 6 महीना में आप इसमें गुणात्मक आमूल परिवर्तन देख रहे होंगे। पहले लगता था कि दोबारा साथ आने के बावजूद भाजपा उन्हें चुनाव में मुख्यमंत्री का उम्मीदवार बनाने से परहेज करेगी। भाजपा के ज्यादातर शीर्ष नेताओं ने इधर लगातार बयान दिया कि हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं और फिर से वही मुख्यमंत्री होंगे। तो इसे लेकर संदेह बिल्कुल समाप्त हो गया है। इस कारण नीतीश कुमार के समर्थक मतदाताओं के अंदर का ऊहापोह भी खत्म हो गया होगा। सीटों को लेकर गठबंधन में समस्याएं हमेशा रही हैं और इस बार भी हैं। बावजूद नीतीश कुमार चुनाव प्रचार कर रहे हैं और सभी घटक दल उनके साथ खड़े हैं। सबसे बढ़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी एकजुट हैं और उनका आभामंडल सब पर भारी है। भाजपा और राज्य की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नेतृत्वकारी राजनीतिक भूमिका का भी गहरा प्रभाव दिखाई देता है। नेतृत्व के साथ एकजुटता की यही तस्वीर विरोधी खेमे में नहीं दिखाई देती।

प्रशांत किशोर लंबी यात्राएं कर लोगों से संवाद किया है और उसका असर है। केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की नीतीश सरकार के विरुद्ध वैसा असंतोष कहीं नहीं है। कुल मिलाकर बिहार में मुख्य लड़ाई दो स्थापित गठबंधनों के बीच ही है। निस्संदेह, कुछ उम्मीदवारों को लेकर भाजपा के अपने ही कार्यकर्ताओं व समर्थकों में असंतोष है और उसका थोड़ा असर भी होगा, किंतु दूसरे गठबंधन में कलह और विद्रोह कहीं ज्यादा है। इसमें गठबंधन की एकजुटता, चुनावी तैयारी- प्रबंधन ,नेतृत्व की छवि, जनता के मुद्दे और मतदाताओं के सामूहिक मनोभावों में बड़े परिवर्तन की कामना न होने जैसे कारक ही चुनाव परिणाम निर्धारित करने में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

अब महागठबंधन में कुल आठ दल हो गए हैं। इस समय चुनाव पूर्व राजग के पास 131 सीटें हैं, जिसमें भाजपा के पास 80, जद (यू) -45 और हम (एस) को 4 सीट है। दो निर्दलीय विधायकों ने भी राजग को समर्थन दिया था।

बिहार शरीफ में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

शाह का लालू-सोनिया पर निशाना, बेटों को बनाना चाहते हैं सीएम और पीएम

कहा, अब 100 बख्तियार खिलजी भी आ जाएं, तो नालंदा को हाथ नहीं लगा सकते

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बिहार शरीफ में एक विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि लालू प्रसाद यादव और सोनिया गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि लालू जी अपने बेटे को बिहार का मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और सोनिया गांधी अपने बेटे को देश का प्रधानमंत्री। जो अपने बेटों और बेटियों की चिंता करते हैं, वे जनता की चिंता नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि अब अगर 100 बख्तियार खिलजी भी आ जाएं, तो नालंदा विश्वविद्यालय को कोई हाथ नहीं लगा सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नालंदा विश्वविद्यालय का पुनर्निर्माण कराकर उसकी ऐतिहासिक विरासत को फिर से गौरव दिलाया है।

अमित शाह ने श्रम कल्याण केंद्र मैदान में आयोजित जनसभा में नालंदा जिले की पांच विधानसभा सीटों बिहारशरीफ से डॉ. सुनील कुमार, अस्थावां से जितेंद्र कुमार, नालंदा से श्रवण कुमार, हरनौत से हरिनारायण सिंह और राजगीर से कौशल किशोरके लिए एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार किया। लालू-राबड़ी के शासनकाल पर प्रहार करते हुए शाह ने कहा कि लालू-राबड़ी के जमाने में बिहार में कानून-व्यवस्था इतनी बिगड़ गई थी कि चुनाव छह-छह चरणों में कराने पड़ते थे। नीतीश बाबू और मोदी जी के शासन में यह दो चरण में हो रहा है। इस बार एनडीए की सरकार बना दीजिए, अगली बार एक ही चरण में चुनाव होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में नीतीश कुमार ने बिहार को बेहतर प्रदेश

बनाया है और मोदी जी के नेतृत्व में राज्य नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है।

अमित शाह ने कहा कि लालू-राबड़ी के शासनकाल में बिहार में सिर्फ एक ही उद्योग चलता था डकैती, खून, फिरौती और अपहरण का। हमने किडनैपिंग की इंडस्ट्री बंद की और बरौनी, मोकामा जैसे बंद पड़े उद्योगों को फिर से शुरू करने का काम किया। उन्होंने लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि जब वे केंद्र में मंत्री थे, तब उन्होंने चारा घोटाला, लैंड फॉर जॉब्स घोटाला और अलकतरा घोटाला जैसे कई भ्रष्टाचार किए।

एनडीए सरकार के नारे विकास भी, विरासत भी को दोहराते हुए अमित शाह ने कहा कि अयोध्या में 550 साल बाद राम मंदिर का निर्माण, कश्मीर से धारा 370 का हटना और तीन तलाक का अंत मोदी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियां हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में एग्रो-प्रोसेसिंग इंडस्ट्री, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा सेंटर जैसी योजनाएं शुरू की जा रही हैं। साथ ही नालंदा में हुए विकास कार्यों जैसे फोर-लेन हाईवे, रेलवे ओवरब्रिज, स्मार्ट सिटी, उद्यान महाविद्यालय, जू-सफारी, ग्लास ब्रिज और पुलिस ट्रेनिंग अकादमी का भी जिक्र किया।

गृहमंत्री शाह ने गिनाए लालू के आधा दर्जन बड़े घोटाले

शाह ने भ्रष्टाचार को लेकर आरजेडी और कांग्रेस पर निशाना साधा। वहीं आरजेडी चीफ पर करप्शन का आरोप लगाते हुए आधा दर्जन घोटाले गिनाए। शाह ने कहा कि लालू ने चारा घोटाला, लैंड फॉर जॉब घोटाला, आईआरसीटी घोटाला, अलकतरा घोटाला, बाढ़ राहत घोटाला, बीपीएससी भर्ती घोटाला, एबी एक्सपोर्ट घोटाला, और आय से अधिक संपति का घोटाला किया है। बिहार में जब से आरजेडी की सरकार आई तो तो घोटाले ही घोटाले हुए। उन्होंने कांग्रेस को भी भ्रष्टाचार पर घेरा।

राहुल जननायक का अपमान कर रहे: नीतीश

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। नीतीश ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, हमलोग शुरू से कर्पूरी

ठाकुर जी को 'भारत रत्न' सम्मान देने की मांग कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस की केंद्र सरकारों ने उसे नहीं माना। एनडीए सरकार ने ही कर्पूरी ठाकुर जी को 'भारत रत्न' से सम्मानित किया। आज कल कुछ लोग अब स्वयं को जननायक घोषित कर असली जननायक को अपमानित करने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को जननायक कहते हैं।

भाजपा प्रवक्ता का तंज

बाप के लिए शहाबुद्दीन था, तो बेटे के लिए ओसामा

महागठबंधन की ओर से मुस्लिम उपमुख्यमंत्री के नाम को लेकर चल रही चर्चा के बीच भाजपा नेता अजय आलोक ने बड़ा तंज कसा है। अजय आलोक ने सोशल मीडिया पर लिखा-अब बिहार में 'लठबंधन' मुस्लिम उपमुख्यमंत्री के नाम पर 'ओसामा साहेब' पर एकमत है। बाप के लिए शहाबुद्दीन था, तो बेटे के लिए ओसामा! कोई गलत नहीं-जैसा चरित्र, वैसा एक्शन। भाजपा ने पहले भी महागठबंधन पर अपराधियों को बढ़ावा देने और परिवारवाद की राजनीति करने का आरोप लगाया है।

मांझी ने 11 नेताओं को पार्टी से किया निष्कासित

हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) में बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। पार्टी सुप्रीमो जीतन राम मांझी ने एक झटके में अपने 11 नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस फैसले ने ये भी साफ कर दिया है कि मांझी अब पार्टी में किसी भी तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त करने के मूड में नहीं हैं।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने नीतीश को बताया बूढ़ा

बिहार को नंबर एक बनाएंगे, भाजपा ने 'हमारे चाचा' को हाईजैक कर लिया

तेजस्वी यादव ने शनिवार को कहा कि बिहार को 'नंबर एक'बनाने के लिए राज्य में निवेश आकर्षित करने, शिक्षा को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की आवश्यकता है। नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि हमारे 'चाचा' अब बूढ़े हो गए हैं और बिहार का नेतृत्व करने में सक्षम नहीं हैं। उन्हें मोदी जी और अमित शाह ने 'हाइजैक' कर लिया है। तेजस्वी ने कहा कि वह केवल सरकार बनाने नहीं आए हैं बल्कि खगड़िया, परबत्ता और बिहार को बनाने आए हैं। एनडीए सरकार के पास कोई दृष्टि नहीं है और वह उनकी योजनाओं की नकल कर रही है। तेजस्वी ने कहा कि महागठबंधन सरकार बनने के 20 दिनों के भीतर हर घर को सरकारी नौकरी देने का कानून लाया जाएगा और 20 महीनों के भीतर नौकरियां दे दी जाएंगी। संसाधन कहां से आएंगे पर तेजस्वी ने कहा कि कुछ दिन इंतजार कीजिए, मैं बताऊंगा कि पैसा कहां से लाऊंगा।

दहेज में महागठबंधन को वोट देकर सरकार बना दो: पांडेय

समाजवादी पार्टी ने महागठबंधन के समर्थन में प्रचार के लिए 20 स्टार प्रचारकों की लिस्ट तैयार की है। सपा के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में बलिया के सांसद सनातन पांडेय का नाम भी शामिल है। वहीं पांडेय ने बलिया में शनिवार को कहा कि बिहार जाकर मतदाताओं से गुजारिश करेंगे कि दहेज में वोट दे दो और महागठबंधन की सरकार बना दो।

कोई भी आए मैं खुद ब्रांड: तेजप्रताप

यहां प्रचार के साथ ही नेताओं की बयानबाजी भी तेज हो गई है, जिसमें जनशक्ति जनता दल के नेता तेज प्रताप यादव पीछे नहीं है। उन्होंने प्रचार के लिए अखिलेश यादव के आने के सवाल पर कहा कि अखिलेश यादव आएं या कोई और आए, मैं अपनी जगह ब्रांड हूं।

आरजेडी की कद्दावर नेता प्रतिमा कुशवाह भाजपा में शामिल

चुनाव से ठीक पहले राजद को एक बड़ा झटका लगा है। पार्टी की राज्य महिला प्रकोष्ठ की पूर्व प्रमुख प्रतिमा कुशवाहा ने शनिवार को भाजपा का दामन थाम लिया। प्रतिमा ने आरोप लगाया कि राजदा में जमीनी कार्यकर्ताओं को सम्मान नहीं मिलता और यह विपक्षी पार्टी 'गंभीर रूप से बंटी हुई' है।

6 सीटों पर महागठबंधन में ही लड़ाई

यहां प्रचार एक सवाल अब भी बना हुआ कि जिन सीटों पर राजद और कांग्रेस के प्रत्याशी आमने-सामने हैं, वहां पर राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव किसके समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगे? 4 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां राजद और कांग्रेस के कार्यकर्ता एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी मैदान हैं। वहीं 2 सीटों में से एक पर राजद- वीआईपी और दूसरे पर कांग्रेस-सीपीआई आमने सामने है।

टीएमसी को हटाया नहीं गया तो डेमोग्राफी बदल जाएगी: शुभेंदु

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि अगर आगामी विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को हटाया नहीं गया तो तो राज्य की जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) बदल जाएगी। भाजपा भारतीय मुसलमानों के खिलाफ नहीं है, बल्कि रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ है, जिन्हें सत्ता में आने के बाद पहचाना जाएगा, उनके नाम हटाए जाएंगे और आखिरकार उन्हें

- भाजपा भारतीय मुसलमानों के खिलाफ नहीं है, बल्कि रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ

देश से बाहर निकाला जाएगा। टीएमसी, कांग्रेस और वाम दलों की ओर से कई बार लगाए जाने वाले इस आरोप पर कि भाजपा मुसलमान विरोधी है, अधिकारी ने कहा कि उन्होंने यह कभी नहीं कि उन्हें मुसलमानों की वोट की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे यह समझ नहीं आता कि मुसलमान वोट क्यों नहीं मिल रहे हैं। टीएमसी उनका इस्तेमाल वोटबैंक की राजनीति के लिए कर रही है।

भाजपा नेता ने शनिवार को आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) रोहिंग्या 'घुसपैठियों' को राज्य में बसने में मदद कर रही है और उन्हें जाली दस्तावेज प्रदान कर रही है। अधिकारी दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर में आयोजित विजय संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे। शुभेंदु अधिकारी ने यह भी दावा किया कि टीएमसी के शासन में राज्य में हिंदुओं की संख्या घटती जा रही है और 85 फीसदी से घटकर 2027 की जनगणना में 65 फीसदी रह जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि बांग्लादेश में हिंदू गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं और अगर जनसांख्यिकी में बदलाव रोका नहीं गया, तो बंगाल में भी ऐसा ही हाल हो सकता है।

उन्होंने कहा कि यह शर्मनाक है कि महिला मुख्यमंत्री के शासन में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं और बंगाल के लोगों का सिर झुक रहा है। उन्होंने कहा कि कामडुनी, आरजी कर से दुर्गापुर तक, दुष्कर्मियों में अपराध करने का साहस बढ़ा है। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी कहा कि पश्चिम बंगाल को इस स्थिति से बचाने के लिए ममता बनर्जी सरकार को उखाड़ फेंकना जरूरी है। अधिकारी ने हाल ही में दुर्गापुर में एक मेडिकल छात्रा के साथ दुष्कर्म और कई जिलों में महिला चिकित्सा कर्मियों और राज्य संचालित अस्पताल में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित अत्याचार की भी आलोचना की।

दिल्ली एम्स के दीक्षांत समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने कहा

भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में नए आयाम छू रहा युवा डॉक्टर सहानुभूति के साथ सेवा करें

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 50वां दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने छात्रों को सम्मानित किया और उनसे देश में ही स्वास्थ्य सेवा देने का आग्रह किया। नड्डा ने एम्स के योगदान की सराहना की और छात्रों को भारत में सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे देश की स्वास्थ्य प्रणाली मजबूत हो सके। छात्रों ने देश सेवा का संकल्प लिया।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को दिल्ली एम्स के 50वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस दौरान, उन्होंने छात्रों को बधाई दी और भारत में चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा और रोगी देखभाल को आगे बढ़ाने में एम्स के अद्वितीय योगदान की सराहना की। नड्डा ने युवा डॉक्टरों से आग्रह किया कि वे सहानुभूति के साथ सेवा करें, नैतिकता के उच्चतम मूल्यों को बनाए रखें और देश की उभरती स्वास्थ्य देखभाल जरूरतों को पूरा करने के लिए नवाचार का उपयोग करें। दिल्ली एम्स के बारे में नड्डा ने कहाल कि चिकित्सा विज्ञान, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एम्स ने न सिर्फ भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है। भारत के स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में पिछले दशक में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि पिछली सदी के अंत में देश में सिर्फ एक एम्स था, जबकि आज पूरे भारत में 23 एम्स कार्यरत हैं। यह सरकार की इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और चिकित्सा प्रशिक्षण देश के हर क्षेत्र तक पहुंचें।

चिकित्सा विज्ञान, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एम्स ने वैश्विक पहचान बनाई

11 वर्ष में देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 819 पर पहुंची

उन्होंने बताया कि पिछले 11 सालों में देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 819 हो गई है। इसी प्रकार, अंडर ग्रेजुएट मेडिकल सीटें 51 हजार से बढ़कर 1.29 लाख और पोस्ट ग्रेजुएट सीटें 31 हजार से बढ़कर 78 हजार हो गई हैं। नड्डा ने यह भी बताया कि अगले 5 सालों में अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर अतिरिक्त 75 हजार सीटें जोड़ी जाएंगी।

भारत ने मातृ और शिशु स्वास्थ्य क्षेत्र में भी प्रगति की, मातृ मृत्यु दर तेजी से घटी

नड्डा ने बताया कि भारत ने मातृ और शिशु स्वास्थ्य क्षेत्र में भी प्रगति की है, जहां एसआरएस के आंकड़ों के अनुसार, मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) 130 से घटकर 88 और शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 39 से घटकर 27 हो गई है। 5 साल से कम आयु की मृत्यु दर (यूएमआर) और नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) में भी क्रमश: 42 प्रतिशत और 39 प्रतिशत की कमी आई है, जो वैश्विक औसत से अधिक है।

भारत में टीबी के मामले 17.7 % घटे

द लैंसेट रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि भारत में टीबी के मामलों में 17.7 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो वैश्विक दर 8.3 प्रतिशत से लगभग दोगुनी है। समारोह के दौरान 326 स्नातकों को उपाधियां दी गईं, जिनमें 50 पीएचडी स्कॉलर, 95 डीएम-एमसीएच विशेषज्ञ, 69 एमडी, 15 एमएस, 4 एमडीएस, 45 एमएससी, 30 एमएससी (नर्सिंग) और 18 एम.बायोटेक स्नातक शामिल थे। इसके अलावा, एम्स में उनके योगदान और समर्पित सेवा के लिए 7 डॉक्टरों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

7 विशिष्ट लोगों को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिए

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने स्वास्थ्य सेवा और अनुसंधान में योगदान के लिए चिकित्सा जगत के 7 विशिष्ट लोगों को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किया। वहीं स्नातक व स्नातकोत्तर में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 11 छात्रों को मेडल व सात को पुस्तक पुरस्कार से नवाजा गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि देश के स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से वृद्धि हो रही है। अब हमारे डाक्टरों को विदेश जाने की जरूरत नहीं। उन्होंने उपाधि पाने वाले 326 मेडिकल छात्रों से देश में ही स्वास्थ्य सेवा, शोध और अकादमिक में योगदान की अपील की।

एम्स की प्रतिष्ठित विरासत और ब्रांड को बनाए रखें

स्वास्थ्य मंत्री ने स्नातक छात्रों से अनुरोध किया कि वे शिक्षा और अनुसंधान में सक्रिय रूप से योगदान दें तथा अपने पेशेवर और नैतिक आचरण में उत्कृष्टता के माध्यम से एम्स की प्रतिष्ठित विरासत और ब्रांड को बनाए रखें। उन्होंने छात्रों को आजीवन शिक्षार्थी और नवप्रवर्तक बने रहने, चिकित्सा विज्ञान को आगे बढ़ाने और समाज की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने किया वेल्लोर कृषि विज्ञान केंद्र का दौरा

तमिलनाडु में किसानों, दीदियों और ग्रामीणों के साथ किया संवाद

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को तमिलनाडु के आईसीएआर–कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), वेल्लोर का दौरा किया। शिवराज सिंह ने किसानों तथा ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने किसानों से प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना (पीएम-डीडीकेवाई), राष्ट्रीय दलहन मिशन, राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन (एनएमएनएफ), क्लस्टर फ्रंटलाइन डिमॉन्स्ट्रेशन ऑन पल्सेस, फरमेंटेड ऑर्गेनिक मैन्योर (एफओएम/एलएफओएम) तथा केवीके से जुड़ी अन्य पहलों के बारे में चर्चा की।

चौहान ने वेल्लोर में प्रगतिशील किसानों, महिला स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण युवाओं से संवाद करने के साथ ही क्षेत्र की उपलब्धियों की समीक्षा की। उन्होंने केवीके वेल्लोर द्वारा विकसित वाइल्ड बोअर रिपेलेंट जैसी अभिनव तकनीक की सराहना की, जिसने किसानों को जंगली सुअरों से फसल सुरक्षा के लिए व्यावहारिक समाधान प्रदान किया है। केंद्र द्वारा संचालित सीड हब और पल्सेस मिशन के तहत उच्च उत्पादकता वाली किस्मों का सफल प्रसार किया गया है। प्रदर्शनी में कृषि नवाचारों और मूल्यवर्धित उत्पादों का शिवराज सिंह ने अवलोकन किया।

उन्होंने किसानों से उक्त योजनाओं से लाभ, कृषि, पशुपालन तथा मत्स्यपालन से संबंधित प्रतिक्रिया ली और उनका मार्गदर्शन किया। योजनाओं का ज़मीनी प्रभाव जानने के साथ ही सिंह ने आसपास के जिलों के किसानों से बातचीत की। चौहान ने तमिलनाडु के विरुधुनगर, शिवगंगई, तूतीकोरिन और रामनाथपुरम के पीएमडीडीकेवाई से जुड़े किसानों से संवाद किया। प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना में रामनाथपुरम, शिवगंगई, तूतीकोरिन और विरुधुनगर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के अंतर्गत 11 केंद्रीय मंत्रालयों की 36 योजनाओं को एकीकृत कर किसानों को व्यापक लाभ पहुंचाया जाएगा। उन्होंने चारों केवीके प्रमुखों से इन योजनाओं के संविलयन की प्रगति पर जानकारी ली। यहां किसानों ने प्राकृतिक खेती, मुंडु मिर्च, दलहन और तिलहन सीएफएलडी, और अन्य परियोजनाओं से अपनी संतुष्टि व्यक्त की।

दूसरी चौपाल में शिवराज ने प्राकृतिक खेती और राष्ट्रीय दलहन मिशन पर विशेष बल दिया और कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया यह अनोखा अभियान देश को दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाएगा। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु जैसे राज्य को इस योजना से अत्यधिक लाभ होगा क्योंकि इस अंतर्गत बेहतर किस्में, आधुनिक तकनीक तथा विपणन सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने टीएनएयू के राष्ट्रीय दलहन अनुसंधान केंद्र, वाम्बन द्वारा विकसित उन्नत दलहन किस्मों की सराहना भी की। चौहान ने किसानों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और कहा कि नारियल फसलों में कीट व रोग की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने उल्लेख किया कि आम उत्पादन में अधिशेष के कारण मूल्य गिरावट से राहत के लिए मूल्यवर्धन व प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना का प्रयास किया जाएगा।

यह भी कहा–धान–बाजरा खरीद में धोखाधड़ी पर होगी एफआईआर

सरकार किसानों की फसल का हर दाना खरीदने के लिए प्रतिबद्ध: नायब सैनी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इन दिनों धान और बाजरे की फसल की खरीद का कार्य चल रहा है, लेकिन खरीद की आड़ में सरकार के साथ धोखाधड़ी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को धान और बाजरा खरीद प्रक्रिया की पारदर्शिता और सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में सभी जिला उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक भी ऑनलाइन जुड़े।

बैठक में धान-बाजरा खरीद से जुड़ी व्यवस्थाओं, मंडियों की स्थिति, किसानों की शिकायतों और ई-खरीद प्रणाली की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। उन्होंने बैठक में निर्देश दिए कि नई अनाज मंडी, कनीना और अनाज मंडी, कोसली में ई-खरीद पोर्टल और मार्केट कमेटी के एच-रजिस्टर की ऑक्शन में अंतर पाए जाने तथा गेट पास जारी करने की प्रक्रिया में अनियमितताएं मिलने के मामले में जिन कर्मचारियों और अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है, उन पर एफआईआर भी करवाई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार का संकल्प स्पष्ट है, किसानों की मेहनत की कमाई की रक्षा करना और उनकी उपज का एक-एक दाना खरीदना है। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रदेश में धान की खरीद 22 अक्टूबर से प्रारंभ हुई है और अब तक अधिकांश मंडियों में खरीद सुचारू रूप से जारी है। अब तक राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा 2.66 लाख किसानों से लगभग 52.18 लाख मीट्रिक टन की खरीद हो चुकी है। किसानों के खाते में 10,204.98 करोड़ रुपए ट्रांसफर भी कर दिए गए है। राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा 291.10 मीट्रिक टन तथा निजी व्यापारियों द्वारा 3.99 लाख मीट्रिक टन बाजरे की खरीद की गई है।

अधिकारियों ने बताया कि कुछ स्थानों से बाहरी राज्यों से धान की आमद और गेट पास स्कैनिंग में अनियमितताओं की शिकायतें मिली हैं, जिन पर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र तथा कैथल में खरीद किए गए धान की मिलिंग के लिए जिन राईस मिलों को धान आबंटित किया गया है, उनकी फिजिकल वेरिफिकेशन की जा रही है। मुख्यमंत्री ने दिए सख्त निर्देश, चेकिंग के लिए नाकेबंदी होगी सैनी ने कहा कि मंडियों में तकनीकी स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि गेट पास स्कैनिंग और फिजिकल वेरिफिकेशन की प्रक्रिया में कोई बाधा न आए।

सैनी ने स्पष्ट किया कि केवल मंडी के निर्धारित दायरे में ही गेट पास स्कैन किया जाएगा। जिन मंडियों में गेट पास स्कैन सिस्टम का दुरुपयोग हुआ है, वहां कर्मचारियों और अधिकारियों की पहचान करके विस्तृत रिपोर्ट दी जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ एफआईआर भी दर्ज की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दूसरे राज्यों से आने वाले धान की अवैध एंट्री को हर कीमत पर रोका जाए। इसके लिए सभी सीमावर्ती जिलों में पुलिस को नाकेबंदी के सख्त निर्देश जारी किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारी खुद मंडियों का नियमित दौरा करें और किसानों से संवाद स्थापित करें। जिन राईस मिलों को धान आबंटित किया गया है, उनकी फिजिकल वेरिफिकेशन समय समय पर की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या भ्रष्टाचार पाए जाने पर तुरंत सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, डीजीपी ओपी सिंह, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के निदेशक अंशज सिंह सहित अधिकारी मौजूद रहे।

खास बातें

- अब तक 52.18 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद, 10,204 करोड़ रुपये किसानों के खाते में
- ट्रांसफर मंडियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री ने की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

ईपीएस के 10 साल पूरे होने से पहले सारे ही पैसे निकालना कितना सही

अपडेट | **बिजनेस डेस्क**

- पहले सारा पैसा निकालने पर नहीं मिलती मासिक पेंशन, पेंशन के लिए लगातार दस ईपीएस का हिस्सा रहना जरूरी
- ईपीएस मेंबर को 36 महीने के भीतर दोबारा नौकरी मिल जाती है, तो उसकी ईपीएस मेंबरशिप और पेंशन एलिजिबिलिटी बनी रहेगी

अगर आप नौकरीपेशा हैं और ईपीएफ (ईपीएम) में योगदान करते हैं, तो आपके वेतन का एक हिस्सा ईपीएस यानी एंप्लाईज पेंशन स्कीम में भी जाता है। बहुत से लोग यह सोचते हैं कि नौकरी छोड़ने या बीच में ब्रेक आने पर इस पैसे को फौरन निकाल लेना बेहतर है, लेकिन क्या वाकई ईपीएस के 10 साल पूरे होने से पहले सारे पैसे निकाल लेना सही फैसला है? कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने हाल ही में ईपीएस से जुड़े कुछ बदलाव किए हैं, हालांकि, इन बदलावों का असर पेंशन पाने की उम्र यानी 58 साल की एलिजिबिलिटी पर नहीं पड़ेगा। पेंशन पाने के लिए किसी सदस्य का कम से कम 10 साल तक लगातार ईपीएस का हिस्सा रहना जरूरी है। अगर किसी सदस्य की नौकरी चली जाती है और वह ईपीएस (ईपीएस) के लिए योगदान जारी नहीं रखना चाहता, तो वह 10 साल पूरे होने से पहले अपने सारे पैसे निकाल सकता है. पहले यह फाइनल सेटलमेंट नौकरी चले जाने के 2 महीने बाद किया जा सकता था, लेकिन अब इसके लिए 2 महीने नहीं, बल्कि 36 महीने यानी 3 साल तक इंतजार करना होगा, यानी ईपीएफओ ने अब ईपीएस के पैसे निकालना पहले की तुलना में ज्यादा मुश्किल बना दिया है, इस बदलाव का उद्देश्य यह है कि अगर ईपीएस मेंबर को 36 महीने के भीतर दोबारा नौकरी मिल जाती है, तो उसकी ईपीएस मेंबरशिप और पेंशन एलिजिबिलिटी बनी रह सके।

10 साल से पहले पैसे निकालने का असर

ईपीएफओ के नियमों के मुताबिक आप लगातार नौकरी के 10 साल पूरे होने से पहले ईपीएस से पैसे निकाल सकते हैं। लेकिन ऐसा करने पर आप आगे चलकर मिलने वाली पेंशन के लिए एलिजिबल नहीं रह जाएंगे। यानी रिटायरमेंट के बाद ईपीएस के जरिये मिलने वाली मंथली पेंशन की सुविधा खत्म हो जाएगी।ईपीएफओ के अनुसार रिटायरमेंट के समय पेंशन पाने की एलिजिबिलिटी के लिए किसी सदस्य का कम से कम 10 साल तक ईपीएस में सदस्य रहना जरूरी है। इसका मतलब यह है कि जल्दबाजी में पैसे निकालने से आप अपनी लंबी अवधि की आर्थिक सुरक्षा खो सकते हैं।

क्या कहते हैं आंकड़े

दिलचस्प बात यह है कि ईपीएफओ के आंकड़ों के मुताबिक करीब 75 प्रतिशत सदस्य 4 साल की सर्विस के भीतर ही पूरा पेंशन अमाउंट निकाल लेते हैं, ऐसे में उन्हें भविष्य की पेंशन और आर्थिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिल पाता है।

फैमिली पेंशन का भी नुकसान

अगर कोई सदस्य 10 साल से पहले पैसे नहीं निकालता है और उसका निधन हो जाता है, तो उसके परिवार को अगले 3 साल तक पेंशन का लाभ मिलता है, लेकिन अगर सदस्य ने पूरे पैसे निकाल लिए हैं, तो परिवार यह लाभ नहीं ले सकता। यही वजह है कि ईपीएफओ ने ईपीएस की सदस्यता को 10 साल पूरे होने तक जारी रखने के लिए नियमों में बदलाव किए हैं। ईपीएफओ का कहना है कि ईपीएस के पैसे निकालने के लिए दो महीने की जगह 36 महीने इंतजार करने का नया प्रावधान इसीलिए लाया गया है ताकि सदस्यों की 10 साल की एलिजिबिलिटी पूरी हो जाए और उनके परिवार को भी पेंशन का लाभ मिल सके।

किन हालात में निकाल सकते हैं पैसे

हालांकि कुछ खास परिस्थितियों में पैसे निकालने का फैसला सही भी हो सकता है। मिसाल के तौर पर अगर किसी व्यक्ति की आमदनी अच्छी खासी है या उसने पहले से अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग की हुई है, जिसके चलते वह रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम या फेमिली पेंशन पाने के लिए ईपीएस के भरोसे नहीं है, तो जरूरत पड़ने पर अपने पैसे निकाल सकता है। लेकिन जिनकी आय सीमित है और दूसरा कोई रिटायरमेंट प्लान नहीं है, तो उनके लिए ईपीएस को जारी रखना भविष्य की सुरक्षा के लिहाज से बेहतर विकल्प है। ईपीएस पेंशन स्कीम लंबे समय तक आर्थिक सुरक्षा देने के लिए बनाई गई है। अगर आप 10 साल पूरे होने से पहले पैसा निकालते हैं, तो भविष्य में पेंशन नहीं मिलेगी। साथ ही फेमिली पेंशन के तौर पर परिवार को मिलने वाली सुरक्षा का लाभ भी चला जाएगा। इसलिए नौकरी में ब्रेक या अस्थायी परेशानी की हालत में जल्दबाजी करने की बजाय सोच-समझकर फैसला करने में ही समझदारी है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- यह दूसरी करेंसीज में इनवेस्ट करने वालों के लिए और अट्रैक्टिव हो जाता है
- पहले निवेशक पूरे पोर्टफोलियो की तुलना में 10 से 12% पैसा सोने में निवेश करते थे
- अब बाजार की तेजी को देखते हुए निवेशक 18 से 22% सोने में निवेश करने लगे

गोल्ड और अमेरिकी डॉलर के बीच दिलचस्प संबंध देखने को मिला
जब डॉलर में कमजोरी आती है तो गोल्ड की चमक बढ़ती जाती है

सोने में निवेश सबसे सुरक्षित, लेकिन जरूरत से ज्यादा भी ठीक नहीं

सोने को शुरू से ही निवेश का सबसे सुरक्षित माध्यम माना जाता रहा है। इसने निवेशकों को कभी रुसवा नहीं किया। पिछला रिकॉर्ड देखा जाए तो सोने ने कभी भी निगेटिव रिटर्न नहीं दिया। यह चाहे किसी भी रूप में हो निवेशकों को मालामाल करता रहा है। हालांकि बाजार के जानकारों का कहना है कि सोने में निवेश करना सही है, लेकिन यह जरूरत से ज्यादा नहीं होना चाहिए। हाल फिलहाल में सोने में हुई बढ़ोतरी को देखते हुए निवेशकों ने अपने पोर्टफोलियो में इसकी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। पहले निवेशक पूरे पोर्टफोलियो की तुलना में 10 से 12 फीसदी पैसा सोने में निवेश करते थे, लेकिन अब निवेशक 18 से 22 फीसदी सोने में निवेश करने लगे हैं। यहां तक तो ठीक हैं, लेकिन इससे अधिक रिस्की हो सकता है। इस साल आई जबर्दस्त तेजी की वजह से सोना चर्चा में है। 21 अक्टूबर को 5 फीसदी की गिरावट के बावजूद गोल्ड ने निवेशकों को मालामाल किया है। सवाल है कि आखिर गोल्ड में इतनी तेजी की क्या वजह है? इस सवाल का जवाब पाने के लिए हमें ग्लोबल इकोनॉमी में गोल्ड की भूमिका को समझना होगा।

1944 का ब्रेटन वुड्स एग्रीमेंट

सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद 1944 में ब्रेटन वुड्स एग्रीमेंट हुआ। तब अमेरिकी डॉलर में दुनिया के दूसरे देशों की करेंसीज की कीमत तय करने पर सहमति बनी। डॉलर की कीमत गोल्ड पर आधारित थी। 35 डॉलर एक औंस सोने के बराबर था। इस व्यवस्था से ग्लोबल इकोनॉमी को तब स्थिरता मिली, जब उसे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। लेकिन, अमेरिकी इकोनॉमी का आकार बढ़ने पर सरकार ने ज्यादा डॉलर छापे। एक समय ऐसा आया जब कुल डॉलर का मूल्य गोल्ड रिजर्व से ज्यादा हो गया।

1960 के दशक में एक कमोडिटी के रूप में उभरा गोल्ड

1960 का दशक आते-आते इस असंतुलन की अनदेखी करना मुश्किल हो गया। 1971 में अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन ने एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने डॉलर को गोल्ड में बदलने की सुविधा बंद कर दी, जिससे ब्रेटन वुड्स सिस्टम खत्म हो गया। इससे मॉनेटरी सिस्टम में गोल्ड की तय भूमिका खत्म हो गई। इसके बाद गोल्ड एक कमोडिटी बनकर रह गया। इसकी कीमतों पर मार्केट फोर्सेज का असर पड़ना शुरू हो गया, लेकिन, निवेश के सुरक्षित विकल्प को लेकर इसकी भूमिका बनी रही।

केंद्रीय बैंकों ने समझा गोल्ड का महत्व

जैसे-जैसे डॉलर कमजोर होता गया और इनफ्लेशन बढ़ता गया, वैसे-वैसे गोल्ड की अपील बढ़ती गई। जब कभी डॉलर में बड़ी कमजोरी आई या इनफ्लेशन में उछाल आया, गोल्ड निवेश के भरोसेमंद जरिया के रूप में सामने आता रहा। क्राइसिस के समय भी इसकी चमक बनी रही। इससे यह माना गया कि जब सबकुछ अनिश्चित दिख रहा तो तब भी गोल्ड में वेल्थ

की वैल्यू घटने से बचाने की क्षमता है। इसके बाद दुनिया के केंद्रीय बैंकों ने गोल्ड खरीदना शुरू कर दिया। इसका मकसद विदेशी मुद्रा भंडार का डायवर्सिफिकेशन था।

गोल्ड में तेजी की बड़ी वजहें

बीते कुछ सालों में गोल्ड और अमेरिकी डॉलर के बीच दिलचस्प संबंध देखने को मिला है। जब डॉलर में कमजोरी आती है तो गोल्ड की चमक बढ़ती है। इससे यह दूसरी करेंसीज में इनवेस्ट करने वाले इनवेस्टर्स के लिए और अट्रैक्टिव हो जाता है। बॉन्ड्स की रियल यील्ड ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई। जब रियल यील्ड घट जाती है तो गोल्ड की अपील बढ़ जाती है। जब हम साल 2025 के अंत के करीब है, गोल्ड 4000 डॉलर प्रति औंस से ऊपर है। गोल्ड की तेजी में डॉलर में कमजोरी, बॉन्ड्स की कम रियल यील्ड और सेंट्रल बैंकों के बीच गोल्ड की ज्यादा डिमांड का हाथ है। इसके अलावा जियोपॉलिटिकल टेंशन का असर भी इसमें शामिल है।

इकोनॉमी में गोल्ड की बढ़ती भूमिका

गोल्ड में तेजी न सिर्फ इनवेस्टर्स के लिए अहम है बल्कि इसका आर्थिक महत्व भी है। उदाहरण के लिए भारत में आरबीआई के रिजर्व में डॉलर के अलावा गोल्ड भी है। जब गोल्ड में तेजी आती है तो आरबीआई के डॉलर रिजर्व की वैल्यू बढ़ जाती है। इससे इंडिया की फाइनेंशियल पोजीशन मजबूत होती है। गोल्ड का असर भारत में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) पर भी पड़ता है। उदाहरण के लिए सितंबर 2025 में गोल्ड की ज्यादा कीमतों की वजह से इंडिया के कोर इनप्लेशन में मामूली उछाल देखने को मिला, जबकि फूड की कीमतों में गिरावट आई। इससे पता चलता है कि गोल्ड की भूमिका इकोनॉमी में कितनी ज्यादा है।

गोल्ड में तेजी जारी रहने की उम्मीद

गोल्ड में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। इसकी कई वजहें हैं। रियल यील्ड लगातार कम बनी हुई है। सेंट्रल बैंक के बीच गोल्ड की डिमांड बनी हुई है, लेकिन, इतिहास यह बताता है कि ऐसी तेजी के बाद गोल्ड दोबारा नई ऊंचाई पर पहुंचने से पहले कंसॉलिडेशन फेज में रहता है। इसलिए गोल्ड में तेजी जारी रहने की संभावना है, लेकिन इनवेस्टर्स को इसमें उतार चढ़ाव के लिए तैयार रहना चाहिए।

एक सीमा से ज्यादा निवेश सही नहीं

कई इनवेस्टर्स इनफ्लेशन से बचाव, करेंसी में कमजोरी और ग्लोबल इकोनॉमी में अनिश्चितता को देखते हुए गोल्ड में निवेश कर रहे हैं। लेकिन, गोल्ड में बहुत ज्यादा निवेश से आपके पोर्टफोलियो पर इसकी कीमतों में तेजी या कमजोरी का असर पढ़ना शुरू हो जता है। ऐसे में बॉन्ड बड़ा रोल निभाता है। अनिश्चित समय में तो गोल्ड का प्रदर्शन अच्छा रहता है लेकिन, जब सबकुछ ठीक चल रहा होता है तो क्या होता है? बॉन्ड्स पोर्टफोलियो में स्टैबिलिटी लाता है। साथ ही इंटरेस्ट के रूप में इससे रेगुलर इनकम होती है। यह फायदा गोल्ड में नहीं है। ऐसे इनवेस्टर्स जिन्हें रेगुलर कैश की जरूरत पड़ती है, उनके डायवर्सिफायड पोर्टफोलियो में बॉन्ड्स का होना जरूरी है।

ऑफर देखकर न ललचाएं ज्यादा जरूरत होने पर ही पर्सनल लोन उठाएं, वरना यह बढ़ा सकता है परेशानी

पर्सनल लोन एग्रीमेंट पर साइन से पहले चेक करें कुछ बातें, वरना पड़ेगा पछताना

"बैंक और एनबीएफसी लोन एग्रीमेंट में कई ऐसी शर्तें जोड़ देते हैं जो करती हैं परेशान, ऐसे में ऐसी शर्तों पर पहले से ही नजर दौड़ा लें, दिक्कत नहीं होगी

अलर्ट | **बिजनेस डेस्क**

कई बार हमें अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है चाहे मेडिकल इमरजेंसी हो, शादी का खर्च या फिर किसी जरूरी ट्रिप का खर्चा। ऐसे में पर्सनल लोन एक आसान रास्ता लगता है। कुछ क्लिक या एक फॉर्म भरकर पैसा खाते में आ जाता है, लेकिन यही आसानी कई बार बाद में परेशानी का कारण भी बन जाती है, अगर आपने लोन एग्रीमेंट के कागजों को ध्यान से नहीं पढ़ा। बैंक और एनबीएफसी लोन एग्रीमेंट में कई ऐसी शर्तें जोड़ देते हैं, जिन पर नजर न गई तो बाद में पछताना पड़ सकता है।

प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर चार्जेज

कई लोग सोचते हैं कि लोन जल्दी चुका देंगे तो ब्याज बच जाएगा, लेकिन हर बैंक या फाइनेंशियल इंस्टिट्यूशन इसकी इजाजत नहीं देता। अगर आप लोन तय समय से पहले चुका देते हैं, तो आपको प्रीपेमेंट या फोरक्लोजर चार्जेज देने पड़ सकते हैं, जो आम तौर पर बाकी बचे लोन अमाउंट का 2% से 5% तक होता है। इसलिए साइन करने से पहले यह जरूर समझ लें कि आपका बैंक या एनबीएफसी पर्सनल लोन जल्दी चुकाने पर कितने चार्जेज वसूलेगा।

लेट पेमेंट और डिफॉल्ट पेनॉल्टी

एक भी ईएमआई छूटना आपके क्रेडिट स्कोर को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन इसके साथ ही, बैंक लेट पेमेंट पर पेनाल्टी चार्ज भी वसूलते हैं। कुछ बैंक एक तय रकम लेते हैं, तो कुछ बाकी बचे ईएमआई अमाउंट का एक प्रतिशत। यही वजह

है कि देर से भुगतान करने पर ब्याज से ज्यादा रकम चुकानी पड़ सकती है। इससे बचने का सबसे आसान तरीका है ऑटो डेबिट ऑर्डर लगाना, ताकि ईएमआई समय पर कट जाए।

छिपे हुए प्रोसेसिंग व सर्विस चार्जेस

बैंक जब लोन का ब्याज दर बताते हैं, तो वह तो साफ होता है, लेकिन बाकी के चार्जेस अक्सर ध्यान नहीं जाते। जैसे प्रोसेसिंग फीस, डॉक्युमेंटेशन फीस और जीएसटी आदि। यहां तक कि कुछ बैंक फोरक्लोजर लेटर या लोन स्टेटमेंट के लिए भी शुल्क वसूलते हैं। इसलिए हमेशा साइन करने से पहले बैंक से यह पूछें कि कुल मिलाकर आपकी जेब से कितनी रकम कटेगी। आखिरकार, जो लोन अमाउंट आपको मिलेगा, वह इन चार्जेस के बाद थोड़ी कम ही होगी।

ब्याज दर में बदलाव से जुड़ी शर्तें

अगर आपने फ्लोटिंग रेट वाला पर्सनल लोन लिया है, तो यह समझना जरूरी है कि ब्याज दर में बदलाव कब और कैसे होगा। कुछ बैंक हर तिमाही में रेट बदलते हैं, तो कुछ साल में एक बार. अगर ब्याज दरें बढ़ती हैं तो आपकी ईएमआई भी बढ़ सकती है। इसलिए एग्रीमेंट में दिए गए इस क्लॉज को जरूर पढ़ें ताकि बाद में बढ़ी हुई किस्त देखकर झटका न लगे।

बीमा और क्रॉस-सेलिंग की चाल

कई बैंक पर्सनल लोन के साथ एक बीमा पॉलिसी भी जोड़ देते हैं, जो बेरोजगारी, बीमारी या मृत्यु की स्थिति में लोन को कवर करती है। सुनने में यह सुरक्षा जैसा लगता है, लेकिन अक्सर यह बीमा वैकल्पिक होता है. कुछ बैंक इसे अनिवार्य बताकर जोड़ देते हैं। इसलिए साइन करने से पहले यह साफ कर लें कि क्या यह बीमा जरूरी है, और क्या उसकी प्रीमियम लागत वाजिब है।

हर शर्त को समझना बेहद जरूरी

पर्सनल लोन एक सुविधाजनक विकल्प जरूर है, लेकिन इसके साथ जुड़ी हर शर्त को समझना बेहद जरूरी है। छोटी-छोटी बातों पर ध्यान न देने से बाद में भारी ब्याज, चार्जेस या अन्य पेनाल्टी झेलनी पड़ सकती है। इसलिए अगली बार जब भी आप किसी लोन डॉक्यूमेंट पर साइन करें, तो जल्दबाजी न करें। हर पेज, हर क्लॉज को ध्यान से पढ़ें और समझें। आखिरकार, लोन से राहत तभी मिलेगी जब आप इसके हर नियम को समझदारी से निभाएंगे।

घर में कितनी रख सकते हैं चांदी कमाई पर कैसे लगता है टैक्स

बिजनेस डेस्क

निवेश की दुनिया में सोना के साथ एक और एसेट क्लास सबसे ज्यादा चर्चा में है, जो है चांदी। वजह इसमें मिल रहा सुपर रिटर्न। साल 2025 में रिटर्न के मामले में चांदी ने सोने को पीछे छोड़ दिया है। इस साल चांदी का रिटर्न 73फीसदी से अधिक रहा है। इससे निवेशकों के बीच चांदी की डिमांड बढ़ रही है, चाहे वह किसी भी फॉर्मेट में हो। तो यहां 2 बातें समझ लेना जरूरी है कि आप अपने घर में अधिक से अधिक कितना चांदी रख सकते हैं, ताकि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का कोई झंझट न हो। वहीं इससे होने वाली कमाई पर कितना टैक्स लगता है।

चांदी रखने पर लिमिट नहीं

सोने की तरह, चांदी (जैसे सिक्के, गहने, बर्तन आदि) रखने पर इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के तहत कोई सीमा तय नहीं की गई है। अगर चांदी कानूनी तरीके से खरीदी गई या विरासत में मिली है, तो उस पर कोई रोक नहीं है। टैक्स तभी लगता है जब आप चांदी बेचते हैं और उस पर कैपिटल गेंस (लाभ) कमाते हैं। टैक्स सिर्फ बिक्री पर या छुपाई गई संपत्ति पाए जाने पर लगता है। हालांकि घर पर कितनी भी चांदी रखने की सीमा नहीं है, लेकिन अगर आपके पास ज्यादा चांदी है, तो उसकी खरीद के प्रमाण (बिल या रसीद) संभाल कर रखना बेहतर है। अगर आपने चांदी किसी ज्वेलर, डीलर या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से खरीदी है, तो उसका असली बिल जरूर रखें। भविष्य में अगर कभी इनकम टैक्स विभाग जांच करता है, तो ये दस्तावेज आपके लिए सुरक्षा कवच बन सकते हैं।

चांदी की कमाई पर टैक्स

चांदी पर टैक्स के नियम की बात करें तो यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने फिजिकल सिल्वर (जैसे गहने, सिक्के, बार) खरीदी है या सिल्वर ईटीएफ या सिल्वर म्यूचुअल फंड में निवेश किया है, और आपने इसे कितने समय तक रखा है. इसलिए, टैक्स के नियम समझना जरूरी है ताकि आप सही निवेश निर्णय ले सकें।

फिजिकल फार्म में चांदी पर टैक्स

अगर आपने चांदी के गहने या सिक्के को 24 महीने से पहले बेच दिया, तो उस पर हुआ लाभ शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेंस (एसटीसीजी) माना जाएगा और यह आपकी इनकम टैक्स स्लैब की दर के अनुसार टैक्स होगा, लेकिन आपने चांदी को 24 महीने से ज्यादा समय तक रखा, तो यह लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेंस (एलटीसीजी) माना जाएगा। अगर चांदी 23 जुलाई 2024 या उसके बाद खरीदी गई है, तो इस पर 12.5% टैक्स लगेगा और इंडेक्सेशन का लाभ नहीं मिलेगा। वहीं 23 जुलाई 2024 से पहले खरीदी चांदी पर 20% लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेंस टैक्स लगेगा इंडेक्सेशन के साथ।

सिल्वर म्यूचुअल फंड और ईटीएफ पर टैक्स

अगर आपने सिल्वर ईटीएफ या म्यूचुअल फंड को 12 महीने के अंदर बेचा, तो यह एसटीसीजी माना जाएगा और इनकम टैक्स स्लैब रेट के हिसाब से टैक्स लगेगा। अगर 12 महीने से बाद बेचा, तो यह एलटीसीजी माना जाएगा और 12.5% टैक्स लगेगा, बिना इंडेक्सेशन बेनेफिट के।

चांदी की ज्वेलरी, बिस्कुट और सिक्कों पर टैक्स

चांदी (बार, सिक्के या गहने) के मूल्य पर 3 फीसदी जीएसटी लगता है, जबकि गहनों के मेकिंग चार्ज पर 5 फीसदी जीएसटी लगाया जाता है।

यूपीआई पेमेंट के लिए अपने लिक्विड म्यूचुअल फंड का इस्तेमाल कर सकेंगे

यूपीआई के 'पे विद म्यूचुअल फंड' के जरिये भी कर सकेंगे पेमेंट

जानकारी | **बिजनेस डेस्क**

अब तक आपने म्यूचुअल फंड का इस्तेमाल सिर्फ निवेश और रिटर्न कमाने के लिए किया होगा, लेकिन अब इसका इस्तेमाल पेमेंट करने में भी किया जा सकेगा। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के नए फीचर 'पे विद म्यूचुअल फंड' के जरिये अब निवेशक यूपीआई पेमेंट के लिए अपने लिक्विड म्यूचुअल फंड का इस्तेमाल कर सकेंगे। यह फीचर न सिर्फ इस्तेमाल में आसान है, बल्कि निवेशकों को बेहतर रिटर्न के साथ फ्लेक्सिबल कैश मैनेजमेंट का मौका भी देता है। यूपीआई के 'पे विद म्यूचुअल फंड' इस फीचर के जरिए आप अपनी लिक्विड म्यूचुअल फंड होल्डिंग से सीधे यूपीआई पेमेंट कर पाएंगे। मिसाल के तौर पर अगर आपने किसी फंड हाउस के लिक्विड फंड में निवेश किया है, और वह फंड इस सुविधा को सपोर्ट करता है, तो आप अपने उस निवेश का इस्तेमाल यूपीआई के जरिये किसी पेमेंट के लिए कर पाएंगे। जैसे ही आप यूपीआई से पेमेंट करेंगे, उतनी रकम के बराबर यूनिट्स अपने आप रिडीम हो जाएंगी और पैसे फौरन ट्रांसफर हो जाएंगे। इसे इस तरह समझिए कि यह फीचर लिक्विड म्यूचुअल फंड को एक मिनी बैंक अकाउंट की तरह काम करने की क्षमता देता है, लेकिन फर्क यह है कि यहां आपका पैसा बेहतर मार्केट-लिंक्ड रिटर्न भी कमा रहा होता है। इस सुविधा को फिलहाल आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड

क्यों खास है यह फीचर

लिक्विड फंड शॉर्ट-टर्म मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करते हैं, जिनकी लिक्विडिटी बहुत ज्यादा होती है। ऐसे में जब जरूरत पड़े, तो निवेशक फौरन पैसे निकाल सकते हैं। अब 'पे विद म्यूचुअल फंड' फीचर से यह प्रॉसेस और आसान हो गई है, क्योंकि अब आपको पहले पैसा बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करने की जरूरत नहीं। इसके अलावा यह फीचर आपके निवेश पर फुल लिक्विडिटी के बावजूद सेविंग अकाउंट से ज्यादा संभावित रिटर्न का फायदा भी देता है। सेविंग अकाउंट में जहां आम तौर पर 4% से कम सालाना ब्याज मिल रहा है, वहीं लिक्विड फंड इस समय करीब 6-7% तक का रिटर्न दे रहे हैं। यानी आपका पैसा बेकार पड़े रहने की बजाय बेहतर रिटर्न भी दे सकता है और जरूरत पर फौरन काम भी आ सकता है।

ऐसे आसान होगा पेमेंट

यूपीआई आज हर रोजमर्रा के लेनदेन का हिस्सा बन चुका है। किराने की दुकान से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग तक, हम सभी इसका इस्तेमाल करते हैं। अब अगर यह पेमेंट सीधे म्यूचुअल फंड से हो जाए, तो आपको अलग-अलग ऐप्स में ट्रांसफर या रिडेम्प्शन की झंझट

- यह फीचर न सिर्फ इस्तेमाल में आसान है, बल्कि बेहतर रिटर्न के साथ फ्लेक्सिबल कैश मैनेजमेंट का मौका देगा
- जैसे ही यूपीआई से पेमेंट करेंगे, उतनी रकम के बराबर यूनिट्स अपने आप रिडीम हो जाएंगी
- पैसे फौरन ट्रांसफर हो जाएंगे, लिक्विड म्यूचुअल फंड एक मिनी बैंक अकाउंट की तरह काम करेगा
- यहां आपका पैसा बेहतर मार्केट-लिंक्ड रिटर्न भी कमा रहा होता है,
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और बजाज फिनसर्व एएमसी जैसे फंड हाउसेज ने लॉन्च किया

नहीं झेलनी पड़ेगी। व्यक्तिगत निवेशकों के साथ-साथ छोटे बिजनेस के लिए भी यह फीचर बहुत मददगार साबित हो सकता है। वे अपने शॉर्ट-टर्म कैश को लिक्विड फंड में रखकर रिटर्न कमा सकते हैं और जरूरत पड़ने पर उसी से पेमेंट कर सकते हैं। यह कैश मैनेजमेंट का स्मार्ट और फ्लेक्सिबल तरीका है।

क्या यह सेविंग से बेहतर है?

कई मामलों में हां, लेकिन कुछ सावधानियां भी जरूरी हैं। सेविंग अकाउंट ज्यादा सुरक्षित होते हैं और उनमें 5 लाख रुपये तक के डिपॉजिट का इंश्योरेंस भी होता है। वहीं, लिक्विड फंड में थोड़ा मार्केट रिस्क रहता है. हालांकि यह रिस्क बहुत कम होता है, फिर भी अगर आपका लक्ष्य केवल सुरक्षा है, तो सेविंग अकाउंट ही बेहतर है।लेकिन अगर आप थोड़ा जोखिम लेने को तैयार हैं और चाहते हैं कि आपका पैसा फुल लिक्विडिटी के बावजूद बेहतर रिटर्न कमाए, तो नई सुविधा आपके लिए सही विकल्प हो सकती है। हां, यह ध्यान रखना जरूरी है कि आप जिस फंड में निवेश करें, उसकी लिक्विडिटी और रिडेम्प्शन प्रोसेस भरोसेमंद हो।

यह फीचर एक स्मार्ट ऑप्शन

'पे विद म्यूचुअल फंड' फीचर निवेशकों के लिए सुविधा और रिटर्न दोनों को जोड़ता है। यह दिखाता है कि भारत में डिजिटल पेमेंट और म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री कितनी तेजी से एक-दूसरे के करीब आ रही है। जो निवेशक अपने पैसों को हर वक्त रिटर्न के लिहाज से इनवेस्ट रखना चाहते हैं, उनके लिए यह फीचर एक स्मार्ट ऑप्शन बन सकता है। बशर्ते वे इसके फायदों और रिस्क को समझकर इसका इस्तेमाल करें।

अच्छी तरह समझने के बाद करें इस्तेमाल

भले ही यह फीचर बेहद सुविधाजनक है, लेकिन निवेशकों को इसका इस्तेमाल करने से पहले कुछ बातें जरूर समझ लेनी चाहिए। लिक्विड फंड के रिटर्न अलग-अलग फंड हाउस में अलग-अलग हो सकते हैं, इसलिए औसत रिटर्न और एक्सपेंस रेशियो पर नजर रखना चाहिए. साथ ही यह जानना भी जरूरी है कि "इंस्टेंट रिडेम्प्शन" के साथ भी कुछ लिमिट्स या कट-ऑफ टाइम जुड़े हो सकते हैं। इसके अलावा, लिक्विड फंड से होने वाली कमाई पर टैक्स उसी तरह लगता है जैसे बैंक ब्याज पर. इसलिए इसे पूरी तरह इमरजेंसी फंड का विकल्प न मानें। अपने पैसे का कुछ हिस्सा हमेशा सेविंग अकाउंट में भी रखें ताकि किसी देरी की स्थिति में परेशानी न हो।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चटाई धूल, 1 विकेट खोकर हासिल किया 237 रनों का लक्ष्य

सिडनी में गरजा 'रो-को' का बल्ला, 168 रन की अटूट साझेदारी

एजेंसी ▶▶| सिडनी

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने अपने चिर परिचित अंदाज में बल्लेबाजी करके आकर्षक पारियां खेल कर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया, जिससे भारत ने तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 69 गेंद शेष रहते हुए 9 विकेट से करारी शिकस्त दी।

भारत के सामने 237 रन का अपेक्षाकृत आसान लक्ष्य था लेकिन रोहित और कोहली ने इसे बौना साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। रोहित ने 125 गेंद पर नाबाद 121 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और तीन छक्के शामिल हैं। कोहली ने 81 गेंद पर नाबाद 74 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके लगाए। इन दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 168 रन की अटूट साझेदारी की मदद से भारत ने 38.3 ओवर में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर दिया। इस तरह से उसने ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की मंशा पर भी पानी फेर दिया, जो पहले दो मैच जीत कर तीन मैच की श्रृंखला पहले ही अपने नाम कर चुका था।

रोहित ने अपने वनडे करियर का 33वां शतक लगाया। यह उनका 50वां अंतरराष्ट्रीय शतक था। पहले दो मैच में खाता खोलने में नाकाम रहे कोहली अधिक प्रतिबद्ध दिखे। वनडे क्रिकेट के बेताज बादशाह ने अपने करियर का 75वां अर्धशतक लगाया। वह वनडे में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने वाले दूसरे नंबर के बल्लेबाज बन गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में सर्वाधिक शतक

9	रोहित शर्मा
9	सचिन तेंदुलकर
8	विराट कोहली
6	डेसमंड हेन्स

कम पारियों में वनडे में 33 शतक लगाने वाले भारतीय

195 पारी	विराट कोहली
268 पारी	रोहित शर्मा
286 पारी	सचिन तेंदुलकर

101वीं बार साझेदारी

रोहित और कोहली की जोड़ी वनडे में 101वीं बार साथ बल्लेबाजी करने उतरी। इन दोनों ने वनडे में 101 पारियों में साझेदारी की है और कुल 5300 से अधिक रन बनाए हैं।

वनडे में 100+ रनों की साझेदारी

बल्लेबाज जोड़ी	100+ रन	पारी
सचिन – सौरव	26	176
दिलशान-संगकारा	20	108
रोहित - कोहली	19	101
रोहित – धवन	18	117

अय्यर बीच मैच चोटिल होकर गए मैदान से बाहर

भारतीय टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर ने एलेक्स कैरी का एके बेहतरीन कैच पीछे दौड़ लगाते हुए पकड़ा। मगर वह इसके बाद काफी दर्द में नजर आए। उन्हें मैदान से बाहर भी तुरंत ले जाया गया। उनकी जगह फील्ड पर सब्सटीट्यूट के रूप में ध्रुव जुरेल आए। अब इस चोट के बाद निश्चित ही टीम इंडिया और भारतीय फैंस की टेंशन बढ़ गई होगी।

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4	6
मिचेल मार्श बो अक्षर	41	50	5	1
हेड का कृष्णा बो सिराज	29	25	6	0
शॉर्ट का कोहली बो वाशिंगटन	30	41	2	0
रेनशॉ पगबाधा बो वाशिंगटन	56	58	2	0
कैरी का श्रेयस बो राणा	24	37	1	0
कोनोली का कोहली बो राणा	23	34	2	0
ओवेन का रोहित बो राणा	01	04	0	0
स्टार्क बो कुलदीप	02	05	0	0
एलिस का रोहित बो कृष्णा	16	19	3	0
जम्पा नाबाद	02	05	0	0
हेजलवुड बो राणा	00	2	0	0

अतिरिक्त : 12, कुल : 46.4 ओवर में 236/10 रन
गेंदबाजी : मोहम्मद सिराज 5-1-24-1, हर्षित राणा 8.4-0-39-4, प्रसिद्ध कृष्णा 7-0-52-1, कुलदीप यादव 10-0-50-1, अक्षर पटेल 6-0-18-1, वाशिंगटन सुंदर 10-0-44-2

भारत	रन	गेंद	4	6
रोहित शर्मा नाबाद	121	125	13	3
गिल का कैरी बो हेजलवुड	24	26	2	1
कोहली नाबाद	74	81	7	0

अतिरिक्त : 18, कुल : 38.3 ओवर में 237/1 रन
गेंदबाजी : मिचेल स्टार्क 5-0-31-0, जोश हेजलवुड 6-1-23-1, नाथन एलिस 7.3-0-60-0, कूपर कोनोली 5-0-36-0, एडम जम्पा 10-0-50-0, मिचेल ओवेन 1-0-2-0, मैथ्यू शॉर्ट 4-0-29-0

रोहित ने जीता प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब

रोहित शर्मा ने कंगारू टीम के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने ना सिर्फ भारत के लिए बल्कि ओवरऑल भी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में पहले स्थान पर रहे। उन्होंने 3 मैचों में 101.00 की औसत के साथ 202 रन बनाए जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल रहा। उन्होंने इस दौरान 21 चौके और 5 छक्के भी जड़े और उनका बेस्ट स्कोर 121 रन रहा। रोहित को उनकी बेहतरीन बैटिंग के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया।

वनडे में पूरे किए 100 कैच

रोहित शर्मा ने कंगारू टीम को दो बल्लेबाजों का कैच लपका और वनडे क्रिकेट में उन्होंने अपने 100 कैच भी पूरे कर लिए। रोहित ने गांगुली की भी बराबरी कर ली, जिन्होंने वनडे में 100 कैच लिए थे साथ ही भारत की तरफ से 100 कैच लेने वाले 7वें फील्डर भी बन गए। भारत के लिए वनडे में सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड कोहली के नाम है जिन्होंने अब तक कुल 164 कैच लिए हैं।

सचिन से आगे निकले कोहली

कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक लगाने के साथ ही लक्ष्य का पीछा करते हुए सर्वाधिक बार 50+ स्कोर लगाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ दिया है। कोहली ने वनडे में 70वीं बार चेज करते हुए 50+ स्कोर बनाया, जबकि सचिन ने इस दौरान 69 बार 50+ स्कोर किए हैं।

जैक कैलिस को पीछे छोड़ा

कोहली ने भी मेजबान टीम के दो बल्लेबाजों के बेहतरीन कैच लपके और अब वो इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में चौथे नंबर पर आ गए। कोहली के नाम अब इंटरनेशनल क्रिकेट में कुल 339 कैच हो गए हैं जबकि कैलिस ने कुल 338 कैच लपके थे। इस लिस्ट में 440 कैच के साथ महेला जयवर्धने पहले स्थान पर हैं।

खबर संक्षेप

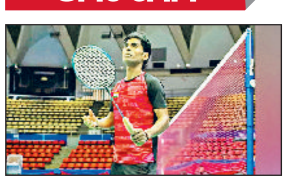

पैरा बैडमिंटन में भगत ने जीते दो स्वर्ण पदक

विक्टोरिया। पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत ने दो स्वर्ण पदक जबकि सुकांत कदम ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता, जिससे भारत ने ऑस्ट्रेलियाई पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 2025 में अपना दबदबा बनाते हुए पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।भगत ने फाइनल में हमवतन मनोज सरकार को 21-15, 21-17 से हराकर पुरुष एकल एसएल3 का खिताब जीता। इसके बाद उन्होंने कदम के साथ जोड़ी बनाकर पुरुष युगल एसएल3-एसएल4 का खिताब अपने नाम किया। फाइनल में उन्होंने उमेश विक्रम कुमार और सूर्यकांत यादव की हमवतन भारतीय जोड़ी को 21-11, 19-21, 21-18 से हराया।

जेनेसिस चैंपियनशिप में कट से चूके शुभंकर

चिओनान (कोरिया)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा दूसरे दौर में तीन-अंडर 68 का कार्ड खेलने के कारण जेनेसिस चैंपियनशिप में कट हासिल करने से चूक गए। दूसरे दौर का स्कोर उनकी खराब शुरुआत की भरपाई के लिए काफी नहीं था, जिससे उन्होंने सत्र का अंत निराशाजनक तरीके से किया। शर्मा ने पहले दौर में छह-ओवर 77 का कार्ड बनाया था। उन्होंने दूसरे दौर में दो बोगी और पांच बर्डी लगाई लेकिन यह कट में दिलाने के लिए काफी नहीं था। मिकाएल लिंडबर्ग चार अंडर 67 के कार्ड से संयुक्त बढ़त बनाए हैं।

इंटरनेशनल सीरीज के तीसरे दौर में भुल्लर

मनीला। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर इंटरनेशनल सीरीज फिलीपींस के तीसरे दौर में 18वें होल पर बोगी करने के बावजूद खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। भुल्लर 67-69-67 के स्कोर के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर हैं और उनका कुल स्कोर 13 अंडर है। वह सैम्पसन झेंग (62), मिगुएल तबुएना (65) और सरित सुवन्नारुत (69) से चार शॉट पीछे हैं। उन्होंने स्टा एलेना गोल्फ क्लब के पहले नौ होल में तीन बार बर्डी लगाई और फिर 13वें, 16वें और 17वें होल में तीन और बर्डी लगाकर दिन का स्कोर छह अंडर तक पहुंचा दिया

मेसी ने हासिल की गोल्डन बूट ट्रॉफी

एजेंसी ▶▶| फोर्ट लॉडरडेल

स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने मेजर सॉकर लीग (एमएलएस) में सर्वाधिक गोल करने के लिए गोल्डन बूट ट्रॉफी हासिल करने के बाद भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। अर्जेंटीना के इस दिग्गज स्ट्राइकर ने दो गोल किए, जिससे उनकी टीम इंटर मियामी में नैशविले एससी पर 3-1 से जीत के साथ मेजर लीग सॉकर प्लेऑफ में अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की। मेसी ने पहले हाफ में डाइविंग हेडर के साथ स्कोरिंग की शुरुआत की और फिर 96वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। इंटर मियामी ने मेसी का तीन साल का अनुबंध बढ़ाने की घोषणा की थी।

भारत नहीं आएंगे मेसी मैत्री मैच स्थगित

कोच्चि। अर्जेंटीना फुटबॉल टीम और स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी अगले महीने केरल का दौरा नहीं करेंगे। इस दौरे के प्रायोजक ने यह घोषणा की। इससे पहले इस प्रस्तावित फुटबॉल मैच के प्रायोजक एंटो ऑगस्टीन ने केरल के खेल विभाग के साथ मिलकर घोषणा की थी कि मेसी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की टीम 17 नवंबर को कोच्चि में एक मैत्री मैच खेलेगी। ऑगस्टीन ने अब अपने फेसबुक पेज पर घोषणा की कि यह मैच अगले महीने नहीं होगा। ऑगस्टीन ने लिखा, 'फीफा की अनुमति मिलने में देरी को देखते हुए, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ चर्चा के बाद इस मैच को नवंबर की विंडो से स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।' उन्होंने कहा कि केरल में यह मैच अगले अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा और नई तारीख की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ लय हासिल करने उतरेगा इंग्लैंड

विशाखापत्तनम। इंग्लैंड की टीम पहले ही महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी है लेकिन उसके बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है और इसलिए वह न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले अपने अंतिम लीग मैच में इस विभाग की कमजोरी को दूर करने की कोशिश करेंगे। इंग्लैंड ने कुल मिलाकर टूर्नामेंट में अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन कुछ अवसरों पर उसकी बल्लेबाजी ध्वस्त हो गई थी, जो सेमीफाइनल से पहले टीम के लिए चिंता का विषय है। गुवाहाटी में विश्व कप के अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार बार की विजेता टीम की 10 विकेट से जीत इस बात की पुष्टि थी कि अनुभवी नैट स्किवर ब्रंट के नेतृत्व वाली टीम गत विजेता ऑस्ट्रेलिया को चुनौती देने के लिए तैयार है, लेकिन बांग्लादेश और पाकिस्तान के खिलाफ मैच में संघर्ष ने टीम की कमियों को उजागर कर दिया। बांग्लादेश के खिलाफ उसकी टीम चार विकेट से जीत हासिल करने में सफल रही थी, लेकिन इनस्विंगर के सामने इंग्लैंड की बल्लेबाजों की कमजोरी को पाकिस्तान की तेज गेंदबाज फातिमा सना ने उजागर कर दिया था।

चीन में भारत के खिलाड़ियों का जलवा लक्ष्य राजेश सहित चार सेमीफाइनल में

एजेंसी ▶▶| चेंगदू (चीन)

लक्ष्य राजेश ने शीर्ष वरीयता प्राप्त ललिता सत्तयाथाडाकून को हराकर बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत के कुल चार खिलाड़ियों ने एकल वर्ग के अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की।

दिन का मुख्य आकर्षण लक्ष्य रही, जिन्होंने अंडर-17 बालिका एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की शीर्ष वरीयता प्राप्त ललिता को 11-21, 21-16, 21-19 से हराया। भारत की एक अन्य खिलाड़ी छठी वरीयता प्राप्त दीक्षा सुधाकर भी अंतिम चार में पहुंच गई है। उन्होंने इंडोनेशिया की रईस्या अफ्फातुनिसा को 21-17, 21-8 से हराया। लड़कों के एकल वर्ग में जगशेर सिंह खंगुरा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हांगकांग चीन के झान शिंग युई को सीधे गेम में 21-13, 21-14 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत के जंगजीत सिंह काजला और जननिका रमेश अपने चीनी प्रतिद्वंद्वियों के रिटायर होने के बाद अंडर-17 मिश्रित युगल सेमीफाइनल में पहुंच गए।

पैन पैसिफिक ओपन

पीठ दर्द के कारण टूर्नामेंट से हटीं एलेना रायबाकिना

एजेंसी ▶▶| टोकियो

कजाखस्तान की एलेना रायबाकिना ने पीठ की समस्या के चलते सेमीफाइनल से पहले शनिवार को पैन पैसिफिक ओपन से हटने का फैसल किया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में जीत के एक दिन बाद पीठ की समस्या का हवाला दिया।

क्वार्टरफाइनल में उनकी जीत के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिए आखिरी बची जगह पक्की हो गई थी। 2022 विम्बलडन चैंपियन को टोकियो टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में लिंडा नोस्कोवा का सामना करना था। रायबाकिना ने एक बयान में कहा, 'मुझे बहुत दुख है कि मैं आज नहीं खेल सकती। मेरी पीठ में समस्या हो रही है।' रायबाकिना ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में विक्टोरिया म्बोको को 6-3, 7-6 (4) से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिए आठवां और आखिरी स्थान हासिल कर लिया। रायबाकिना ने अगले महीने सऊदी अरब में होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिए मीरा एंड्रीवा को पीछे छोड़ते हुए आठवां स्थान हासिल किया था। डब्ल्यूटीए फाइनल्स एक से आठ नवंबर तक खेला जाएगा, जिसमें रायबाकिना शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका, इगा स्वियातेक, कोको गॉफ, अमांडा अनिसिमोवा, मैडिसन कीज, जेसिका पेगुला और जैस्मीन पाओलिनी के साथ शामिल होंगी।

18 वर्षीय संजना ने दूसरा स्वर्ण जीता, सैफ सीनियर चैंपियनशिप के दूसरे दिन भारत का दबदबा

रांची (भाषा)। अठारह वर्षीय संजना सिंह ने शनिवार को यहां सैफ सीनियर चैंपियनशिप के दूसरे दिन महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ जीतकर अपना दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। भारत ने प्रतियोगिता के दूसरे दिन 11 में से सात स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा बनाया। संजना ने 1500 मीटर में चार मिनट 25.36 सेकंड का समय निकालकर श्रीलंका की डब्ल्यू के एल अराच निमाली (4:25.52) को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता। रोहतक की इस धाविका ने इससे पहले शुक्रवार को पहले दिन 5000 मीटर में स्वर्ण पदक जीता था। एक अन्य भारतीय काजल कनवाडे 4:26.21 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। हरियाणा पुलिस में सब इंस्पेक्टर की बेटी संजना ने कहा, ''बेहतर धावकों के साथ प्रतिस्पर्धा करना मेरे लिए सीखने का एक अच्छा अनुभव था।'' श्रीलंका ने हालांकि पुरुष और महिला चार गुणा 100 मीटर रिले दोनों में स्वर्ण पदक जीत लिए जबकि भारत को दोनों स्पर्धाओं में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। श्रीलंका के खिलाड़ियों ने इससे पहले शुक्रवार को भी पुरुष और महिला 100 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीते थे।

सोनिया ने रचा इतिहास, डब्ल्यूएनबीए में बनीं पहली भारतीय मुख्य कोच

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल की सोनिया रमन ने सिएटल स्टॉर्म का मुख्य कोच बनकर डब्ल्यूएनबीए (महिला नेशनल बास्केटबॉल लीग) में नया इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतियोगिता में किसी टीम की मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली व्यक्ति हैं। रमन पिछले सत्र में न्यूयॉर्क लिबर्टी में सहायक कोच बनने से पहले चार साल तक एनबीए के मेम्फिस ग्रिजलीज में सहायक कोच थीं। वह डब्ल्यूएनबीए में मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली कोच होगी। सिएटल ने पिछले महीने कोच नोएल क्विन को बर्खास्त कर दिया था। इस नियुक्ति के साथ न्यूयॉर्क एकमात्र ऐसी टीम है, जिसके पास अभी भी कोई मुख्य कोच नहीं है। रमन का कोचिंग करियर एमआईटी से शुरू हुआ, जहां वह 2008 से 2020 तक मुख्य कोच रहीं। उन्होंने इस स्कूल को दो बार डिवीजन तीन एनसीएए टूर्नामेंट में पहुंचाया और प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे सफल कोच बनी।

हंसिका, सारिका को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, परविंदर कांस्य पदक मुकाबले में हारे

नोवी साद (सर्बिया)। भारत को अपने पहले स्वर्ण पदक के लिए अभी और इंतजार करना होगा क्योंकि हंसिका लांबा और सारिका मलिक को शनिवार को यहां अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के फाइनल में हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हंसिका 53 किग्रा वर्ग के खिताबी मुकाबले में जापान की हारुना मोरिकावा से 0-4 से हार गईं। पिछले साल की एशियाई अंडर-20 रजत पदक विजेता सारिका 2024 अंडर-23 विश्व रजत पदक विजेता रुका नतामी से रोमांचक मुकाबले में 1-2 से हार गयी। भारत ने इस प्रकार महिला वर्ग में अपने अभियान का अंत सात पदकों के साथ किया। निशु (55 किग्रा), नेहा शर्मा (57 किग्रा), पुलकित (65 किग्रा), सृष्टि (68 किग्रा) और प्रिया मलिक (76 किग्रा) ने टूर्नामेंट में पहले ही कांस्य पदक जीते थे। सविता (62 किग्रा), हन्नी कुमारी (50 किग्रा), दीक्षा मलिक (72 किग्रा) का अभियान पदक दौर से पहले ही खत्म हो गया था। पुरुषों की फ्रीस्टाइल स्पर्धा में प्रविंदर (74 किग्रा) कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में जापान के योशिनोसुके आओयागी से 2-8 से हार गए। सुमित मलिक (57 किग्रा), नवीन कुमार (70 किग्रा), चंद्र मोहन (79 किग्रा) दिन में पहले ही बाहर हो गए थे।

भारत और बांग्लादेश में भिड़ंत आज दोपहर 3 बजे से

गलतियों से सीखकर नई शुरुआत करेगा भारत

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुका भारत इस महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम लीग मैच में अपनी कमियों को दूर करने की कोशिश करेगा।

इंदौर में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले मुकाबले का विजेता अंक तालिका में शीर्ष पर रहेगा और 30 अक्टूबर को सेमीफाइनल में भारत से भिड़ेगा। बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज करने पर भी भारत चौथे स्थान पर ही रहेगा। भारत बांग्लादेश पर जीत से अधिकतम आठ अंक तक पहुंच सकता है, लेकिन वह इंग्लैंड से पीछे रहेगा, जो नौ अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और यदि वह रविवार को न्यूजीलैंड को हरा देता है तो उसके अंकों की संख्या 11 हो जाएगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ झोंकी पूरी ताकत

भारतीय टीम पर एक समय सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था लेकिन उसने पिछले मैच में न्यूजीलैंड की चुनौती को विफल करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी और वर्षा से प्रभावित मुकाबले में 53 रन से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर लिया। यह मुकाबला हालांकि उनकी पूरी तरह से परीक्षा नहीं ले पाया। भारत ने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाया और स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल के शतकों की मदद से 49 ओवरों में तीन विकेट पर 340 रन बनाए। जेमिमा रोड्रिग्स ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 76 रन की पारी खेलकर टीम को जरूरी गति प्रदान की।

बड़ी पारी खेलने के लिए उत्सुक होगी हरमनप्रीत

बारिश के कारण न्यूजीलैंड के सामने 44 ओवर में 325 रन बनाने का लक्ष्य रखा गया लेकिन उसकी टीम आठ विकेट पर 271 रन ही बना सकी। रेणुका सिंह ठाकुर ने शुरू में दो विकेट लेकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी। रविवार को भी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। ऐसे में भारत अगर पहले बल्लेबाजी करता है तो वह बड़ा स्कोर बनाना चाहेगा तथा उसके बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलना चाहेंगे। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर अभी तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है और वह सेमीफाइनल से पहले बड़ी पारी खेलने के लिए उत्सुक होगी। अभी तक इंदौर में इंग्लैंड के खिलाफ हरमनप्रीत की 70 रन की पारी ही एकमात्र उल्लेखनीय पारी रही है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ब्रिटेन पहुंचे यूक्रेन के राष्ट्रपति ने की मांग

रूस के तेल पर प्रतिबंध और बढ़ाए यूएस, लंबी दूरी की मिसाइलें भी दे

एजेंसी ⏭ लंदन

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को अमेरिका से अपील की कि वह रूस की दो तेल कंपनियों पर लगाए गए प्रतिबंधों को बढ़ाकर पूरे रूसी तेल क्षेत्र के लिए लागू करे। उन्होंने साथ ही अमेरिका से लंबी दूरी की मिसाइलों की भी मांग की, ताकि यूक्रेन की तरफ से रूस के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की जा सके।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यह बयान ब्रिटेन के लंदन में दिया। वे यहां यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक में शामिल हुए। यूरोपीय देश के नेताओं और जेलेंस्की की बैठक ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर की मेजबानी में हुई। बैठक में 20 से ज्यादा नेता वीडियो लिंक से जुड़े थे। जेलेंस्की ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का हालिया निर्णय, जिसमें रूस की कुछ कंपनियों पर तेल प्रतिबंध लगाए गए हैं, एक बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा कि हमें केवल रोसनेफ्ट और लुकोइल पर नहीं, बल्कि सभी रूसी तेल कंपनियों पर दबाव डालना चाहिए। उन्होंने अमेरिका से मांग की कि वह यूक्रेन की रूस में हमले की क्षमता बढ़ाने के लिए लंबी दूरी तक मार करने वाली टॉमहॉक मिसाल मुहैया कराए।

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के साथ यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की

20 से ज्यादा नेता वीडियो लिंक से जुड़े

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने की मेजबानी

जेलेंस्की ने यूरोपीय संघ के कई नेताओं से की बात

पुतिन पर भड़के यूरोप-नाटो के नेता

जेलेंस्की से बातचीत के बाद ब्रिटेन के पीएम स्टार्मर ने कहा कि पुतिन ने एक बार फिर बातचीत का मौका ठुकरा दिया है और यूक्रेन की जमीन पर अव्यवहारिक मांगें रखी हैं। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। दूसरी तरफ नाटो प्रमुख मार्क रुट ने कहा कि पुतिन अब पैसे, सैनिकों और विचारों की कमी से जूझ रहे हैं। लंदन में बैठक के दौरान एक संभावित रीएश्योरेंस फोर्स की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई, जो यूक्रेन की रक्षा में मदद करेगी। ब्रिटिश रक्षा मंत्री जॉन हीली ने कहा कि यह आकाश और समुद्र की सुरक्षा करने और यूक्रेनी सेना को प्रशिक्षित करने वाली ताकत होगी।

रूस का यूक्रेन पर हमला 4 की मौत, 16 घायल

रूस और यूक्रेन के बीच संघर्षविराम की कोशिशों के बीच रूसी सेना ने यूक्रेन के कई हिस्सों में ड्रोन और मिसाइलों से हमले किए। इन हमलों में 4 लोगों की मौत हो गई और 16 घायल हुए। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि राजधानी कीव में बैलिस्टिक मिसाइल हमले के दौरान 2 लोगों की मौत हुई और 9 घायल हुए।

अमेरिकी न्योते पर वॉशिंगटन पहुंचे रूसी प्रतिनिधि

रूसी अधिकारी किरिल दिमित्रिएव शुक्रवार को अमेरिका पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि यह बैठक पहले से तय थी और अमेरिकी पक्ष के आमंत्रण पर हो रही है। वह अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ से मुलाकात करेंगे।

खबर संक्षेप

नेपाल में खाई में गिरी जीप, 8 की मौत

काठमांडू। नेपाल के करनाली प्रांत में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां रुकुम पश्चिम जिले के झरमारे इलाके में जीप के खाई में गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं, 10 अन्य लोग घायल बताए गए हैं। बताया गया है कि 18 लोगों को ले जा रही जीप पहाड़ी इलाके में सड़क से नीचे 700 फीट गहरी खाई में गिर गई। यह हादसा काठमांडू से 500 किलोमीटर दूर, झरमारे में तब हुआ जब जीप मुसीकोट के खलांगा से अथबिस्कोट के स्यालीड़ी जा रही थी। शुरुआती जांच में सामने आया कि सात लोगों की हादसे के बाद मौके पर ही मौत हो गई।

आईएसआई का खूंखार आतंकी 'टिड्डी' गिरफ्तार

अमृतसर। स्टेट स्पेशल आपरेशन सेल ने मनप्रीत सिंह उर्फ टिड्डी नाम के आतंकी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो आइईडी, पिस्तौल और कारतूस बरामद किए हैं। आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। पता चला है कि आरोपित मनप्रीत सिंह के आइएसआई के साथ संबंध हैं और वह पिछले चार साल से आइएसआइ के लिए काम कर रहा है। यह बरामदगी पुलिस ने कोटला तरखाना गांव के पास से की है। यह गांव थाना कत्थूनगल के अधीन पड़ता है।

चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार का किया ऐलान

लंदन। बुकर प्राइज फाउंडेशन ने काल्पनिक कहानियों के लिए एक नया चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार शुरू करने का ऐलान किया। इसके विजेता का चयन बाल व वयस्क निर्णायकों की तरफ से संयुक्त रूप से किया जाएगा। नए पुरस्कार के पहले संस्करण के नामांकन की शुरुआत 2026 में होगी और 2027 से यह प्रतिवर्ष प्रदान किया जाएगा। इसके तहत विजेता को 50 हजार पाउंड यानी करीब 59 लाख रुपए दिए जाएंगे। यह पुरस्कार 8-12 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए सर्वश्रेष्ठ समकालीन कथा साहित्य के क्षेत्र में रचना को दिया जाएगा।

पूर्व सीआईए अधिकारी का बड़ा दावा

मुशर्रफ ने अमेरिका के हाथों में सौंप दिए थे 'परमाणु

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

अमेरिकी खुफिया एजेंसी, सीआईए के एक पूर्व अधिकारी जॉन किरियाकू ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि जब मैं 2002 में पाकिस्तान में तैनात था, तो मुझे अनौपचारिक रूप से बताया गया था कि पेंटागन पाकिस्तानी परमाणु शस्त्रागार को नियंत्रित करता है। परवेज मुशर्रफ ने नियंत्रण संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया है क्योंकि उन्हें इस बात का डर था कि कहीं आतंकियों के हाथों में ये हथियार न पहुंच जाएं।

अमेरिका ने मुशर्रफ को खरीद लिया था

किरियाकू ने बताया कि अमेरिका ने पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ के साथ इतना करीबी रिश्ता बनाया कि सचमुच उसे खरीद लिया गया। किरियाकू के अनुसार अमेरिका ने पाकिस्तान को लाखों डॉलर की मदद दी, चाहे वह सैन्य मदद हो या आर्थिक विकास के लिए, और मुशर्रफ ने अमेरिका को पूरी आजादी दी कि वे अपने काम कर सकें। किरियाकू ने बताया कि पाकिस्तान उस समय व्यापक भ्रष्टाचार की चपेट में था। उन्होंने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो दुबई में आलीशान जीवन जीती थीं, जबकि आम लोग भूखे मर रहे थे। मुशर्रफ सेना को खुश रखने के लिए अमेरिका के साथ आतंकवाद विरोधी सहयोग का ढोंग करता था, जबकि गुप्त रूप से भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियां जारी रहती थीं।

किरियाकू के अनुसार, पाकिस्तान के राजनेता जनता की समस्याओं की ओर ध्यान नहीं देते। उन्होंने कहा, ये वही नेता हैं, जिनके साथ पाकिस्तानी जनता को जीना पड़ता है।

बिन लादेन महिला के भेष में भागा था

बताया कि अल-कायदा का संस्थापक ओसामा बिन लादेन, जो 9/11 हमलों के बाद अमेरिका के लिए सबसे खोजा जाने वाला आतंकवादी था, तोरा बोरा की पहाड़ियों से महिला के भेष में भाग निकला था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर का अनुवादक वास्तव में अल-कायदा का एजेंट था और वह अमेरिकी सेना में घुसपैठ कर चुका था। अक्तूबर 2001 में अमेरिकी सेना मानती थी कि बिन लादेन और अल-कायदा प्रमुख तोरा बोरा में घेरा गया था। अमेरिकी कमांड ने बिन लादेन को पहाड़ी से उतरने के लिए कहा। अनुवादक ने जनरल फ्रैंक्स को समझाया कि उन्हें सुबह तक महिलाओं और बच्चों को निकालने की अनुमति दी जाए। इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद, बिन लादेन ने रात के अंधेरे में एक पिकअप ट्रक की मदद से पाकिस्तान भागने में सफल हुआ।

देश का सबसे स्वच्छतम शहर इंदौर... एक युवक की हरकत से शर्मसार

कैफे जा रही ऑस्ट्रेलिया की 2 खिलाड़ियों के साथ छेड़छाड़, आरोपी को दबोचा गया

रेडिसन होटल के आसपास पर्याप्त सुरक्षा नहीं लगाई गई थी

आरोपी ने बाइक से पीछा किया और गलत तरीके से छुआ

◆ खबर पुलिस तक पहुंची तो छह थानों को अलर्ट कर दिया गया। इस मामले में पुलिस ने आजाद नगर निवासी अकील को गिरफ्तार कर लिया

◀ इस मामले में इंदौर पुलिस की बड़ी इंटेलिजेंस चूक

◀ इस घटना की जानकारी क्रिकेट बोर्ड और प्रशासन को भी दी गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

इंदौर के होलकर स्टेडियम में महिला विश्व कप के लिए क्रिकेट मैच हो रहे हैं। इसमें भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीम रेडिसन होटल में रुकी हुईं हैं। होटल से कैफे तक जाने के रास्ते पर ऑस्ट्रेलिया टीम की दो महिला खिलाड़ियों के साथ छेड़खानी करने और उन्हें गलत तरीके से छूने का मामला सामने आया है।

पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वह बाइक पर सवार था। दो महिला खिलाड़ी होटल से आधा किमी दूर स्थित कैफे तक पैदल जा रही थीं। इस बीच बाइक सवार ने दोनों खिलाड़ियों को छू लिया। सहमी महिला खिलाड़ी ने अधिकारी को सूचना दी।

खबर पुलिस तक पहुंची तो छह थानों को अलर्ट कर दिया गया। इस मामले में पुलिस ने आजाद नगर निवासी अकील को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी अकील

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कहा- हम अपराधी को पकड़ने के लिए त्वरित कार्रवाई पर मप्र पुलिस की सराहना करते हैं

मनचले की बाइक का नंबर नोट कर लिया था

छेड़छाड़ करने वाले युवक ने जब महिला खिलाड़ियों के साथ छेड़खानी की तो एक राहगीर ने बाइक सवार का नंबर नोट कर लिया। एक अन्य कार सवार ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसके बाद पुलिस अफसर सक्रिय हुए। इस मामले में इंटेलिजेंस चूक हुई है। होटल के आसपास पर्याप्त सुरक्षा नहीं लगाई गई थी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने घटना को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

इस घटना पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि यह एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इस तरह की घटना से बदनामी होती है। हम अपराधी को पकड़ने के लिए त्वरित कार्रवाई करने के लिए राज्य पुलिस (मध्य प्रदेश) की सराहना करते हैं। अपराधी को दंडित करने के लिए कानून को अपना काम करना चाहिए।

आरोपी की हुई पहचान, केस दर्ज

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि महिला ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के सुरक्षा अधिकारियों ने शिकायत दर्ज कराई कि टीम के दो सदस्यों को अनुचित व्यवहार का सामना करना पड़ा। एक प्राथमिकी दर्ज की गई, और एक गहन रणनीतिक ऑपरेशन के बाद आरोपी की पहचान की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी अकील आजादनगर का निवासी है। उस पर बीएनएस की धारा 74 और 78 के तहत आरोप लगाए गए हैं। यह घटना 23 अक्टूबर को सुबह 11 बजे के आसपास हुई, जब महिला ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की सदस्य अपने होटल से एक कैफे की ओर जा रही थीं। हम जांच कर रहे हैं कि सुरक्षा प्रोटोकॉल में कोई कमी थी या नहीं।

जैसी जानकारी छेड़छाड़ के संबंध में मिली थी। पुलिस ने प्रारंभिक जांच करते हुए आरोपी की तलाश की। उसे गिरफ्तार भी कर लिया गया है। आगे की कार्यवाही कोर्ट के आदेश पर की जाएगी।

संतोष सिंह
पुलिस कमिश्नर, इंदौर

दिल्ली एयरपोर्ट के नए टर्मिनल 2 का उद्घाटन

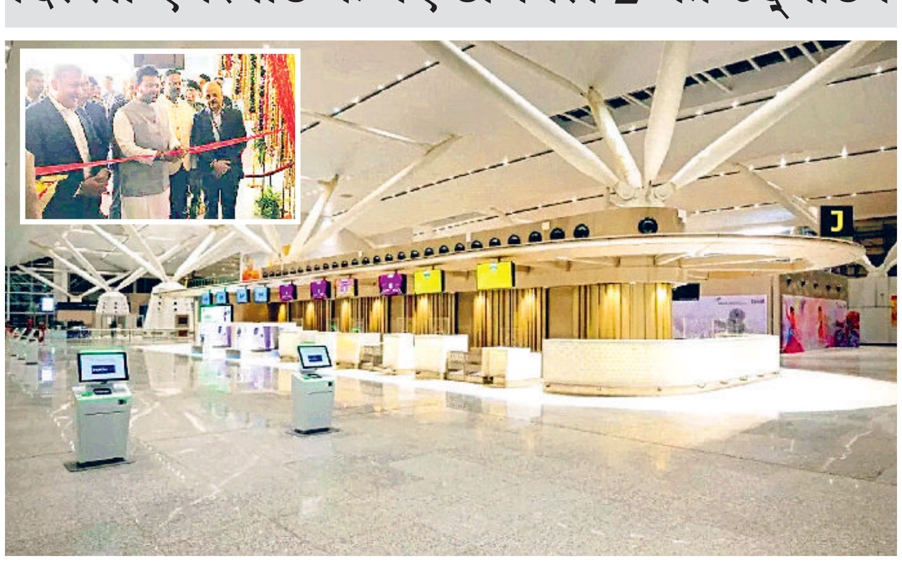

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) के टर्मिनल 2 को आधुनिक तरीके से तैयार किया गया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने एक भव्य समारोह में टर्मिनल 2 का उद्घाटन किया। यह टर्मिनल संचालित हो गया है। टर्मिनल 2 में अत्याधुनिक तकनीक और सुविधाओं को शामिल किया गया है। इसमें सेल्फ-बैगेज ड्रॉप पहली बार टी2 में शुरू की गई इस सुविधा से यात्री स्वयं अपना सामान चेक-इन कर सकते हैं, जिससे कतार में लगने का समय बचेगा। छह नए पैसेंजर बोर्डिंग ब्रिज तेज और सुरक्षित विमान हैंडलिंग के लिए समायोज्य प्लेटफॉर्म के साथ हैं, जिनमें फ्लश डोर और साइड-कवरिंग कुशन डिजाइन सुरक्षा और सुंदरता को बढ़ाते हैं।

आज से भारत और चीन के बीच हवाई उड़ान शुरू

बीजिंग। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने दोनों देशों के बीच 26 अक्टूबर से फ्लाइट सेवाओं की बहाली को चीन ने सकारात्मक कदम करार दिया, जो 2.8 अरब लोगों के बीच मित्रवत आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा। भारत ने दो अक्टूबर को घोषणा की थी कि चीन के लिए सीधी फ्लाइट्स 26 अक्टूबर से फिर से शुरू होंगी। इंडिगो ने घोषणा की कि वह 26 अक्टूबर से कोलकाता से गुआंगझौ के लिए फ्लाइट और 10 नवंबर से दिल्ली से गुआंगझौ के लिए उड़ानें फिर से शुरू करेगा। वहीं, चीन की एयरलाइन चाइना ईस्टर्न नौ नवंबर से शंघाई से दिल्ली के लिए उड़ानें शुरू करेगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 5 दिवसीय एशिया दौरा शुरू

8 साल बाद आसियान सम्मेलन में होंगे शामिल अगले सप्ताह जिनपिंग के साथ व्यापार पर चर्चा

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार रात वॉशिंगटन से निकलकर पांच दिवसीय एशिया यात्रा पर रवाना हुए। इस यात्रा में वह मलेशिया, जापान और दक्षिण कोरिया जाएंगे। यह जनवरी में पद संभालने के बाद उनकी पहली एशिया यात्रा है और अब तक की सबसे लंबी विदेश यात्रा है। उनकी यात्रा का सबसे अहम पड़ाव महीने के अंत में होगा, जिसमें वह दक्षिण कोरिया में होने वाले एपेक सम्मेलन में चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से मुलाकात कर सकते हैं। इस बैठक में व्यापार और ताइवान मुद्दे पर चर्चा होने की उम्मीद है। ट्रंप का यह दौरा चीन के साथ तनाव कम करने, दक्षिण कोरिया की व्यापारिक चिंताओं पर चर्चा करने और दक्षिण-पूर्व एशिया में शांति स्थापित करने की दिशा में एक अहम प्रयास माना जा रहा है।

यूएस-चीन के अधिकारियों के बीच वार्ता शुरू

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट के मुताबिक, ट्रंप गुरुवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। इससे पहले अमेरिका और चीन के बीच कुआलालंपुर में वार्ता शुरू की। मलेशिया के शीर्ष आर्थिक अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। चीन के शीर्ष व्यापार वार्ताकार ली चेंगगांग भी मौजूदा वार्ता में भाग ले रहे हैं। तीनों अधिकारी अगले गुरुवार को दक्षिण कोरिया में एपीईसी शिखर सम्मेलन में ट्रंप और शी की मुलाकात का रास्ता निकालने की कोशिश करेंगे।

ताइवान का मुद्दा उठाएंगे

ट्रंप ने संकेत दिया कि वे किसानों के मुद्दे पर विशेष रूप से चर्चा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एशिया दौरे के दौरान वे ताइवान का मुद्दा भी उठाएंगे। हालांकि फिलहाल वहां जाने की कोई योजना नहीं है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109